Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Wednesday, 04 September 2024 ● Year : 02 ● Issue : 227 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा
की पावन धरा दक्षिणी छोटानागपुर
की लाखों माता-बहनों को
खुशियों का उपहार

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

सम्मान राशि का करेंगे हस्तांतरण

4 सितम्बर, 2024 | अपराह्न 01:00 बजे से
ट्रेनिंग ग्राउंड, खोजाटोली, नामकुम, रांची

दक्षिणी छोटानागपुर (रांची, खूंटी, सिमडेगा, गुमला और लोहरदगा) की सभी बहनों का समारोह में स्वागत है

झारखण्ड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना
हर बहना को हर साल ₹12 हजार

48 लाख
से अधिक निबंधन

लगभग 45 लाख
बहनों के आवेदन स्वीकृत

सितंबर से हर महीने की 15 तारीख को हर बहन के खाते में पहुँचेगी सम्मान राशि

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

BRIEF NEWS

पहाड़ी मंदिर की सुरक्षा के लिए सांसद संजय सेठ ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

RANCHI : पहाड़ी मंदिर के संरक्षण, संवर्द्धन और इसे अतिक्रमणमुक्त करने को लेकर रांची के सांसद सह रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को मंगलवार को पत्र लिखा है। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में रक्षा राज्य मंत्री ने कहा है कि भारत में ऐसे बहुत कम स्थान हैं, जिनका धार्मिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व साथ-साथ है। ऐसे ही स्थानों में है रांची का पहाड़ी मंदिर। केंद्रीय मंत्री ने कहा है कि वर्तमान समय में इस पहाड़ी की स्थिति बहुत जर्जर हो चुकी है। झारखंड के प्रसिद्ध पर्यावरणविद नीतिश प्रियदर्शी ने कई बार इस मुद्दे पर रिपोर्ट की है।

कांग्रेस नेता से एक करोड़ की मांगी रंगदारी, प्राथमिकी

RANCHI : रांची के जगन्नाथपुर थाने में कांग्रेस नेता ईश्वर आनंद से अमन साहू गिरोह के मयंक सिंह के नाम पर एक करोड़ रुपया की रंगदारी मांगने को लेकर मंगलवार को एफआईआर दर्ज कराया गया है। ईश्वर आनंद कांग्रेस के प्रदेश सचिव हैं, पेशे से बिल्डर हैं। उनसे फोन के जरिये कॉल करके रंगदारी मांगी गई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की गहन जांच पड़ताल कर रही है। उल्लेखनीय है कि लगातार व्यवसायियों और जमीन कारोबारियों से रांची में रंगदारी मांगी जा रही है।

सैनिक मार्केट परिसर में गिरा छज्जा, बाल-बाल बचे लोग

RANCHI : सैनिक बाजार परिसर, रांची में मंगलवार को धनबाद मोटर कंपनी के बाहर 20 फीट ऊंचाई से 15 फीट का छज्जा सामने टूटकर गिर गया। इससे परिसर में खड़े स्कूटर, मोटरसाइकिल को नुकसान भी पहुंचा। करीब 11:50 बजे दिन में हुई इस घटना में कोई और नुकसान नहीं हुआ। सैनिक बाजार दुकानदार संघ ने इसे सौभाग्य की बात बताया है कि जिस समय छज्जा गिरा, उस समय कोई भी किसी दुकान से बाहर नहीं निकल रहा था और ना कोई ग्राहक प्रवेश कर रहा था। यदि ऐसा होता तो दो चार लोग बुरी तरह घायल होते। बड़ा नुकसान भी हो सकता था।

कांग्रेस के 24 जिलाध्यक्षों की बैठक कल

RANCHI : आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के निदेर्शानुसार पांच सितंबर को कांग्रेस भवन में 24 जिलाध्यक्षों की बैठक होगी । इसमें मुख्य रूप से कांग्रेस विधायकदल के नेता डॉ रामेश्वर उरांव उपस्थित रहेंगे। इस संबंध में मीडिया चेयरमैन सतीश पौल मुजनी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश जिलाध्यक्ष से संगठन को लेकर सभी से विस्तृत जानकारी लेंगे। बूथ कमिटी में कार्य कितना हुआ है और कितना बचा इसकी चर्चा करेंगे। प्रदेश मीडिया विभाग के चेयरमैन सतीश पॉल मुजनी ने कहा कि यह बैठक जिला संगठन के निचले स्तर से लेकर ऊपर तक के कार्यकताओं के लिए है।

अपराध नियंत्रण को लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता का रुख कड़ा

थानेदार पर कार्रवाई नहीं करने वाले एसपी पर भी गिरेगी गाज

PHOTON NEWS RANCHI : काम में लापरवाह और गलत कार्य में लिप्त थानेदार पर कार्रवाई नहीं करने वाले एसपी पर गाज गिरेगी। इसको लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि अगर किसी जिले में थाना प्रभारी किसी निर्दोष को परेशान कर रहा है या किसी दोषी को पैसा लेकर छोड़ रहा है।

वैसे थाना प्रभारी पर अगर उस जिले के एसपी अगर कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं, तो उनपर भी कार्रवाई होगी। डीजीपी बताया कि जिले के पुलिस अधिकारियों के खिलाफ शिकायत को उस रेंज के डीआईजी खुद देखेंगे। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि कोई ऐसा अधिकारी जो आम जमता की शिकायत नहीं सुन रहा है और यह मामला अगर मेरे संज्ञान में आया तो उस पुलिस अधिकारी को उस

डीजीपी अनुराग गुप्ता। ● फोटोन न्यूज

स्थान से हटा दिया जायेगा। डीजीपी ने कहा कि आम जनता से यह मेरा कमिटमेंट है। एफआईआर दर्ज नहीं करने वाले थाना प्रभारी और टालमटोल करने वाले पुलिस अधिकारियों पर भी कार्रवाई होगी। इसको लेकर डीजीपी अनुराग गुप्ता ने आदेश जारी किया है। जारी आदेश में कहा गया है किआम जनता से दुर्व्यवहार और बदतमीजी करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाउ कड़ी अनुशासनिक कार्रवाई की जायेगी। डीजीपी ने कहा कि विभिन्न सूत्रों से ऐसी जानकारी प्राप्त हो रही कि झारखंड के कई जिलों में थाना प्रभारी और थाना के अन्य कर्मी विशेषकर मुंशी, आम जनता से अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं। वे जनता की शिकायतों पर थाना में प्राप्ति रसीद भी नहीं देते हैं। जिसके चलते भुक्तभोगी भटकते रहते हैं।

मनीष रंजन को मिला नेशनल अवार्ड फॉर ई-गवर्नेंस

झारखंड कैडर के आईएएस मनीष रंजन को नेशनल अवार्ड फॉर ई-गवर्नेंस अवार्ड दिया गया है। मुंबई के जियो कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें यह अवॉर्ड दिया गया। मनीष रंजन को यह अवॉर्ड झार जल योजना को झारखंड में बेहतर ढंग से लागू करने के लिए दिया गया है। पेयजल विभाग के सचिव पद पर काम करते हुए मनीष रंजन ने झारखंड में झार जल योजना को लागू कराया था। उनके इस काम के लिए भारत सरकार ने भी सराहना की थी। इस अवॉर्ड को देने से पहले भारत सरकार की टीम ने बिना किसी को सूचना दिए झारखंड के कई इलाकों का दौरा किया था। टीम में भारत सरकार के उप सचिव, अवर सचिव रैंक के अफसर थे। टीम ने बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग और पलामू के कई क्षेत्रों का औचक निरीक्षण कर झारखंड में जल नल योजना की स्थिति का आकलन किया था। जिसके बाद टीम ने अपनी रिपोर्ट केंद्र सरकार को सौंपी थी। जमीन पर योजना की हकीकत को जानने के बाद ही मनीष रंजन को इस अवॉर्ड के लिए चुना गया।

जन शिकायत समाधान कार्यक्रम 10 से

झारखंड पुलिस राज्य के सभी जिलों में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन करेगी। डीजीपी अनुराग गुप्ता के निर्देश पर इस कार्यक्रम की शुरूआत 10 सितंबर से होगी। जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में 18 मुख्य मुद्दे पर आम जनता की समस्या सुनी जायेगी और उनकी मदद की जायेगी। कार्रवाई योग्य शिकायत पर त्वरित निदान करना और पुलिस द्वारा बनाये जा रहे सर्वोत्तम पद्धतियों को प्रदर्शित करना इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य है। साथ ही नागरिकों की समस्या को समझते हुए पुलिस व्यवस्था में आवश्यक नीतिगत सुधार करना भी कार्यक्रम का उद्देश्य है।

वार्ता के बाद निगम के सफाई कर्मियों की हड़ताल समाप्त

बैठक करते नगर निगम के सफाईकर्मी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम के सफाईकर्मियों की हड़ताल दूसरे दिन मंगलवार को वार्ता के साथ खत्म हो गई। उप प्रशासक रविंद्र कुमार के साथ नगर निगम सफाई मजदूर संघ के अध्यक्ष दयानंद यादव के साथ वार्ता हुई। वार्ता में महासचिव लोकेश कुमार सिंह, धीरज कुमार, माया शंकर, देव नंदन प्रकाश साबिर अमर सहित अन्य लोग मौजूद थे। वार्ता के बाद नगर निगम सफाई मजदूर संघ के अध्यक्ष दयानंद यादव ने हड़ताल समाप्त करने की घोषणा की। पूर्व में एमपीएस के मानदेय एवं भत्ता को किस प्रकार दी गई थी, इसका आकलन करते हुए एमपीएस के मानदेय एवं भत्ता में वृद्धि के लिए संचिका बढ़ाने का निर्णय लिया गया। जिन 13 एमपीएस की संविदा के आधार पर रांची नगर निगम की ओर नियुक्ति की गई है, उनके विज्ञापन के शर्तों के अनुरूप हितलाभ देने का निर्णय लिया गया। रांची नगर निगम में सफाई के लिए पूर्व में कार्यरत एजेन्सी के कर्मियों का मानदेय एवं इपीएफ से संबंधित जो भी बकाया है, उसके भुगतान के लिए संबंधित एजेन्सी को नोटिस देने का निर्णय लिया गया। सफाईकर्मियों, चालकों, एमपीएस इत्यादि को सरकार द्वारा जो भी हितलाभ, जीवित या मृत्यु की स्थिति में दिये जाते हैं, उनको उपलब्ध कराने के लिए प्रक्रिया में सहयोग के लिए सहायक प्रशासक की।

उत्पाद सिपाही दौड़ में हुई मौत के लिए हेमंत जिम्मेदार : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मंगलवार को उत्पाद सिपाही दौड़ में जान गंवाने वाले अजय कुमार महतो के परिजनों से उनके ओरमांझी प्रखंड स्थित जिराबार गांव स्थित घर पर मुलाकात की। साथ में प्रदेश महामंत्री एवं सांसद आदित्य साहू भी उपस्थित थे।

मरांडी ने असामयिक मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। परिजनों को ढांढस बंधाया और मृतक की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मरांडी ने कहा कि राज्य सरकार पूरी तरह मौत की जिम्मेदार है। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि अविलंब मृतकों के आश्रित को 50 लाख रुपये मुआवजा एवं एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए। परिजनों को प्रदेश भाजपा की ओर से एक लाख रुपये की सहायता राशि भी

दी। मरांडी ने राज्य सरकार पर बड़ा निशाना साधा और कहा कि यह संवेदनहीन सरकार है। युवाओं की मौत हो रही और सरकार निश्चिंत है। परिजनों की सुध लेने की भी राज्य सरकार को फुर्सत नहीं। मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार ने उत्पाद सिपाही की दौड़ में जिस प्रकार से नियमो को उल्लंघन किया वह अभ्यर्थियों नवजवानों के मौत का कारण बन रही है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य की कोई चिंता नही की गई। लंबी यात्रा कर-के नौजवान सेंटर पर पहुंचे। रात भर जागकर लाइन लगे और सुबह में धूप में उन्हें दौड़ाया गया। उन्होंने कहा कि इसका सीधा असर नवजवानों के स्वास्थ्य पर पड़ा। ऐसे में स्वाभाविक है कि नींद पूरी नहीं होने से ब्लड प्रेशर भी बढ़ता है। शरीर की कार्य क्षमता घटती है। फिर भी अभ्यर्थी दौड़ने को मजबूर हुए। मरांडी ने कहा कि जहां तक नियमावली की बात है, 2018 की बहाली नियमावली में स्पष्ट प्रावधान है कि दौड़ के पहले अभ्यर्थियों की लिखित और शारीरिक जांच परीक्षा हो। जो इसमें सफल हों उन्हीं को दौड़ में शामिल किया जाए लेकिन इस सरकार ने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि एक घंटा में 10 किलोमीटर की दौड़ उत्पाद विभाग के सिपाही केलिए अव्यवहारिक है।

आरपीएफ ने भारी मात्रा में शराब के साथ दो लोगों को किया गिरफ्तार

RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची स्टेशन से भारी मात्रा में शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में बिहार के पटना निवासी रविशंकर कुमार और बिहार के भोजपुर निवासी मनीष कुमार सिंह शामिल हैं। रांची पोस्ट के निरीक्षक डी शर्मा ने मंगलवार को बताया कि रांची मंडल के सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के निर्देश पर शराब के धर-पकड़ के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुप्त सूचना मिली कि रांची स्टेशन पर शराब की बोतलों को कुछ लोग ट्रेन से लेकर जाने वाले हैं। सूचना के बाद आरपीएफ ने रांची रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर दो पर दो व्यक्तियों को पकड़कर ट्राली बैग की तलाशी ली। बैग से अलग-अलग ब्रांड के शराब की 121 बोतल बरामद की गई। बरामद शराब की कीमत एक लाख 52 हजार 250 रुपये बताया गया।

वोटर लिस्ट के प्रकाशन पर डीसी ने की मीटिंग

अधिकारियों व दलों के प्रतिनिधियों संग बैठक करते डीसी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतिम प्रकाशन को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में मीटिंग हुई। जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन एवं विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन से सर्बंधित विषयों पर चर्चा करते हुए जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि रांची की सभी सात विधानसभा सीटों के लिए मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 27 अगस्त को हो चुका है। बैठक में उपस्थित सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया कि अंतिम रूप से प्रकाशित मतदाता सूची की जांच कर लें तथा किसी भी योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची में नहीं जुड़ पाया हो या किसी का नाम त्रुटिपूर्ण या किसी का नाम विलोपित हो गया हो तो वैसे नागरिकों का नाम मतदाता सूची में जांच कर लें, ताकि आगामी विधानसभा निर्वाचन से पूर्व ससमय आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

राज्यपाल से उप्र के पूर्व मंत्री, मेजर जनरल और कुलपतियों ने की मुलाकात

RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मंगलवार को उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री यशवंत सिंह, आर्मी के मेजर जनरल परमवीर सिंह डागर और कुलपतियों सहित अन्य ने राजभवन में शिष्टाचार मुलाकात की। राज्यपाल से उत्तरी छोटानागपुर के आयुक्त सह हजारीबाग के विनोबा भावे विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति सुमन कैथरीन किस्पोट्टा ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों से राज्यपाल को अवगत कराया। राज्यपाल से पद्मश्री सह विकास भारती, बिशुनपुर के सचिव अशोक भगत ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान भगत ने राज्यपाल को संस्था की विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। इसके अलावा राज्यपाल से नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ स्टडी एंड रिसर्च इन लॉ के कुलपति डॉ अशोक आर पाटिल ने राजभवन में शिष्टाचार भेंट की।

भारत आदिवासी पार्टी की प्रखंड कमेटी गठित

कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल पार्टी के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को नगड़ी के सेंबो में भारत आदिवासी पार्टी झारखंड़ प्रदेश कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष अजय कच्छप के नेतृत्व में कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। मौके पर प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर रांची जिला अध्यक्ष सुरेंद्र लिंडा की देख-रेख में खिजरी विधानसभा के अंतर्गत नगडी, नामकुम व अनगडा प्रखंड कमेटी का गठन किया गया। इसमें नगडी प्रखंड का अध्यक्ष संदीप उरांव,नामकुम का किशन बुकुड़वार और अनगडा का अध्यक्ष जीतराम बेदिया को बनाया गया। सम्मेलन में खिजरी विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न सामाजिक संगठन के लोगो ने भारत आदिवासी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। मौके पर प्रसून, मंशा बडाइक, किशुन लोहरा व अन्य थे।

मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के कार्यक्रम की तैयारियां मुकम्मल

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को होने वाले झारखंड मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना अंतर्गत सम्मान राशि वितरण हेतु प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।

मंगलवार को डीसी राहुल कुमार सिन्हा, निदेशक सूचना एवं जनसंपर्क विभाग राजीव लोचन बक्शी एवं एसएसपी चंदन सिन्हा ने कार्यक्रम स्थल का दौरा किया गया। प्रमंडल स्तरीय कार्यक्रम में पांच जिलों के लाभुक शामिल होंगे। कार्यक्रम स्थल टेनिंग ग्राउंड, खोजाटोली नामकुम में तीन लाख वर्ग फीट में लाभुकों के बैठने की व्यवस्था की गई है।

कार्यक्रम को लेकर तैयारियों का जायजा लेते अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

दोपहर 01:00 बजे से 03:00 बजे तक कार्यक्रम निर्धारित है। पांचों जिले से आनेवाले लाभुकों की सुविधा के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम स्थल में अलग-अलग जिले के लिए इन्क्लोजर बनाए गए हैं, जहां संबंधित जिले के अधिकारी, सेविका-सहायिका एवं सखी मंडल की दीदियों के निर्देश में लाभुक अपना निर्धारित स्थान ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम स्थल में तीन गेट बनाए गए हैं, जहां से लाभुक प्रवेश करेंगे। हर गेट पर मेटल डिटेक्टर से प्रवेश करनेवालों की जांच की जायेगी।

दो लोगों के नाम एक ही जमीन की हो गई रजिस्ट्री

PHOTON NEWS RANCHI : जमीन विवाद के मामले में झारखंड की राजधानी रांची अव्वल है। यहां आए दिन जमीन से जुड़े मामले थाना और अंचल ऑफिस पहुंचते रहते हैं। ऐसा ही एक मामला नामकुम थाना से सामने आया है। नामकुम अंचल के हेसाग में एक ही जमीन की रजिस्ट्री दो अलग अलग लोगों के नाम से कर दो गई है। एक पक्ष राकेश शर्मा ने बताया कि उन्होंने 2011-12 में जग्गनाथ मिस्त्री से जमीन ली थी। उसी समय जमीन की रजिस्ट्री भी करा ली गई। लेकिन, अब रमेश सिंह नाम के व्यक्ति द्वारा जमीन पर अवैध कब्जा का प्रयास किया जा रहा

इसी जमीन पर है विवाद।

है। रमेश सिंह का भी दावा है कि जमीन की रजिस्ट्री उसके नाम से है। मामला जो भी हो, लेकिन एक बात तो स्पष्ट है कि बगैर अंचल ऑफिस की मिलीभगत के ऐसा संभव नही है। इधर, जमीन के दो दावेदारों के बीच यहां रहने वाली किराएदार को परेशानी झेलनी पड़ रही है।

एक से बढ़कर एक जौहर दिखाएंगे जांबाज, सेना को करीब से समझने का मिलेगा मौका

रांची में लगेगी सशक्त सेना समृद्ध भारत प्रदर्शनी

PHOTON NEWS RANCHI : अगर आप भारतीय सेना को करीब से समझना चाहते हैं तो वह पल बहुत जल्द आने वाला है। रांची का मोरहाबादी मैदान गौरवशाली प्रदर्शनी का गवाह बनने जा रहा है। यहां 6 सितंबर से 8 सितंबर तक सशक्त सेना समृद्ध भारत प्रदर्शनी लगने वाली है। इसका मकसद है स्थानीय लोगों के साथ संबंधों को सुदृढ़ करना और युवाओं को राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य की ओर प्रेरित करना। इस प्रदर्शनी में ना सिर्फ मॉर्डन सैन्य उपकरण देखने को मिलेंगे बल्कि सेना के जांबाज अपना जौहर भी दिखाएंगे। डेयरडेविल्स मोटरसाइकिल शो, डॉग शो, एरियल डिस्प्ले, हॉट एयर बैलूनिंग, मार्शल डांस के अलावा सांस्कृतिक गतिविधियों

समेत काफी कुछ देखने को मिलेगा। जाहिर है कि इस वीकेंड को यादगार बनाने का इससे अच्छा मौका नहीं मिलेगा। घर के बुजुर्गों के साथ-साथ बच्चों और युवाओं को यह प्रदर्शनी खूब भाएगी। हर भारतवासी जानता है कि हमारी सेना अपने निस्वार्थ सेवा के लिए जानी जाती है। यह पूरे देश के लिए प्रेरणा का स्तंभ है। इसलिए समाज से जुड़ने के अपने प्रयासों के तहत तीन दिवसीय 'सशक्त सेना समृद्ध भारत प्रदर्शनी' का आयोजन किया जा रहा है। इसका आयोजन 06 सितम्बर 2024 को सुबह 9:00 बजे मोरहाबादी मैदान, रांची में शुरू हो जाएगा। इसमे समाज के प्रबुद्धजनों के साथ-साथ सेना के अधिकारी मौजूद रहेंगे। इस प्रदर्शनी के दौरान भारतीय सेना की गौरव गाथा से भी रूबरू होने का मौका मिलेगा। साथ ही आर्मी बैंड्स, कलारीपयट्टु, मल्लखंभ, भांगड़ा और मार्शल आर्ट्स की प्रस्तुति होगी। तीन दिवसीय आयोजन के दौरान संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल की गई है, जो राष्ट्र की विविध धरोहर को प्रदर्शित करेगी। इसमें युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने की प्रक्रिया और उसके बाद के जीवन के बारे में मार्गदर्शन के लिए प्रेरक स्टॉल भी लगाए जाएंगे।

डीसी ने अलकायदा संदिग्ध के अल्ट्रासाउंड सेंटर का रजिस्ट्रेशन किया रद्द

RANCHI : मंगलवार को रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने गिरफ्तार अलकायदा संदिग्ध डॉ इश्तियाक अहमद के अल्ट्रासाउण्ड सेंटर मेडिकाना नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया। डॉ इश्तियाक अहमद के आतंकी गतिविधियों में शामिल होने को लेकर यह कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार रांची के खलारी रोड बीजूपाड़ा, चान्हो स्थित मेडिकाना नर्सिंग होम का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया गया है। रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा द्वारा संस्थान का निबंधन तत्काल प्रभाव से रद्द करते हुए संस्थान में अल्ट्रासाउण्ड कार्य बंद रखने और यूएसजी मशीन से किसी प्रकार की छेड़छाड़ एवं स्थानान्तरण न करने का आदेश दिया गया है, अन्यथा पीसी एंड पीएनडीटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जायेगी।

'फीता काटने वाले सीएम के रूप में याद किए जाएंगे हेमंत'

PHOTON NEWS RANCHI : प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने झारखंड भवन के उद्घाटन समारोह पर कटाक्ष करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भाजपा की सरकार की शुरू की गई योजनाओं के फीता काटने वाले मुख्यमंत्री के रूप में याद किए जाएंगे। प्रतुल शाह देव ने मंगलवार मुख्यमंत्री से जानना चाहा कि वो कब तक भाजपा की पूर्ववर्ती सरकार के द्वारा शिलान्यास और फंड की गई योजनाओं का उद्घाटन करेंगे? प्रतुल ने चुनौती देते हुए कहा कि वह सिर्फ एक योजना का नाम बता दें, जिसका शिलान्यास और उद्घाटन दोनों उन्होंने ही किया हो। प्रतुल ने कहा कि इतिहास में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भाजपा सरकार की योजनाओं का फीता काटने वाले मुख्यमंत्री के रूप में याद किए जाएंगे। साथ ही कहा कि झारखंड भवन का भी शिलान्यास

तत्कालीन राज्यपाल और वर्तमान में देश के राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और तत्कालीन मुख्यमंत्री रघुवर दास ने 18 जनवरी, 2016 को किया था। इसके पूरे फंड की भी व्यवस्था इस समय कर ली गई थी। मुख्यमंत्री सिर्फ फीता काटकर वाहवाही लूट रहे हैं प्रतुल ने कहा यह कोई पहली घटना नहीं कि जब भाजप की सरकार के द्वारा शुरू की गई योजनाओं को फीता काटकर मुख्यमंत्री अपनी पीठ खुद थप थपा रहे हैं।

राज्य के सभी विद्यालयों में रीड-ए-थॉन आयोजित

RANCHI : मंगलवार को 'रीडिंग कैंपेन' के तहत राज्य के सभी विद्यालयों में रीड ए थॉन का आयोजन किया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने अलग अलग विद्यालयों में कम से कम 30 मिनट तक पठन किया। इसमें बच्चों के साथ शिक्षक, समुदाय के सदस्यों ने भी भाग लिया। रीड ए थॉन की थीम 'हर चीज छोड़ें और पढ़ें' रखा गया था। यह रीड ए थॉन झारखण्ड शिक्षा परियोजना परिषद् के द्वारा आईपीईएल, यूनिसेफ एवं रूम टू रीड इंडिया के सहयोग से आयोजित रीडिंग कैंपेन का प्रमुख हिस्सा है। इस दौरान राज्य के हजारों स्कूली बच्चों ने एक साथ अलग अलग स्थानों में एक समय पर पढ़ाई की। यह अभियान आज सुबह 11 बजे से 11:30 बजे तक आयोजित किया गया। बच्चों ने इस दौरान अपनी मनपसंद पुस्तकों को पढ़ा।

सुविचार
प्रेम घृणा का रूप भले ही ले ले, उसे मैत्री में परिवर्तित करना असंभव है।
–मनोहर श्याम जोशी

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

12
Ananya Panday On Call Me...

Ranchi ● Wednesday, 04 September 2024 ● Year : 02 ● Issue : 227 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	82,555.44
निफ्टी	:	25,279.85

SARAFA

सोना	:	6,840
चांदी	:	91.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

केजरीवाल की हिरासत 11 सितंबर तक बढ़ी

NEW DELHI : दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने शराब नीति मामले से जुड़े सीबीआई केस में सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 11 सितंबर तक बढ़ा दी है। कोर्ट ने सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर भी संज्ञान लिया और केजरीवाल को समन जारी किया। सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल, दुर्गेश पाठक, विनोद चौहान, आशीष माथुर, सरथ रेड्डी के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर की थी। कोर्ट ने आरोपियों को जवाब दाखिल करने के लिए 11 सितंबर तक का समय दिया है। 27 अगस्त को कोर्ट ने सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर अपना फैसला सुरक्षित रखा था। तब केजरीवाल तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए थे।

छात्र को गोतस्कर समझकर मार डाला

HARIYANA : हरियाणा के पलवल में गोरक्षकों ने कार सवार छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना 23 अगस्त की है। मृतक की पहचान फरीदाबाद के रहने वाले आर्यन मिश्रा के रूप में हुई है। वह 12वीं कक्षा का छात्र था। इस मामले में 5 आरोपियों ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। सोमवार, 3 सितंबर को पुलिस ने खुलासा किया कि पकड़े गए लोग गोरक्षा दल से जुड़े हुए हैं। उन्हें सूचना मिली थी कि डस्टर गाड़ी में कुछ तस्कर शहर में घूम रहे हैं। वहीं आर्यन मिश्रा अपने दोस्तों के साथ डस्टर गाड़ी में नूडल खाने के लिए गया था। गोरक्षकों ने उन्हें तस्कर समझकर दिल्ली-आगरा नेशनल हाईवे पर करीब 30 किलोमीटर तक पीछा किया।

बांग्लादेश ने पाक के खिलाफ पहली बार जीती टेस्ट सीरीज

NEW DELHI : बांग्लादेश ने मंगलवार को रावलपिंडी टेस्ट में पाकिस्तान के खिलाफ जीत हासिल की। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में बांग्लादेश ने पहली बार पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज जीती है। दोनों के बीच अब तक 6 टेस्ट सीरीज खेली गई हैं। इनमें 5 में पाकिस्तान ही जीता है। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच 2 टेस्ट मैचों की सीरीज का आखिरी मैच रावलपिंडी में खेला गया।

इजरायली बंधकों को ताबूतों में भेजेंगे : हमास

NEW DELHI : गाजा में इजरायली बंधकों के शव मिलने के बाद हमास ने इजरायल के लिए चेतावनी जारी की है। हमास ने कहा है कि अगर इजरायल की सेना ने उनपर दबाव बनाना बंद नहीं किया तो वे बंधकों को ताबूतों में रखकर इजरायल भेजेंगे। हमास ने धमकी देते हुए कहा कि वह इसके लिए अपने लड़ाकों में आदेश भी दे चुका है। अलजजीरा के मुताबिक, कासिम ब्रिगेड के प्रवक्ता अबु उबैदा ने कहा कि अगर इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू बिना समझौते के सैन्य दबाव बनाकर बंधकों को छुड़ाने की कोशिश करेंगे।

हेमंत ने दिल्ली में झारखंड भवन का किया उद्घाटन

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिल्ली में झारखंड भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि देश की राजधानी दिल्ली में ये जगह खास है। कनॉट प्लेस के बंगला साहिब रोड में इस भवन का निर्माण कराया गया है। ये बिल्डिंग बेहद खास है। अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। यहां कई सरकारी कार्यालय हैं। इसे देखते हुए इसका निर्माण कराया गया है। कार्यक्रम की शुरूआत मांदर-नगाड़े की थाप और पारंपरिक गीतों से की गई। दिल्ली के जनजातीय कलाकारों ने एक से बढ़कर एक नृत्य-गीत पेश किए। इस दौरान झारखंड के कई नेता मौजूद रहे।

मांदर-नगाड़े की थाप और पारंपरिक गीतों से की गई कार्यक्रम की शुरुआत

झारखंड भवन की खासियत
झारखंड भवन सात मंजिला है। यहां अतिथियों को ठहरने के लिए 50 गेस्ट रूम बनाए गए हैं। राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मुख्य सचिव के लिए अलग सुइट बनाए गए हैं। वीवीआईपी के लिए विशेष कमरे बनाए गए हैं। बिल्डिंग को आधुनिक लुक दिया गया है। इंटीरियर भी शानदार हैं। बता दें कि 18 जनवरी 2016 को झारखंड की तत्कालीन राज्यपाल और वर्तमान राष्ट्रपति के साथ तत्कालीन मुख्यमंत्री राज्यपाल रघुवर दास ने झारखंड भवन का भूमि पूजन किया था।

हेमंत, कल्पना सोरेन और जोबा मांझी ने किया नृत्य

सांसद जोबा मांझी और विधायक कल्पना सोरेन ने संथाली नृत्य के दौरान मंच पर पहुंच गईं और कलाकारों के साथ नृत्य करने लगीं। इसके बाद सीएम हेमंत सोरेन भी खुद को रोक नहीं सके। वे भी मंच पर पहुंचकर कलाकारों के साथ नृत्य करने लगे। झारखंड भवन के उद्घाटन के मौके पर राज्य की समृद्ध कला-संस्कृति की झलक पेश की गयी। मौके पर मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, सत्यानंद भोक्ता, मिथिलेश कुमार ठाकुर, बेबी देवी, हफीजुल अंसारी, इरफान अंसारी, दीपक बिरुआ, रामदास सोरेन, सांसद जोबा माझी, महुआ माजी, विधायक कल्पना सोरेन, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, मुख्य सचिव एल खियांग्ते, स्थानिक आयुक्त अरवा राजकमल समेत कई सीनियर अफसर मौजूद थे।

चुनाव से पहले राहुल व मल्लिकार्जुन खड़गे से मिले हेमंत सोरेन

- गांडेय विधायक कल्पना सोरेन भी थीं साथ
- लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने झारखंड में 'इंडिया' की जीत का किया दावा

PHOTON NEWS RANCHI : विधानसभा चुनाव के पहले मंगलवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। इसके बाद राहुल गांधी ने दावा किया कि झारखंड के आगामी विधानसभा चुनाव में विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) 'भारी बहुमत' से जीत हासिल करेगा। ध्यान देने वाली बात यह है कि यह बैठक झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के कुछ दिनों बाद हुई है। चुनाव से पहले इस मुलाकात को अहम माना जा रहा है। हालांकि हेमंत सोरेन इस मुलाकात को शिष्टाचार मुलाकात बता रहे हैं। इस दौरान हेमंत सोरेन की पत्नी और गांडेय विधायक कल्पना सोरेन भी उनके साथ थीं। इस मुलाकात के बाद हेमंत सोरेन ने पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए कहा कि बहुत दिन से राहुल गांधी से और मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात करनी थी, लेकिन समय नहीं मिल रहा था। आज हमें समय मिला तो हमने उनसे एक शिष्टाचार मुलाकात की। जब उनसे पूछा गया कि चुनाव को लेकर कुछ चर्चा हुई तो उन्होंने कहा कि अब होगी। जब सीएम हेमंत से पूछा गया कि जातीय जनगणना को लेकर वह क्या कहेंगे, क्योंकि आरएसएस का बयान आया है। इस पर हेमंत सोरेन ने कहा कि वो लोग तो बयान देंगे ही। उनको बयान देने दीजिए। हमें अपना काम करने दीजिए। बाकी सब कुशल मंगल है। शांतिपूर्ण है। आगे मजबूती के साथ हमलोग सरकार चलाएं और चुनाव भी लड़ें, इसकी रूपरेखा तैयार की गई।

हेमंत और राहुल ने शेयर की तस्वीरें

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने सोशल मीडिया 'एक्स' पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि आज नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात हुई। इन तस्वीरों में हेमंत सोरेन के साथ कल्पना सोरेन और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल भी नजर आ रहे हैं। आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर दोनों पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व की बैठक को अहम माना जा रहा है। सियासी गलियारों में तो सीट शेयरिंग की चर्चा की भी बात चल रही है। झारखंड में इस साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं और झामुमो-कांग्रेस दोनों ही सहयोगी पार्टियां हैं। राहुल ने भी एक फेसबुक पोस्ट में मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ह्यकांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की उपस्थिति में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कल्पना सोरेन से सौजन्य मुलाकात की। ह्यइंडियाह्ण झारखंडवासियों, गरीबों और आदिवासियों के उत्थान एवं अधिकारों के लिए एकजुट हैं। हम यह चुनाव भारी बहुमत से जीतेंगे। खड़गे ने भी 'एक्स' पर एक पोस्ट में झारखंड विधानसभा चुनाव में जीत का दावा किया।

दंतेवाड़ा-बीजापुर बॉर्डर पर 13 घंटे तक चली मुठभेड़
छत्तीसगढ़ में मारे गए नौ नक्सली, डेड बॉडी बरामद

AGENCY DANTEWADA : मंगलवार को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के पुरंगेल वनक्षेत्र में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 9 नक्सलियों को ढेर कर दिया । मारे गए सभी नक्सलियों डेड बॉडी बरामद हो चुकी है। इलाके में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन जारी है। दंतेवाड़ा जिले के एसपी गौरव राय के अनुसार, जिले के किरंदुल थाना क्षेत्र में बैलाडीला पहाड़ी की तलहटी में पश्चिम बस्तर डिविजन में 30-35 नक्सलियों की मौजूदगी की गुप्त सूचना के बाद लोहा गांव की तरफ से डीआरजी, बस्तर फाइटर, सीआरपीएफ यंग प्लाटून, सीआरपीएफ 111वीं बटालियन की अलग-अलग टुकड़ियों को सोमवार रात को सर्चिंग पर रवाना किया गया था। मंगलवार सुबह पुरंगेल वनक्षेत्र में नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को आता देख उन पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी इसका जवाब दिया। इस दौरान हुई मुठभेड़ में 9 नक्सली मारे गए। एसपी ने बताया कि मौके से एसएलआर, 303 राइफल, 315 बोर बंदूक समेत विस्फोटक बरामद किए गए हैं। मुठभेड़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं।

पश्चिम बस्तर डिविजन में 30-35 नक्सलियों के छिपे होने की थी सूचना
मिले हथियार-विस्फोटक, बीजापुर में भी पकड़े गए 13 माओवादी

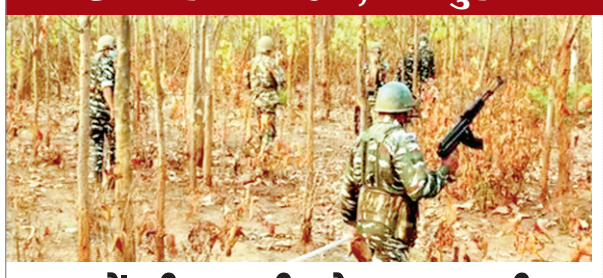

जवानों की बहादुरी को सलाम : सीएम

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा, जब से भाजपा की सरकार बनी है, तब से सरकार नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ रही है, हमारे जवान लड़ रहे हैं। हम अपने जवानों की बहादुरी को सलाम करते हैं। अभी 9 नक्सली मारे गए हैं। बहुत जल्द इस राज्य से नक्सलवाद का खात्मा हो जाएगा। वहीं डिप्टी सीएम और गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि, जवानों की भुजाओं की ताकत है, जिसके आगे पूरा बस्तर शांत होने वाला है। बता दें कि नारायणपुर के अबूझमाड़ में भी जवानों ने 29 अगस्त को मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों को मार गिराया था। इनकी पहचान उत्तर बस्तर डिवीजन कमेटी और पीएलजीए कंपनी नंबर 5 की सदस्य के रूप में हुई थी। इन पर 18 लाख का इनाम था।

विस्फोटक के साथ नक्सली गिरफ्तार

मंगलवार को ही बीजापुर जिले में भी पुलिस ने 13 नक्सलियों को अरेस्ट किया है। पकड़े गए नक्सलियों से विस्फोटक, तीर-धनुष और अन्य सामान बरामद हुआ है। पुलिस ने बताया कि डीआरजी, पुलिस और कोबरा बटालियन 202 के जवान संयुक्त रूप से सर्चिंग पर निकले थे। इस दौरान तरेम क्षेत्र से इन्हें पकड़ा गया। पिछले सप्ताह 24 अगस्त को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ दौरे के दौरान नक्सल प्रभावित राज्यों की बैठक ली थी। इसके बाद उन्होंने कहा था- 'मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद खत्म कर देंगे। अब समय आ गया है कि वामपंथी उग्रवाद की समस्या पर एक मजबूत और रुथलेस रणनीति के साथ अंतिम प्रहार किया जाए।

कोलकाता रेप-मर्डर केस में डॉक्टरों ने 25वें दिन भी किया प्रदर्शन

KOLKATA : कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ 8-9 अगस्त की रात रेप-मर्डर केस में जूनियर डॉक्टरों का प्रदर्शन 25वें दिन भी जारी रही। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने मंगलवार को पुलिस हेडक्वॉर्टर के बाहर धरना दिया। वे पुलिस कमिश्नर विनीत गोयल के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। डॉक्टरों ने आम लोगों के साथ सोमवार को 2 सितंबर को पुलिस हेडक्वॉर्टर लालबाजार तक रैली निकाली थी। पुलिस ने हेडक्वॉर्टर से आधा किमी पहले बीबी गांगुली स्ट्रीट पर ही बैरिकेडिंग लगाकर सभी को रोका था। सोमवार से ही सभी वहीं बैठे हुए हैं। रातभर प्रदर्शन किया गया। डॉक्टरों ने पुलिस बैरिकेड पर रीढ़ की हड्डी और लाल गुलाब लगा दिए। उनका कहना था इससे पुलिस को जनता के लिए उसका फर्ज याद दिलाने की कोशिश की गई है। पुलिस ने जूनियर डॉक्टरों की मांग को माना और बैरिकेड्स हटाने को राजी हुई। साथ ही ट्रैफिक के जॉइंट कमिश्नर ने डॉक्टरों को बेंटिक स्ट्रीट जाने की परमिशन दी। अब डॉक्टरों का 22 सदस्यों वाला प्रतिनिधिमंडल पुलिस कमिश्नर से मिलकर अपनी मांगें रखेगा। इधर, आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और 3 अन्य को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल की वित्तीय अनियमितताओं के मामले में उन्हें अलीपुर जज कोर्ट में पेश किया गया था।

स्पेशल सेल ने किया फील्ड वेरिफिकेशन
अलकायदा के 4 संदिग्धों को रांची लाई दिल्ली पुलिस

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को अलकायदा से जुड़े चार संदिग्धों को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने रांची लाकर फील्ड वेरिफिकेशन करवाया। झारखंड एटीएस की मदद से पिछले महीने दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने डॉक्टर इश्तियाक अहमद सहित चार को रांची से गिरफ्तार किया था। चारों पर आरोप है कि वे लोग झारखंड में अलकायदा का मॉड्यूल तैयार कर रहे थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की टीम ने डॉक्टर इश्तियाक अहमद सहित

अन्य चार गिरफ्तार आरोपियों को लेकर रांची के चान्हो पहुंची थी। मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम और झारखंड एटीएस की टीम ने गिरफ्तार आरोपी के साथ उन जगहों का फील्ड वेरिफिकेशन किया है जहां ट्रेनिंग के साथ-साथ युवाओं को आतंकी बनने के लिए उकसाया जाता था।

अगस्त में कोयला उत्पादन में 11.9% की आई कमी

RANCHI : कोल इंडिया के लिए अगस्त का महीना कुछ बेहतर नहीं रहा। कोल इंडिया ने बांबे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) को जो जानकारी दी है, उसके अनुसार, अगस्त महीने में न सिर्फ कोयले के उत्पादन में कमी दर्ज की गई है, बल्कि पहले से निकाले गए कोयले के उठाव में भी कमी आयी है। आंकड़े के मुताबिक, कोयले के उत्पादन में 11.9 प्रतिशत की कमी आई है, जबकि उठाव 5.21 करोड़ टन रहा। वहीं एक साल पहले अगस्त 2023 में कोयले का उठाव 5.91 करोड़ रहा था। हालांकि कंपनी ने पिछले साल की तिमाही के मुकाबले इस वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के बीच ज्यादा उत्पादन किया है। पिछले साल की पहली तिमाही में 28.15 करोड़ टन कोयला का उत्पादन हुआ था, जबकि इस साल पहली तिमाही में 29.04 करोड़ टन कोयला उत्पादन हुआ है।

यूक्रेन पर अब तक का सबसे घातक हमला, 180 लोग हुए घायल
रूस ने दागी दो बैलिस्टिक मिसाइलें, 41 की मौत

- अस्पताल समेत कई इमारतों पर किया अटैक, मलबे में दबे लोग
- मिलिट्री ट्रेनिंग सेंटर को भी टारगेट करने का दावा
- रूस में और अंदर घुसकर हमला करना चाहता है यूक्रेन

AGENCY NEW DELHI : मंगलवार को रूस ने यूक्रेन के पोल्तावा शहर में 2 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि इस हमले में 41 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 180 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। 900 दिन से अधिक दिन पहले 24 फरवरी, 2022 को युद्ध शुरू होने के बाद से यह हमला रूसी सेना द्वारा किए गए सबसे घातक हमलों में से एक है। वीडियो मैसेज जारी कर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने उनके एक एजुकेशनल इंस्टिट्यूट और अस्पताल को निशाना बनाया। इस दौरान एक इमारत को काफी नुकसान पहुंचा। कई नागरिक इमारत के मलबे के नीचे दब गए। हमले के बाद पोल्तावा में तीन दिन के शोक की घोषणा की है। यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि अलर्ट सायरन बजने और मिसाइल अटैक होने में बेहद कम समय का अंतर था। लोग बॉम्ब शेल्टर की तरफ जा ही रहे थे कि उन पर हमला हो गया। रेस्क्यू टीम ने 25 लोगों को बचा लिया जिनमें से 11 मलबे के नीचे दबे थे।

स्ट्रांग एक्शन हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय जहाजों को ड्रोन से बनाया जा रहा निशाना
नौसेना एके-630 गन से दागेगी स्पेशल गोले

AGENCY NEW DELHI : इंडियन नेवी यानी भारतीय नौसेना हवाई खतरों के तौर पर झुंड में आने वाले ड्रोनों के खिलाफ स्ट्रांग एक्शन लेगी। इसने अपनी रक्षा क्षमताओं को बेहद मजबूत करने के लिए हाई-एक्सप्लोसिव प्री-फ्रेगमेंटेड (एचईपीएफ) गोले दागने की योजना बनाई है। पांच किलोमीटर के दायरे में कई ड्रोनों को निशाना बनाने में सक्षम ये विशेष गोले एके-630 नेवल गन से दागे जाएंगे। डीआरडीओ ने नौसेना आयुध निरीक्षण महानिदेशक को 30 एमएम एचईपीएफ शेल उत्पादन के दस्तावेज सौंप दिए हैं। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने पुणे के आमार्मेंट रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एआरडीई) में आयोजित एक समारोह के दौरान नौसेना के आयुध निरीक्षण महानिदेशक को 30 एमएम हाई एक्सप्लोसिव प्रीफॉर्म्ड फ्रेगमेंटेशन (एचईपीएफ) शेल का उत्पादन दस्तावेज सौंपा है। डीआरडीओ की पुणे स्थित प्रयोगशाला एआरडीई में विकसित यह शेल ड्रोन के खिलाफ भारतीय नौसेना की युद्ध क्षमता को और बढ़ाएगा।

डीआरडीओ ने नेवी आयुध निरीक्षण महानिदेशक को सौंपे उत्पादन के लिए दस्तावेज

- स्वार्म ड्रोन का मुकाबला करने की कारगर तैयारी
- पांच किमी के दायरे में युद्ध क्षमता को और बढ़ाएंगे एचईपीएफ शेल

परीक्षण के परिणाम पाए गए अनुकूल

एआरडीई के निर्देश पर तीन भारतीय फर्मों ने जबलपुर के नौसेना आयुध निरीक्षणालय के सहयोग से गन फायरिंग प्रूफ परीक्षण किए हैं। परीक्षण के परिणामों में इसे एके-630 गन के अनुकूल पाया गया है, जिससे इसे नौसेना की गनों में लैस करने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

गोला की गति 850 मीटर प्रति सेकेंड

रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने उत्पादन दस्तावेज सौंपे जाने पर एआरडीई को बधाई दी है। समारोह में डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिक और नौसेना मुख्यालय के अधिकारी मौजूद थे। डीआरडीओ के अनुसार, प्रत्येक एचईपीएफ शेल में 1 किलोग्राम पेलोड क्षमता और पांच किलोमीटर की प्रभावी रेंज है। विस्फोट होने पर यह गोला 850 मीटर प्रति सेकेंड की गति से लगभग 600 धातु के छर्रे फैलाता है, जो अपने विशाल दायरे में कई ड्रोनों को बेअसर करने में सक्षम है। यह मौजूदा समय में इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि हाल ही में अदन की खाड़ी और हिंद महासागर क्षेत्र में भारतीय जहाजों को निशाना बनाकर ड्रोन हमले बढ़े हैं। भारतीय नौसेना के सहयोग से किए गए व्यापक परीक्षणों ने शेल की परिचालन प्रभावशीलता को मान्य किया है, जो वांछित प्रदर्शन मापदंडों को पूरा करता है। नौसेना ने विकास प्रक्रिया के दौरान तकनीकी इनपुट प्रदान किए और डिजाइन को परिष्कृत करने के लिए एआरडीई के साथ मिलकर काम किया।

अब हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' के लिए सिर्फ पर्यवेक्षक दल भेजेगा बांग्लादेश

NEW DELHI : बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बीच ढाका ने भारत के पहले प्रमुख बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' के दूसरे चरण के लिए अपने सी-130 परिवहन विमान भेजने फैसला वापस ले लिया है। अब बांग्लादेश से सिर्फ तीन वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों को पर्यवेक्षक के रूप में भेजा जाएगा। इसी तरह श्रीलंका अब दो बी-200 सुपर किंग एयर समुद्री निगरानी विमानों के साथ भाग लेगा। भारतीय वायु सेना की मेजबानी में 'तरंग शक्ति' का पहला चरण 6 से 14 अगस्त के बीच सुलूर में आयोजित किया गया था, जबकि दूसरा चरण 29 अगस्त को जोधपुर में शुरू हुआ और 14 सितंबर तक चलेगा। इस हवाई अभ्यास के लिए बांग्लादेश को पहले ही आमंत्रित किया गया था, लेकिन वहां अचानक राजनीतिक अस्थिरता के चलते अभ्यास में शामिल होने में असमंजस की स्थिति थी।

हाजी अल-मुहतादी बिल्लाह ने किया स्वागत
दो देशों की यात्रा के पहले चरण में ब्रुनेई पहुंचे पीएम

AGENCY NEW DELHI : मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो देशों की अपनी यात्रा के पहले चरण ब्रुनेई पहुंचे। वह ब्रुनेई दारुस्सलाम जैसे ही पहुंचे, क्राउन प्रिंस हाजी अल-मुहतादी बिल्लाह ने उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी को हवाई अड्डे पर गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह ब्रुनेई के साथ मजबूत संबंधों, विशेषकर वाणिज्यिक और सांस्कृतिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए उत्सुक हैं। मोदी द्विपक्षीय यात्रा पर ब्रुनेई आने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को

नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए सुल्तान हाजी हसनल बोल्किया और शाही परिवार के अन्य सदस्यों के साथ अपनी बैठकों को लेकर उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री ने दोनों देशों की अपनी तीन दिवसीय यात्रा शुरू करते हुए ब्रुनेई दारुस्सलाम के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंधों को आगे बढ़ाने तथा सिंगापुर के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के प्रति विश्वास व्यक्त किया।

समाचार सार

बांग्ला फिल्म में नजर आएंगे जादूगर किंशुक

JAMSHEDPUR : शहर के जादूगर किंशुक मुखर्जी बांग्ला फीचर फिल्म 'स्मेल' में नजर आएंगे। 6 सितंबर को रिलीज होने वाली इस फिल्म में किंशुक पुलिस इंस्पेक्टर बने हैं, जबकि उनके साथ बॉलीवुड अभिनेता राजेश शर्मा सीबीआई इंस्पेक्टर की भूमिका में हैं। निर्देशक आरुदीप्तो दासगुप्ता व निमार्ता काकोली गुप्ता की इस फिल्म में बांग्ला सिनेमा के दो प्रमुख अभिनेता समोदर्शी दत्ता व अनिंदो चटर्जी ने भी इसमें अभिनय किया है। इसके पहले किंशुक बांग्ला फिल्म 'मायाजालेर खेला' में अभिनेता सौमित्र चटर्जी, अभिषेक चटर्जी, इंद्राणी हालदार आदि के साथ काम कर चुके हैं।

गुवा शहीद दिवस पर आएंगे सीएम हेमंत सोरेन

CHAIBASA : गुवा शहीद दिवस पर 8 सितंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शामिल होंगे। इस संबंध में झामुमो जिला अध्यक्ष सह विधायक सुखराम उरांव की अध्यक्षता में मंगलवार को चाईबासा परिसदन में जिला कमेटी की बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री के आगमन पर जिला के सभी प्रखंडों से झामुमो कार्यकताओं की भागीदारी हजारों की संख्या में हों, इसके लिए रणनीति बनाई गई। बैठक में जिला सचिव सोनाराम देवगम, जिला उपाध्यक्ष राहुल आदित्य, दीपक प्रधान, दिनेश चंद्र महतो, चमरू जामुदा, मन्ना राम कुदादा आदि उपस्थित थे।

स्वास्तिका ने ताइक्वांडो में जीता स्वर्ण पदक

CHAKRADHARPUR : उत्तर प्रदेश के झांसी में आयोजित 53 वें केवीएस नेशनल स्पोर्ट्स मीट में पीएमश्री केंद्रीय विद्यालय चक्रधरपुर की स्वास्तिका कुमारी ने ताइक्वांडो अंडर -17 बालिका वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर अपने विद्यालय एवं संभाग का नाम रोशन किया। इस जीत के साथ ही स्वास्तिका स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के लिए भी चयनित हो गई।

बंदगांव में महिलाओं ने फूंका भाजपा का पुतला

BANDGAON : पश्चिमी सिंहभूम जिले के बंदगांव प्रखंड के कराईकेला थाना क्षेत्र के नकटी बाजार में मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के खिलाफ दर्ज पीआईएल के विरोध में महिलाओं ने मंगलवार को भाजपा का पुतला दहन किया। इस दौरान आक्रोश व्यक्त करते हुए महिलाओं ने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना महिलाओं का अधिकार है। इस योजना से काफी गरीब तबके की महिलाओं को एक हजार रुपये मिलने पर काफी सहारा मिला है।

चांसलर पोर्टल खोलने को प्राचार्य को सौंपा ज्ञापन

GHATSILA : आदिवासी छात्र संघ के जिला अध्यक्ष लखाई मुर्मू के नेतृत्व में मंगलवार को प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी को ज्ञापन सौंपा गया। इसमें इंटरमीडिएट कंपार्टमेंटल के लिए चांसलर पोर्टल खोलने की मांग की गई है। प्राचार्य ने आश्वासन दिया कि बुधवार तक नामांकन के लिए चांसलर पोर्टल में महाविद्यालय का नाम एवं विषय उपलब्ध कर दिया जाएगा। इस मौके पर दांदू मार्डी, अजीत मुर्मू, संदीप सोरेन आदि सदस्य उपस्थित थे।

झामुमो ने फूंका भाजपा का पुतला

JAMSHEDPUR : झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को बंद करने के लिए भाजपा द्वारा झारखंड उच्च न्यायालय में पीआईएल दर्ज कराया गया है। इसके खिलाफ झामुमो, पूर्वी सिंहभूम की महिला मोर्चा ने मंगलवार को साकची गोलचक्कर पर भाजपा का पुतला फूंका। इस मौके पर महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष चंद्रावती महतो, नीता सरकार, रजनी दास, माया टुडू, सपना सोना, झरना पाल आदि शामिल थीं।

टाटा-हटिया एक्सप्रेस आज से बदले मार्ग से चलेगी

JAMSHEDPUR : आद्रा डिवीजन में विकासात्मक कार्यों के कारण टाटानगर से चलने वाली टाटा-हटिया एक्सप्रेस बुधवार से बदले मार्ग से चलेगी। टाटा-हटिया एक्सप्रेस बुधवार से रविवार तक चांडिल-गुंडाबिहार और मुरी के रास्ते से चलेगी।

इस वर्ष काशीडीह में नहीं होगी रामलीला

JAMSHEDPUR : इस बार काशीडीह में होने वाली रामलीला स्थगित कर दी गई है। मंगलवार को साकची के मनोकामना मंदिर में बैठक हुई, जिसमें बताया गया कि समिति के पूर्व अध्यक्ष रामफल मिश्रा का निधन होने के कारण यह निर्णय लिया गया है। इस दौरान नई समिति का गठन किया गया, जिसमें मनोज कुमार मिश्र को नया अध्यक्ष चुना गया।

कांग्रेस नेता समेत 8 पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज

सोमवार रात अपराधी अमरनाथ के भाई की हुई थी हत्या, कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ जारी

PHOTON NEWS JSR: मानगो थाना अंतर्गत गौड़ बस्ती शांति नगर में सोमवार रात अपराधी अमरनाथ सिंह के भाई शक्तिनाथ सिंह उर्फ डब्लू सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में शक्तिनाथ की मां प्रेमलता देवी के बयान पर पुलिस ने कांग्रेस नेता ईश्वर सिंह, मंटू गौड़, किशन, कालीचरण, चंदन सिंह, नवीन गौड़, रविंद्र गौड़ और अशुतोष ओझा के अलावा 3-4 अन्य को आरोपी बनाया है। शिकायत के बाद ही पुलिस ने ईश्वर को हिरासत में लिया और थाने में पूछताछ कर रही है। पुलिस कई अन्य लोगों को भी हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। वहीं पुलिस ने घटना स्थल से दो खोखा, एक गोली और एक पिलेट के अलावा घटना स्थल के एक दोपहिया वाहन भी बरामद किया है।

शक्ति को लगी थी दो गोली : इधर, मंगलवार को पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। शक्ति को दो गोली लगी, जिसमें एक गोली बाएं कान के पास लगी, जो अंदर ही फंस गई। वहीं दूसरी गोली छाती में लगी जो आर-पार हो गई। इसके अलावा शक्ति के चेहरे पर चोट के निशान भी पाए गए हैं।

शक्तिनाथ सिंह की फाइल फोटो

भाई अमरनाथ की हत्या के गवाहों पर दबाव बना रहा था शक्ति

सूत्रों की मानें तो देवघर में बीते साल हुए अमरनाथ की हत्या में गणेश सिंह के खिलाफ गवाही देने के लिए शक्ति गवाहों को धमका रहा था। घटना से चार दिनों पूर्व इसको लेकर मारपीट भी हुई थी, जिसकी शिकायत मानगो थाना में भी की गई थी। हालांकि पुलिस ने इस शिकायत को हल्के में लिया और कोई कार्रवाई नहीं की जिसके बाद शक्ति की हत्या कर दी गई।

पत्नी की हत्या कर थाने में किया आत्मसमर्पण

GHATSILA : जादूगोड़ा थाना क्षेत्र के दिगड़ी गांव में पति-पत्नी की बकझक ने खूनी संघर्ष का रूप ले लिया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार दोपहर को आरोपी पति लुधा कैवर्त ने पत्नी गुरुवारी कैवर्त के गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। इस घटना के समय घर में इन दोनों के अलावा कोई भी नहीं था। पत्नी की हत्या कर आरोपी जादूगोड़ा थाना पहुंचा और पुलिस को मामले की जानकारी देते हुए आत्मसमर्पण कर दिया। इसके बाद थाना प्रभारी अभिषेक कुमार ने आरोपी को हाजत में बंद किया और दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। थाना प्रभारी ने बताया कि घटनास्थल पर घर के बाहर गुरुवारी कैवर्त मृत पड़ी हुई थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जमशेदपुर स्थित एमजीएम अस्पताल भेज दिया।

- 2 नवंबर 2007 को आशीष की गोली मारकर हुई थी हत्या
- सुप्रीम कोर्ट से अमलेश सिंह व विनोद सिंह को मिली थी जमानत

श्रीलेदर्स के मालिक आशीष डे हत्याकांड में हाई कोर्ट से तीन बरी

JAMSHEDPUR : शहर के चर्चित आशीष डे हत्याकांड में शामिल अमलेश सिंह, होटल सिटी इन के मालिक बिनोद सिंह और जीतेंद्र सिंह को हाई कोर्ट ने बरी कर दिया है। इस मामले में जमशेदपुर कोर्ट ने तीनों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि इस मामले में अमलेश सिंह और बिनोद सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई थी। निचली कोर्ट के फैसले को झारखंड हाइकोर्ट में चुनौती दी गई थी, जिस पर कोर्ट ने 13 अगस्त को सुनवाई पूरी करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। मंगलवार को कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए तीनों को बरी कर दिया।

बता दें कि श्रीलेदर्स के मालिक आशीष डे की साकची आमबगान के पास 2 नवंबर 2007 को गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी। इसके बाद इस मामले में कर्मचारी तापस पाल के बयान पर साकची थाना में एक केस दर्ज किया गया था।

हत्या मामले में दो महिलाओं को 5-5 साल की सुनाई गई सजा

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना क्षेत्र में 9 अक्टूबर 2018 को दो महिला ने लाठी-डंडा से पीट कर सुखलाल बिरुवा को घायल कर दिया था, बाद में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। इस मामले में न्यायालय ने दोनों महिलाओं को 5-5 साल की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार, मंझारी थाना अंतर्गत नगरकट्टा गांव निवासी सुखलाल बिरुवा के साथ गांव की महिला जुबना बिरुवा और सरस्वती भूमिज के साथ पूर्व में किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

कांग्रेस नेता की हत्या से चर्चा में आया था थापा

कोल्हान में 22 से ज्यादा मामले हैं दर्ज, पहली बार पुलिस ने किया गिरफ्तार

संतोष थापा

सरकारी जमीन की लूट व लॉटरी के धंधे से बना करोड़पति

सान बाबू की हत्या के बाद उसने आदित्यपुर में लॉटरी, सरकारी जमीन को कब्जा कर बेचने और बिल्डरों के लिए जमीन मालिकों को धमकाने के धंधे से करोड़ो की कमाई की। पैसों की बदौलत उसने पुलिस के बीच भी अपनी पैठ बनाई। सूत्रों की माने तो आदित्यपुर के विक्की नंदी और संतोष थापा के बीच कभी नहीं बनती थी। विक्की को रास्ते से हटाने के लिए उसने जेल में बंद सागर लोहार और कार्तिक मुंडा से हाथ मिलाया था। हालांकि कार्तिक मुंडा की मौत हो चुकी है और सागर को सरायकेला जेल से शिफ्ट कर दिया गया है।

SARAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर के हिस्ट्रीशीटर चर्चित देबू दास और सतबहनी ट्रिपल मर्डर हत्याकांड समेत 22 मामलों के आरोपी संतोष थापा को सोमवार को पुलिस ने दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे उस वक्त गिरफ्तार किया, जब वह दिल्ली से कोलकाता जाने वाला था। संतोष थापा साल 2016 में कांग्रेस नेता सान बाबू मुखी की हत्या के बाद से चर्चा में आया था। इसके बाद संतोष पर 22 फरवरी 2022 को बड़ा गम्हरिया में स्क्रैप व्यापारी संजय उर्फ चमटू की गोली मारकर हत्या, 24 मार्च 2022 को देवव्रत गोस्वामी उर्फ देबू दास की हत्या गोली मारकर हत्या करने का आरोप है। वहीं सतबहनी में 2 मई 2022 को हुई कार्तिक गोप की हत्या और 7 जून 2022 को सतबहनी दुर्गा पूजा मैदान में ट्रिपल मर्डर (आशीष गोराई, सुबीर चटर्जी और राजू गोराई की हत्या) में बतौर मुख्य साजिशकर्ता होने समेत कुल 22 मामलों में जिले की पुलिस को उसकी तलाश थी। बीते दिनों ही पुलिस ने मानगो के अपराधी गुड्डू पांडेय को आदित्यपुर से हथियार के साथ गिरफ्तार किया था, जिससे पुलिस को संतोष का लोकेशन मिला। पुलिस ने तुरंत दिल्ली पुलिस से संपर्क साधा और संतोष को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की गिरफ्त में कभी नहीं आया संतोष

संतोष पर कई मामले दर्ज हैं। बावजूद इसके पुलिस उसे कभी गिरफ्तार नहीं कर सकी। पुलिस जब भी संतोष को गिरफ्तार करने के लिए दबाव बनाती, तब वह कोर्ट में सरेंडर कर देता। पुलिस उसे पूछताछ के लिए रिमांड पर लेती, पर वह पुलिस को कुछ भी नहीं बताता। यह पहली बार है जब पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस उसे लेकर सरायकेला पहुंच चुकी है, जहां उससे पूछताछ जारी है। पुलिस जल्द मामले का खुलासा करेगी।

साकची बस स्टैंड में चालक की संदिग्ध स्थिति में मौत

JAMSHEDPUR : साकची थाना अंतर्गत मिनी बस स्टैंड परिसर में उस वक्त हंगामा मच गया, जब मौके से एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया। बस चालकों ने शव मिलने की सूचना साकची थाना की पुलिस को दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बस चालक गणेश सिंह ने बताया कि सुबह 10 बजे उन्होंने एक व्यक्ति को अचेत अवस्था में बस स्टैंड परिसर में पड़ा देखा। जब सामने जाकर देखा गया तो पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। उसके शरीर पर चोट के निशान थे और नाक से भी खून निकल रहा है। गणेश ने बताया कि मृतक का नाम विक्की महतो (35 वर्ष) है। वह मूल रूप से चक्रधरपुर का रहने वाला है। वह पूर्व में बस चलाता था। 3 माह पूर्व से कान्वाई चला रहा था। बीती रात वह बाहर से आया था और बस स्टैंड परिसर में शराब पी रहा था। इसी दौरान घटना घटी है। उधर, चक्रधरपुर से आए मृतक के पिता ब्रजभूषण महतो ने साकची थाना में अज्ञात के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने की कोशिश की, लेकिन सभी कैमरे खराब निकले। साकची थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान कर परिजनों को सूचना दे दी गई है।

विक्की की फाइल फोटो

सरायकेला के गांव में 30 तक घूमेगा पोषण जागरुकता वाहन

पोषण रथ को रवाना करते उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला व अन्य ● फोटोन न्यूज

SARAIKELA : राष्ट्रीय पोषण माह को लेकर उपायुक्त रवि शंकर शुक्ला ने मंगलवार को समाहरणालय परिसर से पोषण जागरूकता रथ को रवाना किया, जो 30 सितंबर तक सरायकेला-खरसावां जिले के गांव-गांव में घूमेगा। पोषण माह के तहत एनीमिया नियंत्रण, वृद्धि निगरानी, ऊपरी आहार, पढ़ाई भी और बेहतर शासन के लिए तकनीक का उपयोग करना है। इस दौरान उपायुक्त ने कहा कि पोषण जागरूकता रथ जिले के विभिन्न प्रखंडों व पंचायत में भ्रमण कर ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस योजना का लाभ उठाने के प्रति जागरूक करेगा।

लोग साफ-सुथरा रहें व पोषण युक्त भोजन ग्रहण करें। पोषण के प्रति जागरूक हों। इस दिशा में प्रयास किया जा रहा है। इस मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सत्या ठाकुर, उपविकास आयुक्त प्रभात कुमार बारदियार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सहित अन्य कार्यालय कर्मी उपस्थित रहे।

एनएच पर बाइक से गिरी महिला, गंभीर

GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के कापागोड़ा गांव के समीप एनएच-18 पर मंगलवार को बाइक से गिरकर आसनबनी गांव की महिला कल्पना गिरि गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल महिला को अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां से चिकित्सक डॉ. जूली कुमारी ने प्राथमिक उपचार कर रेफर कर दिया। डॉ. जूली ने बताया कि महिला के सिर पर गंभीर चोट है। परिजनों ने उसे टीएमएच में भर्ती कराया है। महिला के समधी प्रदीप बिसोई ने बताया कि वह अपनी बेटी से मिलने काड़ाडूबा गांव गई थी। लौटते समय गड्ढे में बाइक घुसने से फिसल कर नीचे गिर गई।

भादो महोत्सव में उमड़ी महिला श्रद्धालुओं की भीड़

राणी सती मंदिर में उपस्थित महिलाएं ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : चांदमारी स्थित राणी सती दादी मंदिर में दो दिवसीय भादो महोत्सव का कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। श्रृंगार आरती में काफी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम लगभग एक घंटे तक चला, जिसके बाद श्री राणी सती दादी को 56 भोग लगाया गया। इस मौके पर दादी के सैकड़ों भक्तों ने दरबार में माथा टेक प्रसाद ग्रहण किया। इससे पहले मंगलवार सुबह आठ बजे राणी सती दादी की आरती की गई। सुबह से देर रात तक मंदिर में भक्तों की भीड़ रही। भादो महोत्सव के अवसर पर राणी सती मंदिर को भव्य तरीके से सजाया-संवारा गया।

मानगो में सफाई समेत विभिन्न समस्याओं पर भाजपा ने सौंपा ज्ञापन

नगर निगम कार्यालय पहुंचे कार्यकर्ता

JAMSHEDPUR : मानगो में साफ-सफाई सहित विभिन्न मांगों को लेकर भाजपा कार्यकताओं ने मंगलवार को नगर निगम के अपर नगर आयुक्त रंजीत लोहरा को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान जनसुविधा कार्यों के प्रति मानगो नगर निगम के उदासीन रवैये पर रोष जताया गया। मानगो व उलीडीह मंडल द्वारा सौंपे ज्ञापन में कहा गया कि जगह-जगह कचरे का अंबार लगा है। स्ट्रीट लाइट खराब हैं। नालियां जाम हैं। कई माह से फॉगिंग नहीं हुई है, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव नहीं हुआ है।

जुगसलाई, पोटका व बहरागोड़ा के विधायक ने लाभुकों में किया परिसंपत्ति का वितरण

आपकी योजना... शिविर में अब तक आए 33,612 आवेदन

परिसंपत्ति का वितरण करते विधायक मंगल कालिंदी ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS JSR : 'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' के तहत मंगलवार को पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत 11 प्रखंडों के 16 पंचायत एवं 2 नगर निकायों में शिविर लगे। इन शिविरों में राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के बीच स्वीकृति पत्र, परिसंपत्ति वितरण आदि किया गया। शिविर में अब तक 33,612 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें 7,753 आवेदन का निष्पादन किया गया है। विधायक (बहरागोड़ा) समीर मोहंती, (पोटका) संजीव सरदार व (जुगसलाई) मंगल कालिंदी ने अपने विस क्षेत्र अंतर्गत शिविर में शामिल हुए। विधायकों ने राज्य सरकार की उपलब्धियां एवं पंचायत शिविर के आयोजन का उद्देश्य बताते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा सभी सुयोग्य व्यक्तियों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन शिविरों का उद्देश्य भी यही है कि सभी छूटे हुए लाभुकों तक पहुंचकर उन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा सके। कल्याण मंच के माध्यम से विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्ति का वितरण किया गया। इन योजनाओं में झारखण्ड मुख्यमन्त्री मंईयां सम्मान योजना, सर्वजन पेंशन, सावित्री बाई फुले, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, आधार कार्ड, मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना, साइकिल वितरण आदि शामिल हैं। उपायुक्त अनन्य मित्तल ने बताया कि 'आपकी योजना..' कार्यक्रम के तहत पंचायतों में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाकर आमजनों को योजनाओं की जानकारी देने के साथ साथ लाभान्वित भी किया जा रहा है। साथ ही आमजनों के बीच ऑन द स्पॉट योजनाओं की स्वीकृति दी जा रही है। योजना के लिए अलग अलग स्टॉल लगाकर आवेदन लिए जा रहे हैं। कल्याण विभाग, शिक्षा विभाग, आपूर्ति, पंचायती राज, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, मनरेगा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, कृषि सहकारिता पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, राजस्व, ऊर्जा, स्वास्थ्य विभाग समेत अन्य विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर सुयोग्य लाभुकों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा।

इन योजनाओं में बांटी गई परिसंपत्ति

कार्यक्रम में अबुआ आवास योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, बिरसा सिंचाई कूप, वन अधिकार पट्टा, साईकिल वितरण, भूमि से संबंधित मामलों का निष्पादन, आयुष्मान कार्ड का वितरण, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, झारखण्ड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, सर्वजन पेंशन योजना केसीसी व कंबल का वितरण किया गया।

फलदार पौधों का किया गया वितरण

'आपकी योजना...' कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण को लेकर लाभुकों के बीच फलदार पौधे का वितरण किया गया, ताकि पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी सजग बनते हुए ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाएं। कार्यक्रम में मिलने वाले आवेदनों व शिकायतों को पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। इससे प्राप्त सभी आवेदनों और शिकायतों की मॉनिटरिंग की जा रही और उनका समाधान व निष्पादन समयबद्ध रूप से किया जाएगा।

मंझारी में विधायक निरल पुरती ने बांटी परिसंपति

CHAIBASA : आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार... कार्यक्रम के तहत मंगलवार को मंझारी प्रखंड के बड़ा तोरलो स्थित राजकीयकृत मध्य विद्यालय में मंझगांव विधायक निरल पुरती, उपायुक्त कुलदीप चौधरी व पुलिस अधीक्षक आशुतोष शेखर पहुंचे। यहां विधायक ने लाभुकों में परिसंपत्ति का वितरण किया। इस दौरान वैसे आवेदन जिसका निष्पादन तत्काल किया जा सके, उन सभी लाभार्थियों को ऑन द स्पॉट योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया।

हेमंत सरकार को वनपट्टा देने के लिए मजबूर करेंगे : कोड़ा

नोवामुंडी में रैली निकालते कोड़ा दंपती ● फोटोन न्यूज

NOAMUNDI : भाजपा के बैनर तले पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा और पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने वन पट्टा अधिकार की मांग को लेकर विभिन्न प्रखंड कार्यालयों के समक्ष धरना-प्रदर्शन करने की घोषणा की है। इसी क्रम में मंगलवार को नोवामुंडी प्रखंड कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन किया गया। इसमें मधु कोड़ा व गीता कोड़ा ने हेमंत सोरेन पर वादाखिलाफी और वन क्षेत्र में निवास करने वालों के अधिकारों की अनदेखी का आरोप लगाया। मधु कोड़ा ने कहा कि हेमंत सरकार ने चुनावी वादे में आदिवासी समाज को वन पट्टा अधिकार देने की बात कही थी, लेकिन अब तक इस दिशा में कोई कार्यवाही नहीं हुई है। हम इस वादाखिलाफी का विरोध करते हैं। सरकार को मजबूर करेंगे कि वह अपने वादे को पूरा करे। जेएमएम के कुछ लोग वन पट्टा दिलाने के नाम पर लोगों से पैसा वसूली कर रहे हैं। गीता कोड़ा ने कहा कि वन पट्टा अधिकार की मांग आदिवासियों के अस्तित्व और उनकी जमीन से जुड़ी है।

संगठन से मिले कार्य को ईमानदारी पूर्वक करें कार्यकर्ता : अर्जुन मुंडा

खूंटी में जिला कार्यसमिति की हुई बैठक, हेमंत सरकार पर बरसे नेता

AGENCY KHUNTI : पूर्व कंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने भाजपा कार्यकताओं का आह्वान किया कि वे संगठन से मिले कार्य को ईमानदारी पूर्वक करें। अर्जुन मुंडा मंगलवार को भाजपा के जिला कार्यालय में आयोजित भाजपा जिला कार्यसमिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज की बैठक पूरी तरह से कामकाजी बैठक है। उन्होंने कहा कि भाजपा के भाजपा कार्यकर्ता कोई वेतनभोगी नहीं, वे स्वाभिमानी कार्यकर्ता हैं। सबको सहयोगी बना कर कार्य करें, निश्चित ही संगठन मजबूत होगा। हम सभी सशक्त तरीके से संगठन के विचारों को समझ कर कार्य करें। मुंडा ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ● फोटोन न्यूज

कार्यकताओं से सुझाव भी लिये। राज्य सरकार नीतियों पर कटाक्ष करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की नीति है, पहले परीक्षा लिखो, फिर दौड़ो और झारखंड सरकार की नीति है हले दौड़ो फिर परीक्षा लिखो. ये तो यही हुआ.कि पहले मरो, बचोगे तो करोगे।

सोशल मीडिया का उपयोग करें कार्यकर्ता: केदार कश्यप

छत्तीसगढ़ के वन मंत्री और क्लस्टर प्रभारी केदार कश्यप ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी लोग मिलकर पार्टी को चला रहे हैं। इसलिए मैं आप सभी को प्रणाम करता हूं। मंत्री ने कार्यकताओं का सोशल मीडिया का उपयोग कैसे करना है, इसे विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में काम करने के दौरान जो समस्या उत्पन्न हो, उसे मिलजुल कर त्वरित समाधान करने का प्रयास करना है। दक्षिणी प्रमंडलीय प्रभारी गणेश मिश्रा ने कार्यकताओं को आनेगाले विधानसभा चुनाव को लेकर संगठनात्मक सुझाव दिये। उन्होंने बूथ के साथ ही शक्ति केंद्र को ससक्त बनाने के लिए आवश्यक सुझाव दिये।

हेमंत सरकार जनता को ठग रही है: नीलकंठ सिंह मुंडा

प्रदेश उपाध्यक्ष और खूंटी विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि किसी क्षेत्र में काम करना हो, तो संगठन की आवश्यकता है और हम भाजपा के कार्यकर्ता हैं जो देश हित के बारे में सोचता है। उन्होंने कहा कि जब हमारी सरकार राज्य में थी तो हम आम जनता के हित में काम करते थे। अभी हेमंत सोरेन की सरकार है, राज्य की जनता से जो बोल कर सत्ता में आइ थी, उसमें सरकार पूरी तरह नाकाम रही है। मुंडा ने कहा कि हेमंत सोरेन ने कहा था कि नौकरी देंगे, रोजगार देंगे, स्थायी नीति बनाएंगे, भत्ता देंगे सभी क्षेत्र में हेमंत सरकार ठगने का काम किया है। .जल्द ही विधानसभा चुनाव आने वाला है। आप सभी कार्यकर्ता क्षेत्रों में जाकर पार्टी के उम्मीदवार को जिताने का काम करते हैं। इसी का परिणाम है कि खूंटी विधानसभा से एक कमल फूल झारखंड में सरकार बनाने के लिए भेजते रहे हैं।

गिरिडीह में जमीन विवाद में टांगी से मारकर एक की हत्या, आरोपी फरार

GIRIDIH : जमीन के आपसी विवाद में मंगलवार की सुबह चचेरे भाइयों ने धारदार हथियार (टांगी) से मारकर ताजो अंसारी (40) की हत्या कर दी। हत्या के बाद सभी आरोपी फरार हो गये। मामला जमआ थाना इलाके के बाराडीह गांव का है। हत्या का आरोप मृतक के भाई आयूब रशुल और उसके बेटो दाउद, साहबाज और पत्नी नगीना खातून पर लगाये गये हैं। सारे आरोपित घरों में ताला लगाकर फरार हो गये हैं। पचंबा थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। बताया गया कि मृतक ताजो अंसारी का भाई-भतीजों आयूब रशुल, दाउद और शाहबाज के साथ कई सालों से जमीन विवाद चल रहा था। ताजो मंगलवार की सुबह घर जा रहा था। इस बीच रास्ते में सभी आरोपितों ने उसे दबोच लिया और घर ले जाकर धारदार हथियार से उसकी हत्या कर दी। चिल्लाने की आवाज सुनकर उसकी पत्नी गुलशन खातून और उसकी बहन भी आरोपियों के घर पहुंचीं। पति का शव देखकर गुलशन ने हल्ला करना शुरू कर दिया। इस दौरान आरोपित पत्नी और बहन को धक्का देकर फरार होने में सफल रहे। इसके बाद ग्रामीण जुटे और घटना की जानकारी पचंबा थाना पुलिस को दिया। पुलिस आरोपितों की सरगर्मी से तलाश कर रही है।

हजारीबाग में पांच सौ पेटी शराब बरामद, एक गया जेल

बरामद शराब के साथ आबकारी विभाग के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : सहायक उत्पाद आयुक्त के नेतृत्व में सोमवार रात पदमा थाना क्षेत्र के करमटांड स्थित मां विंध्यवासिनी बीएड कॉलेज के पीछे से दो कंटेनर वाहन को जब्त किया गया, जिसमें 500 पेटी अवैध विदेशी शराब बरामद किया है। इसकी अनुमानित कीमत लगभग 50 लाख है। छापेमारी के दौरान पकड़े गए विनोद मेहता को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उत्पाद सहायक आयुक्त शिवकुमार साहू ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि पदमा थाना क्षेत्र में अवैध शराब की बड़ी खेप कंटेनर में भरकर आया है। सूचना पर टीम गठित कर कारवाई की गई, जिसमें पदमा थाना क्षेत्र निवासी विनोद मेहता को पकड़ा गया। घटना स्थल पर बरामद बड़े कंटेनर से छोटे कंटेनर में शराब को शिफ्ट किया जा रहा था। शराब चंडीगढ़ से आई थी, जिसे बिहार भेजने की तैयारी थी। अवैध शराब तस्करी का मास्टरमाइंड राजस्थान के बाड़मेर निवासी रामसुमेर बताया गया है।

छापेमारी दल में अवर उत्पाद निरीक्षक सुमितेश कुमार, भुनेश्वर कुमार आदि शामिल थे।

BRIEF NEWS

झारखंड इलेक्ट्रिकल ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष चुने गए संजय जोहर

RANCHI : झारखंड इलेक्ट्रिक ट्रेड एसोसिएशन (जेटा) की वार्षिक आम बैठक रविवार को हुई, जिसमें सत्र 2024 -25 के लिए नई कार्यकारिणी में संजय जोहर अध्यक्ष चुने गए। कोल्हान प्रतिनिधि चुने गए। वहीं, जमशेदपुर के मोहित मूनका कोल्हान प्रतिनिधि चुने गए। इस बैठक में संस्था के पूर्व अध्यक्ष राजकुमार मारू, वेद प्रकाश बगला, मनोहर गुप्ता, प्रमोद सिंघानिया, आनंद प्रकाश, जुगल केडिया, पंकज चौधरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। यह प्रदेश के इलेक्ट्रिकल व्यवसायियों की 57 वर्ष पुरानी संस्था है, जिसमें 300 से ज्यादा फर्म रजिस्टर्ड हैं।

तोरपा एसडीपीओ कार्यालय में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम 10 को

KHUNTI : नागरिकों की शिकायत के त्वरित और प्रभावी निवारण तथा पुलिस और नागरिकों के बीच अविश्वास को समाप्त करने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय झारखंड रांची द्वारा निर्गत पुलिस आदेश के अनुपालन को लेकर 10 सितंबर को पूर्वाहन 11 बजे तोरपा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के कार्यालय में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में तोरपा रनिया और तपकरा थाना क्षेत्र के व्यक्तियों की शिकायत के निवारण किया जायेगा। इस संबंध में तोरपा के थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय ने बताया कि जन शिकायत समाधान कार्यक्रम में तोरपा तपकरा और रनिया थाना क्षेत्र के नागरिक भाग लेकर अपनी शिकायतें दर्ज करा सकते हैं। बताया गया कि पुलिस से संबंधित शिकायतों के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी तोरपा स्थित सभागार में 10 सितंबर को आकर अपनी समस्या का समाधान करा सकते है।

चौकीदार पद पर नियुक्ति के लिए 19 को लिखित परीक्षा

चौकीदार नियुक्ति को लेकर निर्देश देतीं उपायुक्त ● फोटोन न्यूज

LATEHAR : उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में जिले में चौकीदार के पद पर सीधी नियुक्ति को लेकर जिला चयन समिति की बैठक हुई। इसमें बताया गया कि जिले में चौकीदारों की सीधी नियुक्ति को लेकर 19 सितंबर को लिखित परीक्षा होनी है। प्राप्त आवेदनों पर अभियार्थियों से दावा-आपत्ति प्राप्त करने के लिए 11 सितंबर निर्धारित किया गया है। बैठक में विचार-विमर्श करते हुए शारीरिक जांच के लिए पुलिस लाइन का निर्धारण किया गया। प्रवेश पत्र निर्गत करने एवं उसे आवेदकों को भेजने के लिए संबंधित प्रखंड व अंचल का निर्धारण किया गया।

बैठक में उपायुक्त ने प्रभारी उपसमाहर्ता को चौकीदार के रिक्त पदों पर नियुक्ति की जानकारी के संबंध में प्रचार-प्रसार करने के लिए 4 सितंबर को विज्ञापन प्रकाशित कराने का निर्देश दिया गया। केंद्राधीक्षक एवं वीक्षकों के चयन के लिए जिला शिक्षा पदाधिकारी व जिला शिक्षा अधीक्षक को निर्देशित किया गया।

खूंटी में नुक्कड़ नाटक के जरिए सरकारी योजनाओं की दी जा रही जानकारी

KHUNTI : जिला सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में मंगलवार को सांस्कृतिक दल के कलाकारों ने आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के तहत मुरहू प्रखंड के दिगड़ी सहित कई गांवों में जागरुकता कार्यक्रम चलाया। मौके पर क्षेत्रीय भाषा में नुक्कड़ नाटक का मंचन कर लोगों को सरकारी योजनाओं से अवगत कराया गया और लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के तहत सांस्कृतिक दल के कलाकारों द्वारा स्थानीय भाषा में नुक्कड़ नाटक एवं गीत-नृत्य के माध्यम से ग्रामीणों को झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, सर्वजन पेंशन योजना सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। संचालित सरकारी योजनाओं से संबंधित पंपलेट का वितरण कर ग्रामीणों को योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। एलईडी वाहन के माध्यम से लोगों को आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित शिविर तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लोगों को जागरूक किया गया।

अबुआ आवास और मंईयां योजना के आवेदनों का त्वरित निष्पादन करें : डीसी

आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम की समीक्षा कर उपायुक्त ने दिए निर्देश

PHOTON NEWS LATEHAR: उपायुक्त गरिमा सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत आयोजित शिविर को लेकर दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान उपायुक्त ने अबुआ आवास योजना व मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के तहत प्रखंडवार शिविरों में प्राप्त आवेदनों एवं अब तक निष्पादित आवेदनों की समीक्षा के क्रम में लोगों को योजनाओं के प्रति जागरूक करने एवं योजनाबद्ध तरीके से लाभुकों को लाभ देने के संबंध में कार्य करने के लिए निर्देश दिए। वे कम डिस्पोजल वाले प्रखंडों के वरीय पदाधिकारियों से

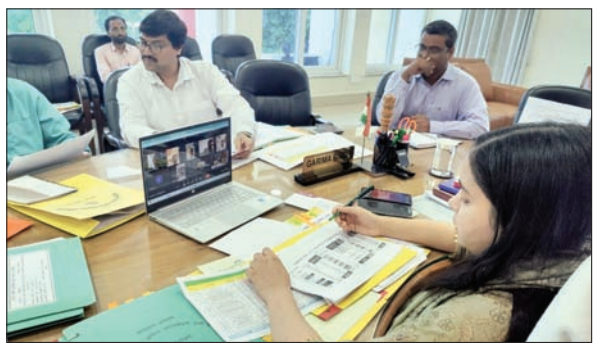
पदाधिकारियों के साथ बैठक करतीं उपायुक्त गरिमा सिंह ● फोटोन न्यूज

कम निष्पादन के कारणों से अवगत हुईं। इस पर उपायुक्त ने प्रखंडों के वरीय पदाधिकारियों से अधिकाधिक निष्पादन करने को कहा। उपायुक्त ने शिविर में कितने लोग लाभान्वित हुए हैं, इसका विभागवार आंकड़ा देने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि इस कार्यक्रम के तहत राज्य सरकार द्वारा जिन मुख्य योजनाओं को चिह्नित किया गया है, उनमें सभी अधिकारियों का यह दायित्व है कि उन सभी योजनाओं में शत प्रतिशत योग्य लाभुक योजना का लाभ लें। इसके लिए अधिकारियों को गंभीरतापूर्वक कार्य करने की आवश्यकता है एवं वरीय पदाधिकारियों को कार्यों की नियमित समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि आमजनों को सरकार की सभी योजनाओं का अधिकाधिक लाभ मिले, इसका विशेष ध्यान रखें। आपकी योजना...कार्यक्रम के अंतर्गत पंचायतों में आयोजित हुए शिविरों में आने वाले सभी लोगों के मामलों को पूरी गंभीरता से लें एवं यथासंभव ऑन द स्पॉट निष्पादन सुनिश्चित करें।

जमीन विवाद में हत्या के दोषी सगे भाइयों समेत पांच को उम्रकैद

PALAMU : प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने मंगलवार को सात साल पुराने जमीन विवाद में हत्या के दोषी दो सगे भाइयों समेत पांच अभियुक्तों को धारा 302 में आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। प्रत्येक को 10-10 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर 6 माह की अतिरिक्त कारावास की सजा भुगतनी पड़ेगी। सजा पाने वालों में प्रमोद भुइयां, जगनारायण भुइयां एवं उसके भाई मुकुल भुइयां, अजीत भुइयां, रामजी भुइयां शामिल हैं। सभी बिशुनपुर हरिहरगंज के रहने वाले हैं। इस संबंध में हरिहरगंज थाना क्षेत्र के अरुआकला टोला चरकेड़िया की उषा कंवर पति जगरेश सिंह ने 11 अगस्त, 2017 को मामला दर्ज कराया था। फर्द बयान पर मामला दर्ज हुआ था।

शिविर लगाकर पीएम विश्वकर्मा योजना की दी जा रही जानकारी

शिविर में उपस्थित महिलाओं के साथ भाजपा नेता शेफाली गुप्ता ● फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : सदर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा नेता शेफाली गुप्ता ने मंगलवार को प्रधानमंत्री जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभुकों को जोड़ने के लिए संकलन कैंप लगवाया। पीएम विश्वकर्मा योजनाओं एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित ग्रामीणों को जानकारी दिया गया। योजनाओं का लाभ पर विस्तृत चर्चा किया गया। इस दौरान भाजपा नेता शेफाली गुप्ता ने ग्रामीणों से रूबरू होकर कई जनसमस्याएं सुनी। हर संभव सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहने का आश्वासन दिया। योजनाओं से लाभूको को जोडने को लेकर संकल्प कैंप में भारी भीड़ रही। शेफाली गुप्ता ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि जन-जन तक प्रधानमंत्री जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध हूं।

चोरी कर भाग रहे तीन में से एक को ग्रामीणों ने पकड़ा

GIRIDIH : जिले के बगोदर थाना इलाक के सोनतुरपी गांव में एक घर में चोरी कर भाग रहे तीन चोरों में से एक को ग्रामीणों ने धर दबोचा। ग्रामीणों ने चोर और उसकी बाइक समेत पुलिस के हवाले कर दिया। बताया गया कि सोमवार की रात में चोरों ने एक घर से दो लाख रुपये नकदी समेत अन्य सामानों की चोरी की। हालांकि, पकड़े गये चोर की तलाशी लेने पर चोरी की रकम नहीं मिली। चोर ने बताया कि उनके सहयोगी के पास चोरी की रकम है। चोरों ने गांव में लाटो पासवान के घर चोरी की घटना को अंजाम दिया था। चोरों ने कमरे में रखे ट्रंक से दो लाख रुपये निकाल कर ट्रंक के ऊपर रखा बक्सा ले जाने के क्रम में छत पर सोये एक युवक की नजर पड़ी। उसने फोन कर आसपास के युवकों को घटना की जानकारी दी।

सीएस ने शुरू किया वयस्क बीसीजी टीकाकरण अभियान

AGENCY LOHARDAGA : जिले में वयस्क बीसीजी कार्यक्रम का सिविल सर्जन के सभागार में शुरू किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन अमरेन्द्र नाथ डे, डीटीओ डॉ एसएन सिंह, डीएस शंभू नाथ चौधरी, एसएमओ डॉ विनायक, डब्ल्यूएचओ कंसल्टेंट आरुष ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। कार्यक्रम में एडल्ट बीसीजी का सबसे पहला टीका लगवाया। साथ ही डीएस शंभू नाथ चौधरी, आरसीएच पदाधिकारी डॉ सुलामी होरो, डीटीओ डॉ डीएनए सिंह ने भी एडल्ट बीसीजी के टीके लगवाये। सिविल सर्जन ने बताया कि जिले में कुल जनसंख्या का 20 प्रतिशत टीकाकरण करने का लक्ष्य रखा गया है। कुल 31,802 लाभार्थियों का चिह्नित किया गया है, जिसमें 19 हजार लाभार्थियों का प्री

बैठक में पदाधिकारियों को निर्देश देते सिविल सर्जन ● फोटोन न्यूज

रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि टीबी का प्रथम डोज 0-1 वर्ष के बच्चों को दिया जा रहा है लेकिन अब वयस्क लोगों को भी बीसीजी का टीका लगाया जायेगा, जिससे राज्य को टीबी मुक्त किया जा सके। डीपीसी अनुराग कुमार ने बताया कि व्यस्क बीसीजी प्रतिरक्षण के लिए सहमति प्रदान करने वाले 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लोगों, पांच वर्ष पूर्व तक टीबी रोग का उपचार ले चुके व्यक्ति, तीन वर्ष पूर्व तक के टीबी रोगी के संपर्क में रहने वाले, धूम्रपान करने वाले व्यक्ति, कुपोषित व्यक्ति, मधुमेह से पीड़ित व्यक्ति एवं 60 वर्ष से अधिक आयु वाले सभी व्यक्ति को टीका लगाया जायेगा। पीरामल स्वास्थ्य के डीपीओ सुधीर कुमार राय ने बताया कि 18 वर्ष से कम आयु वर्ग के लोगों एडल्ट बीसीजी प्रतिरक्षित नहीं किया जायेगा।

पर्यटकों के लिए बने आकर्षण का केंद्र, जुलाई से सितंबर तक प्रवास करते हैं पक्षी

टाइगर रिजर्व के वनों में 10 वर्ष से आ रहे दुर्लभ सारस

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू टाइगर रिजर्व के बारेसांढ़ गांव के पास इन दिनों एक अनोखा और दुर्लभ दृश्य देखने को मिलता है। बारेसाढ़ गांव के समीप झुमरी टोला में खड़े एक विशाल सेमल के पेड़ पर पिछले 10 वर्षों से एक विलुप्तप्राय प्रजाति का सारस पक्षी, जिसे एशियाई ऊनी गर्दन वाला सारस के नाम से जाना जाता है, प्रजनन के लिए आता है। यह सारस जुलाई से सितंबर तक यहां प्रवास करता है और इसी दौरान यहां अपने अंडे देकर बच्चों के साथ सितंबर के अंत तक उड़ जाता है। गांव के लोगों के लिए यह सारस किसी रहस्य से कम नहीं है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह पक्षी हर साल उसी बारेसाढ़ के झुमरी टोला वाले पेड़ पर लौटता है और इसका स्थानीय नाम भले

ही उन्हें न पता हो, लेकिन इस पक्षी का आगमन अब उनकी प्रत्येक वर्ष दिनचर्या का हिस्सा बन चुका है। इस दुर्लभ सारस पक्षी की पहचान उसकी काली पीठ, गहरे हरे और बैंगनी रंग के पंखों और सफेद पट्टीदार गर्दन से होती है, जो इसे अन्य पक्षियों से अलग और आकर्षक बनाती है। स्थानीय ग्रामीण इस पक्षी को शुभ मानते हैं और किसी भी तरह से परेशान नहीं करते।

बारेसाढ़ के रेंजर तरुण कुमार सिंह बताते हैं कि इस दुर्लभ सारस पक्षी का आगमन न केवल स्थानीय निवासियों के लिए बल्कि देशभर से आने वाले पर्यटकों के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। इस क्षेत्र में आने वाले पर्यटक इस सारस पक्षी और अन्य दुर्लभ पक्षियों को देखने के लिए उत्सुक रहते हैं। पलामू टाइगर रिजर्व का यह क्षेत्र वन्यजीव प्रेमियों के लिए टेनो जंगल और पयह स्थान एक विशेष स्थल बन गया है, जहां हर साल सैकड़ो पर्यटक मारोमार, बारेसाढ़ टेनो और इन अद्वितीय प्रजातियों को देखने आते हैं।

पीटीआर के दक्षिणी वन प्रमंडल मेदिनीनगर डीएफओ कुमार आशीष ने बताया कि एशियाई ऊनी गर्दन वाला सारस पक्षी एक स्थानीय पक्षी है, जो आर्द्रभूमि, दलदल, नदियों, झीलों और तालाबों में निवास करता है। इसका आहार मुख्य रूप से मेंढक, मछली, केकड़े, कीड़े और छोटे सरीसृप होते हैं। दक्षिण भारत में इसका प्रजनन काल जुलाई से सितंबर के बीच होता है, जबकि उत्तर भारत में यह दिसंबर से मार्च तक प्रजनन करता है।

ये सारस जंगल के ऊंचे पेड़ों पर घोंसला बनाते हैं, जिसमें दो से पांच अंडे होते हैं। वन विभाग इस पक्षी की सुरक्षा और संरक्षण के लिए सतर्क है और इसे संरक्षित करने के लिए विशेष प्रयास कर रहा है। इस पक्षी का नियमित आगमन पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी मददगार साबित हो रहा है। इस दुर्लभ प्रजाति को देखने के लिए देशभर से पर्यटक इस क्षेत्र में आते हैं, जिससे क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिल रहा है।

तोरपा थाना के टाटी ग्राम के पास अवैध बालू लदे तीन वाहन जब्त

KHUNTI : उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर सोमवार की देर रात से मंगलवार को अहले सुबह तक तोरपा थाना में बालू के अवैध खनन और परिवहन के विरूद्ध चलाये गये अभियान में अवैध बालू लदे तीन वाहनों को जब्त किया गया। जिला खनन पदाधिकारी राम नरेश सिंह के नेतृत्व में तोरपा थाना पुलिस बल और अनुमंडल पदाधिकारी वरूण रजक द्वारा उपलब्ध कराए गए। पुलिस बल और जिला खनन कार्यालय के कर्मचारी पवन देव गंझू तथा मथुरा सिंह मुंडा के सहयोग से औचक छापामारी अभियान चलाया गया।इस दौरान टाटी-उकड़ीमाड़ी रोड में टाटी गांव के पास तीन अवैध बालू लदे वाहन (जेएच02बीआर-4294), (जेएच24ई-4055) और (ओडी14आर-4649) को जब्त किया गया। छापामारी दल को देखते ही वाहन चालक वाहन छोड़ कर भाग गये।

लातेहार डीसी ने नेपाल से लौटे खिलाड़ियों को किया सम्मानित

सम्मानित खिलाड़ियों के साथ उपायुक्त गरिमा सिंह ● फोटोन न्यूज

LATEHAR : साउथ एशिया ओपन इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप 28 व 29 अगस्त को काठमांडू (नेपाल) के दशरथ स्टेडियम में हुआ था। इसमें लातेहार जिला कराटे कोच अक्षय कुमार सिंह सहित चार खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन कर लातेहार जिला व देश का नाम रोशन किया। अक्षय कुमार सिंह, कुमिते स्पर्धा में कांस्य पदक विजेता, शौर्य राज (सिल्वर मेडल), अभिषेक एक्का (ब्रांज मेडल), जीतू उरांव झारखंड कराटे टीम कोच धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए गए थे। उपायुक्त गरिमा सिंह ने मंगलवार को अक्षय कुमार सिंह, शौर्य राज (प्रियांशु), अभिषेक एक्का व जीतू उरांव को प्रशस्ति पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया। उपायुक्त ने शुभकामना देते हुए भविष्य में बेहतर करने की प्रेरणा दी।

रोचक हो गया ट्रंप-कमला के बीच ग्लास सीलिंग का अंतर्द्वंद्व

व्हाइट हाउस के लिए डोनाल्ड ट्रंप-कमला हैरिस के बीच प्रतिष्ठा की लड़ाई की तारीख (5 नवंबर) जैसे-जैसे समीप आ रही है, दुनिया भर की ताकतें सक्रिय हो गई हैं। हों भी क्यों नहीं, जब सवाल हो कि दुनिया के सबसे शक्तिशाली देश का राष्ट्रपति कौन हो। विश्व में तेजी से बदलते घटनाक्रम में एक ओर यूक्रेन-रूस युद्ध से यूरोप में खलबली है तो दूसरी ओर इजरायल-फिलिस्तीन के बीच युद्ध से मिडल ईस्ट में अशांति से इस्लामिक वर्ल्ड, खासतौर से ईरान, सीरिया और लेबनान सहित अनेक देश विचलित हैं। अमेरिका के नंबर एक शत्रु चीन ने रूस और उत्तरी कोरिया से हाथ मिला कर ताइवान में आक्रामक रवैया अपनाते हुए रेड सी के इर्द-गिर्द देशों के साथ दो-दो हाथ आजमाने की ठान ली है, उससे पूर्वी एशियाई देशों को भी अमेरिकी संरक्षण की दरकार समझ आती है। इनमें भारत ही एकमात्र ऐसा देश है, जो भू-राजनीतिक कारणों से सुखद स्थिति में है। ऐसे में अमेरिका का राष्ट्रपति कौन हो, यह सवाल उठना स्वाभाविक है। ट्रंप और कमला उस विशाल नदी के दो छोर पर हैं, जहां उनकी नीतियों, आचार-विचार और व्यापार में कोई मेल नहीं है। विश्व आर्डर और क्षेत्रीय सुरक्षा के पहलुओं पर बात करें तो यहां भी बड़ा टकराव है। ऐसे में अमेरिका का राष्ट्रपति कौन हो, अमेरिका के अंदर ही नहीं, विश्व के राजनैतिक मंचों पर तेजी से मंथन होने लगा है। दक्षिण एशिया में भारत एकमात्र ऐसा देश है, जो मजबूती से अपने पांव पर खड़ा है। भारत के संबंध रूस से भी उतने ही प्रगाढ़ हैं, जितने अमेरिका से। यह भारत की मौजूदा भू- राजनैतिक स्थिति के कारण भी है। चीन, रूस, यूरोपीय देशों के साथ मिडल ईस्ट में इजरायल सहित इस्लामिक वर्ल्ड, खासकर ईरान ने टेक इंडस्ट्री के घोड़े दौड़ाने शुरू कर दिए हैं। इन सबके बावजूद अमेरिका के घरेलू स्तर पर खास कर बहुसंख्यक श्वेत समुदाय के बड़े-बूढ़े ग्लास सीलिंग की लीक से हटकर अपने-अपने दायरे से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। यह डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस के लिए अंतिम क्षणों में कड़ी टक्कर के बावजूद खतरे की घंटी हो सकता है। बेशक, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ज्यादा शिक्षित, उदारवादी और विश्व के बदलते मिजाज के अनुकूल हैं। अमेरिका के ब्यू (डेमोक्रेट) और रेड (रिपब्लिकन) बहुल राज्यों में इस बार कांटे की टक्कर (स्विंग स्टेट) वाले सात राज्यों- पेनसेलवेनिया, मिशिगन, अरिजोना, नवाडा, आर्किंसन, नार्थ कैरोलाइना और जार्जिया के दूरदराज की ग्रामीण महिलाओं और बुजुर्गों में कमला हैरिस अपेक्षाकृत ज्यादा अपरिचित हैं। मीडिया रिपोर्ट को मानें तो कमला को कहीं-कहीं, श्वेत महिलाएं बड़ी तादाद में देखने-सुनने के लिए आ भी रही हैं। यक्ष प्रश्न यह कि क्या मतदान के लिए बचे शेष समय में डेमोक्रेट उन श्वेत महिला-पुरुषों की कमला हैरिस के प्रति बढ़ती रुचि के बावजूद व्हाइट हाउस जैसे उच्च पद के लिए एक महिला उम्मीदवार के पक्ष में रुचि को वोट बैंक में तब्दील कर पाएंगे। प्रथम महिला और पूर्व में विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन श्वेत समुदाय में खासी परिचित होने के बावजूद आठ साल इसी ग्लास सीलिंग वाली हताशपूर्ण मनोवृत्ति की मार झेल चुकी हैं। अमेरिका भले ही विश्व के विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में सबसे आगे है। भारत के ठेठ परंपरावादी ग्रामीण समुदाय की महिलाओं की तरह विशेषकर परंपरावादी कट्टर इवेंजिलिस्ट श्वेत समुदाय महिलाओं के प्रति अपनी मनोवृत्ति में अपेक्षित बदलाव नहीं ला पाए हैं। अश्वेत बराक ओबामा एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति हुए हैं, जिन्हें अपनी उदार नीतियों और साफगोई से स्विंग स्टेट में भरपूर समर्थन मिला है। इस परंपरावादी श्वेत समुदाय की एक खासियत है कि वे मन के सच्चे हैं। उन्हें अपने डोनाल्ड ट्रंप की कमला हैरिस के प्रति नस्ल विरोधी टिप्पणी रास नहीं आई। उन्होंने अगले ही दिन ट्रंप की नस्ल विरोधी टिप्पणी पर नसीहत दे डाली कि वह अपनी नीतियों पर सीमित रहें। भारतीय मूल की कमला हैरिस यह बाखूबी जानती हैं कि उनके वोट बैंक में अधिकाधिक अश्वेत, लैटिन अमेरिकी, एशियन और इस्लामिक वर्ल्ड के तीन चौथाई मतों की एकजुटता के बावजूद उनकी हार-जीत में ग्रामीण श्वेत वोटबैंक की महत्वपूर्ण भूमिका है। कमला हैरिस की मां श्यामला भारतीय मूल की थीं और उन्होंने अमेरिका में शिक्षा-दीक्षा के दौरान जमैका के अश्वेत अफ्रीकी अमेरिकी से विवाह रचा लिया था। देखा जाए तो अमेरिका में परंपरावादी श्वेत अमेरिकी समुदाय (रिपब्लिकन) के बाद मूल अश्वेत समुदाय, बाहर से आए अमेरिका में आ कर बसे लैटिन अमेरिकी, कैरबियन एशियन, यूरोपियन और अफ्रीकी मतदाता हैं। रिपब्लिकन पार्टी अपने श्वेत मतदाताओं के बल पर कोई चुनाव नहीं जीत सकती। इसके लिए उसे खासतौर पर कांटे की टक्कर वाले राज्यों में अश्वेत सहित अन्यान्य वोटबैंक पर निर्भर रहना मजबूरी है। कमला को भारतीय मूल के वोटबैंक के साथ एकमुश्त अश्वेत वोटबैंक मिल रहा है, उससे ट्रंप भी चिंतित हैं। भारतीय मतदाताओं को लुभाने के लिए राष्ट्रपति पद के पूर्व उम्मीदवार विवेक रामास्वामी और पूर्व में डेमोक्रेट तुलसी गाबार्ड (हवाई) ने ट्रंप का समर्थन किया है, तो राष्ट्रपति पद के मौजूदा निर्दलीय उम्मीदवार राबर्ट एफ कनेडी (जूनियर) ने चुनाव मैदान से हट कर ट्रंप का समर्थन किया है। जहां तक भारतीय मतदाताओं की बात है, पिछले कई दशकों से दो तिहाई भारतीय मतदाता डेमोक्रेट उम्मीदवार के साथ रहते हैं, जबकि ट्रंप को एक तिहाई से ज्यादा समर्थन नहीं मिल पाता। अभी पिछले एक सप्ताह में हुए पोल सर्वे में लगातार यह दिखाया जा रहा है कि कमला हैरिस जो आयु में ट्रंप से बीस वर्ष छोटी हैं, ज्यादा पढ़ी-लिखी हैं और उन्हें पिछले साढ़े तीन साल में व्हाइट हाउस में काम करने और सलीके से बोलने का अनुभव हुआ है।

भारत का उज्ज्वल भविष्य

ANALYSIS

हृदयनारायण दीक्षित

आधुनिक विज्ञान सबकुछ जानने की जिज्ञासा है। प्राचीन काल में ऋषि सृष्टि रहस्यों पर विचार करते थे। सृष्टि रहस्यपूर्ण है भी। ऋग्वेद में जिज्ञासा है कि मरुत (वायु) किस शक्ति से वर्षा करते हैं और किस देश से आते हैं। सूर्य प्रत्यक्ष हैं। संपूर्ण जगत के लिए उपास्य हैं। भौतिक सत्य हैं। ऋषि की जिज्ञासा है कि वह रात्रि में किस क्षेत्र को प्रकाशित करते हैं। वैदिक समाज को सूर्य के दर्शन में आनंद मिलता था। सूर्य पर अनेक सूक्त हैं। आधुनिक विज्ञान ने अनेक सौरमंडल जान लिए हैं। ऋग्वेद में इसी से मिलती-जुलती जिज्ञासा है कि सूर्य हैं कितने। यहां सूर्य पर एक मजेदार प्रश्न है कि सूर्य आकाश से क्यों नहीं गिरता। उसका आधार क्या है। ऋग्वेद में ऐसे सैकड़ों प्रश्न हैं। क्या इन प्रश्नों को वैज्ञानिक नहीं माना जा सकता। विज्ञान का जन्म और विकास ऐसी ही प्रश्न, बेचैन जिज्ञासा से हुआ है।

अंधविश्वास बढ़ रहा है। अंधविश्वास राष्ट्रजीवन के लिए घातक है। परीक्षा में सफलता के लिए लोग ठगने वाले बाबाओं की शरण में जा रहे हैं। देश को वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। आखिरकार वैज्ञानिक दृष्टिकोण का मतलब क्या है। संसार प्रत्यक्ष है। विज्ञान कार्य कारण की व्याख्या है। भारतीय दर्शन में तर्क और प्रतितर्क का विशेष महत्व है। आधुनिक विज्ञान सबकुछ जानने की जिज्ञासा है। प्राचीन काल में ऋषि सृष्टि रहस्यों पर विचार करते थे। सृष्टि रहस्यपूर्ण है भी। ऋग्वेद में जिज्ञासा है कि मरुत (वायु) किस शक्ति से वर्षा करते हैं और किस देश से आते हैं। सूर्य प्रत्यक्ष हैं। संपूर्ण जगत के लिए उपास्य हैं। भौतिक सत्य हैं। ऋषि की जिज्ञासा है कि वह रात्रि में किस क्षेत्र को प्रकाशित करते हैं। वैदिक समाज को सूर्य के दर्शन में आनंद मिलता था। सूर्य पर अनेक सूक्त हैं। आधुनिक विज्ञान ने अनेक सौरमंडल जान लिए हैं। ऋग्वेद में इसी से मिलती-जुलती जिज्ञासा है कि सूर्य हैं कितने। यहां सूर्य पर एक मजेदार प्रश्न है कि सूर्य आकाश से क्यों नहीं गिरता। उसका आधार क्या है। ऋग्वेद में ऐसे सैकड़ों प्रश्न हैं। क्या इन प्रश्नों को वैज्ञानिक नहीं माना जा सकता। विज्ञान का जन्म और विकास ऐसी ही प्रश्न, बेचैन जिज्ञासा से हुआ है। संसार के सर्जक एक देवता का नाम विश्वकर्मा था। ऋषि का प्रश्न है कि जब संसार नहीं था तब विश्वकर्मा ने कहां बैठ कर संसार बनाया। वे सृष्टि निर्माण की सामग्री कहां से लाए। विज्ञान भौतिक जगत के अणु-परमाणुओं व गोचर प्रपंचों का अध्ययन है। चरक संहिता प्राचीन ज्ञान का महान ग्रंथ है। चरक संहिता में आत्मा को

द्रव्य बताया गया है। यही बात इसके पहले वैशेषिक दर्शन में है। वैशेषिक दर्शन में आत्मा को द्रव्य बताने की घोषणा क्रांतिकारी है। प्राचीन विज्ञान की जड़ें प्राचीन संस्कृति में हैं। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने बड़ी उन्नति की है। परंपरा की जड़ों को देखना-जांचना अवैज्ञानिक नहीं हो सकता। अथर्ववेद के एक ऋषि ने सफेद बालों को काला करने की दवा खोजी थी। इसे विज्ञान कहेंगे या अध्यात्म। कभी-कभी प्राचीनता के समर्थक भी अतिउत्साह में आधुनिक काल में हुई खोजों को प्राचीन बताते हैं। यह विषय विशेष शोध के लायक है। भारतीय काव्य परंपरा में आकाश मार्ग और विमान के उल्लेख हैं। विमान की बात कल्पना हो सकती है। विमान की कल्पना के लिए भी वैज्ञानिक चित्त चाहिए। प्राचीन काल में विमान थे या नहीं, यह शोध का विषय है। इतिहास और पुरातत्व का है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण के लिए साक्ष्य चाहिए। प्राचीन आख्यान के एक मजेदार पात्र हैं नारद। वह बिना किसी वाहन के दुनिया के किसी भी कोने की यात्रा कर लेते हैं। धरती और आकाश की भी। उनके हाथ में सुंदर वाद्ययंत्र है। नारद का उल्लेख ऋग्वेद में है। महाभारत में है। रामायण में है। नारद यत्र-तत्र-सर्वत्र भ्रमण करते हैं। वे इतिहास के पात्र हो सकते हैं और नहीं भी। दुनिया के किसी भी ग्रंथ में नारद जैसा पात्र नहीं है। वैदिक भारत में तर्कशास्त्र और दर्शन का विकास हो रहा था। आधुनिक काल में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करने का काम यहां के विद्वानों ने किया। प्राचीन भारत अंधविश्वासी नहीं था। ऋग्वेद में प्रकृति के भीतर एक सारभूत नियम व्यवस्था का उल्लेख है। डॉ. राधाकृष्णन के अनुसार ईश्वर भी प्राकृतिक संविधान में हस्तक्षेप नहीं कर सकता। प्राचीन विज्ञान में सृष्टि के गोचर प्रपंचों की गहन जिज्ञासा थी। तैत्तिरीय उपनिषद् (उत्तर वैदिक काल) में भृगु को पिता ने बताया अन्न ही संपूर्णता है। अन्न से प्राण हैं। यहां प्रत्यक्ष वैज्ञानिक भौतिकवाद है। फिर कहा प्राण ही सर्वस्व हैं। प्राण के कारण प्राणी हैं। यहां भी कोई अंधविश्वास नहीं। आगे बताया कि मन ही सब कुछ है और फिर बताया कि विज्ञान ही सब कुछ है। विज्ञान से ही प्राणी जन्म लेते हैं। जीवित रहते हैं और विज्ञान में ही समा जाते हैं। यहां विज्ञान शिखर है। विज्ञान अर्थात प्रकृति के अकाट्य नियम। अंत में कहा कि लेकिन आनंद ही सर्वस्व है। अन्न, मन, प्राण या विज्ञान सबका उद्देश्य आनंद ही है। प्रयोगसिद्धि विज्ञान की प्रमुख कसौटी है। व्यक्तिगत अनुभूति वैज्ञानिक नहीं होती। सार्वजनिक सिद्धि जरूरी है। भारी-भरकम उपकरण या प्रयोगशालाएं ही किसी ज्ञान को विज्ञान नहीं बनाते हैं। आइंस्टीन ने लिखा है, जिसने भी उन औजारों और विधियों का व्यवहार सीख लिया, जो प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में वैज्ञानिक प्रतीत होते हैं, मैं उसे वैज्ञानिक नहीं मानूंगा। मैं उन व्यक्तियों की बात कर रहा हूं जिनमें वैज्ञानिक मानसिकता-साइंटिफिक मेंटालिटी जीवंत है। यहां वैज्ञानिक मानसिकता पर ही जोर है। वैज्ञानिक मानसिकता क्या है। भारत अंधविश्वास मुक्त और जिज्ञासु था। धरती, आकाश और सौरमंडल को जानने-जांचने को बेचैन था। इसलिए प्राचीन ज्ञान-विज्ञान को कोरा मिथक कहना राष्ट्रजीवन का सीधा अपमान है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण में ज्ञान की कोई अवस्था अंतिम नहीं होती। ज्ञान निरंतर विकासमान प्रक्रिया है। न प्राचीन विज्ञान पूर्ण था और न ही आधुनिक विज्ञान पूर्ण है। गणित विज्ञान की आत्मा है। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार शून्य का आविष्कार संभवतः हिंदुओं ने किया। लिखा है कि 1 से 10 अंकों के प्रतीक अधिकतर भारत में उत्पन्न हुए। अरबों ने उनका प्रयोग किया। उन्हें हिंदू अरेबिक अंक कहा जाता है। संस्कृत में शति 10 सूचक और 100 के लिए शतम् है। इसका लैटिन रूप केंतुम और जर्मन में हुंड या हुडा है। अंग्रेजी का हंड्रेड इसी का विस्तार हो सकता है। वैदिक मंत्रों में 10 उंगलियों का अनेक बार उल्लेख है। एसएन सेन ने हिस्ट्री आफ साइंसेज इन इंडिया में लिखा है, शब्दांक और दाशमिक स्थानगत मूल व्यवस्था में व्यवहार एक अन्य अपूर्व भारतीय विकास है। गणित का विकास विश्लेषक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रमाण है। दशमलव पद्धति विश्व को भारत की देन है। नीढेम ने साइंस एंड सिविलाइजेशन इन चाइना में लिखा, शून्य का प्रयोग 1247 में चीन में मिलता है। धारणा है कि वह सीधे भारत से प्राप्त किया गया है। गणित और विज्ञान का जन्म भारत में हुआ। 1 के साथ शून्य लगाकर बना 10 महत्वपूर्ण अंक है। ऋग्वेद के अनुसार 10 दिशाएं हैं। इंद्रियां भी 10 हैं। विराट पुरुष 10 अंगुल में विश्व घेरता है। 100 अंक का भी उल्लेख है-100 शरद् का जीवन चाहिए। शून्य वाली संख्या मजेदार ढंग से बढ़ती है। वरुण 100 औषधियां रखते हैं और हजार भी। पुरुष सहस्त्र शिरो वाला, सहस्त्र पैरों वाला है। मैक्डनल और कीथ ने वैदिक साहित्य से अनेक संख्याओं का उल्लेख किया है। उन्होंने समय माप के दाशमिक विभाजन का भी ब्योरा दिया है। बीज गणित का विकास यहां हुआ। हड़प्पा स्थापत्य प्राचीन रेखागणित का साक्ष्य है। जर्मन विद्वान डॉ. थामस के अनुसार हड़प्पा सभ्यता के मापक यंत्र गणित ज्ञान की गवाही है। पृथ्वी की गतिशीलता और गुरुत्व अथर्ववेद में है। वेदों में हजारों वनस्पतियों का उल्लेख है। यहां धातु उद्योग भी है।

लेखक उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।

नशे के खिलाफ जंग, सरकार की अच्छी पहल

पहली बार केंद्र सरकार ने नशे के खिलाफ बड़ा बयान देते हुए व्यापक रूप से फैले इसके नेटवर्क के खिलाफ कारगर मुहिम चलाने की बात कही है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से मादक पदार्थ के अवैध कारोबारियों के खिलाफ अभियान का आह्वान करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि इससे निपटने के लिए नेटवर्क पर प्रहार करना होगा। शाह ने कहा कि इससे उत्पन्न होने वाला धन, आतंकवाद व नक्सलवाद को बढ़ावा देता है और अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है। यदि दृढ़ निश्चय और रणनीति के साथ बढ़ा जाए तो इस खतरे के खिलाफ लड़ाई जीत सकते हैं। गृह मंत्री ने मादक पदार्थों से होने वाले नुकसान व अवैध कारोबार को खत्म करने के लिए चार सूत्र दिए और कहा कि हमें मादक पदार्थों की पहचान करने, नशे के सौदागरों का नेटवर्क नष्ट करने, अपराधियों को हिरासत में लेने और नशे के आदी लोगों के पुनर्वास पर जोर देना होगा। जितनी सरलता से यह बात कही गई, यह उतनी ही मुश्किल है। चूंकि नशे के कारोबारियों ने बहुत बड़े स्तर पर अपना जाल बिछा दिया। आज मादक पदार्थ गली-गली में इतनी आसानी से मिल रहे हैं जैसे परचून की दुकान पर टॉफी-बिस्कुट। मादक पदार्थ बहुत तेजी से युवाओं को निगल रहा है। आज युवाओं की पार्टी में चरस, गांजा, अफीम, हेरोइन व ब्राउन शुगर के अलावा कई प्रकार के नशे की सामग्री का होना आम बात हो गई। यह सभी मादक पदार्थ पार्टी के पर्यायवाची बन चुके हैं। स्कूल-कॉलेज के बच्चों में इस नशे का क्रेज लगातार पढ़ रहा है। कॉलेज में लड़के-लड़कियां जमकर इस तरह का नशा कर रहे हैं। हम देखते रहे हैं कि नशे की वजह से हर रोज हजारों घर बर्बाद हो रहे हैं। यदि इस पटकथा के निमार्ता की बात करें तो वह है पुलिस-प्रशासन। चूंकि इस तरह के मादक पदार्थ बिना प्रशासन की मिलीभगत के नहीं बिक सकता। कहा जाता है कि मादक पदार्थ बिकवाने की अनुमति के पुलिस लाखों रुपये लेती है। यह मादक पदार्थ बेचने वाले एक कॉल पर डिलीवरी देने आ जाते हैं और प्रशासन की नाक के नीचे खुला खेल चलता है। विशेषज्ञों के अनुसार नशा मनुष्य के सोचने-समझने की शक्ति के साथ पूरे शरीर पर प्रहार करता है। इसका प्रहार ऐसा होता है कि धीरे-धीरे शरीर नष्ट हो जाता है। यह एक ऐसा धीमा जहर है कि लोग जब तक इसके दुष्परिणामों को समझ पाते हैं तब तक उनका अंत हो जाता है। नशा कई रूपों में किया जाता है- शराब, तंबाकू, पाउच व आर्टिफिशल मादक पदार्थ आदि सभी नशे की श्रेणी में आते हैं। आज नशे का सेवन भारत में सबसे अधिक होता है। लाखों संस्थाए भले नशे पर प्रतिबंध को लेकर जागरुकता कार्यक्रम करती हों लेकिन वास्तव में यह दुनिया भर में एक वर्ष में 54 लाख जानें ले रहा है। दुनिया में एक अरब लोग तंबाकू का सेवन करते हैं। भारत की बात करें तो सालाना 9 लाख मौतें तंबाकू व लगभग चार लाख मौतें चरस, गांजा, अफीम व हेरोइन से होती हैं। दस में से एक मौत में तंबाकू वजह बनती है। वहीं, विश्व में सभी तरह के नशे को लेकर सेवन में भारत का दूसरा स्थान है। यह बेहद पीड़ा देने वाला आंकड़ा है। विशेषज्ञों के अनुसार 2030 तक 80 लाख लोगों की नशे की वजह से मौतें होंगी। डब्लूएचओ द्वारा वर्ष 1988 से दुनिया को नशे के दुष्परिणामों से सचेत करने के लिए 31 मई को विश्व तंबाकू दिवस मनाया जाता है। बावजूद इसके, लोग जागरूक होने की बजाय नशे के प्रति आकर्षित हो रहे हैं। इसके अलावा कॉरपोरेट जगत में सिगरेट के अलावा बड़े स्तर के नशे करना स्टेटस सिंबल बन गया। अब चिंता का विषय यह बनता जा रहा है कि स्कूल व कॉलेज की बच्चे नशा करने लगे। नशे के क्षेत्र में हर रोज परिस्थितियां विपरीत होती जा रही हैं। बीते दिनों भारत में एक पाकिस्तानी नौका से छह सौ करोड़ मूल्य की हेरोइन पकड़ी गई थी, जिससे पाकिस्तान के नशा माफियाओं को करोड़ों रुपयों का फायदा होता और वह पैसा आतंकवाद में प्रयोग होता। जैसा कि भारत में कुछ मादक पदार्थ गैर-कानूनी तरीके से बाहरी देशों से आते हैं। दरअसल, कई देशों के सत्ता प्रतिष्ठानों की मिलीभगत से नार्को-आतंकवाद के एक बड़े पैटर्न को अंजाम दिया जा रहा है। निश्चित तौर पर यह साजिश हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये एक गंभीर चुनौती है। पुरानी घटनाओं के अनुसार जम्मू-कश्मीर व पंजाब में नशे के कारोबार से कमाया हुआ पैसा आतंकवाद में लगता आया है। इस तरह का पैसा आतंकवादियों को हथियार व पैसा उपलब्ध कराता है। इसी साल मई में भी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और नौसेना के साझे मिशन के जरिये केरल तट पर ढाई हजार किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद किया गया था। इसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत पंद्रह हजार करोड़ रुपये बताई गई थी। यह हमारे देश में बरामद अब तक की सबसे बड़ी नशे की खेप थी। इसके अलावा गुजरात के तट पर 150 किलो ड्रग्स ले जा रही नौका को जब जब्त किया गया और छह पाकिस्तानी चालक दल के सदस्यों को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह फरवरी में पोरबंदर तट पर पांच विदेशी नागरिकों को चरस व 3300 किलोग्राम नशीले पदार्थों के साथ पकड़ा गया था। दरअसल, इस नशे के कारोबार की शुरूआत अक्सर अफगानिस्तान से होती है, जहां अफीम व हेरोइन का बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है। बहरहाल, केंद्र सरकार की ओर से नशे के माफिया पर नकेल कसना बेहतर कदम है, लेकिन इसमें धरातल पर काम करने की जरूरत है। विभाग चाहेगा तो यह बेहद सरल है अन्यथा यह प्रक्रिया बहुत जटिल है। जटिल इसलिए कहा जा रहा है कि नशे के सौदागर सिस्टम को इतना ज्यादा पैसा ऑफर करते हैं कि वह मना नहीं कर पाता। इस खेल में पैसा बहुत है, जिसमें शासन-प्रशासन के बड़े-बड़े लोग शामिल हैं।

Social Media Corner

सच के हक में...

भाजपा की असंवैधानिक और अन्यायपूर्ण बुलडोजर नीति पर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी स्वागत योग्य है। बुलडोजर के नीचे मानवता और इंसाफ को कुचलने वाली भाजपा का संविधान विरोधी चेहरा अब देश के सामने बेनकाब हो चुका है। बेलगाम सत्ता का प्रतीक बन चुके बुलडोजर ने नागरिक अधिकारों को कुचल कर कानून को निरंतर अहंकार भरी चुनौती दी है। त्वरित न्याय की आड़ में भय का राज स्थापित करने की मंशा से चलाए जा रहे बुलडोजर के पहियों के नीचे अक्सर बहुजनों और गरीबों की ही घर-गृहस्थी आती है। हम अपेक्षा करते हैं कि सुप्रीम कोर्ट इस अति संवेदनशील विषय पर स्पष्ट दिशा निर्देश जारी कर भाजपा सरकारों के इस लोकतंत्र विरोधी अभियान से नागरिकों की रक्षा करेगा। देश बाबा साहब के संविधान से चलेगा, सत्ता की चाबुक से नहीं।

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

उत्पाद सिपाही भर्ती की दौड़ में अपनी जान गंवा चुके ओरमांझी प्रखंड के जिराबर गांव निवासी अजय कुमार महतो जी के परिजनों से मुलाकात कर घटना की जानकारी ली। परिजनों के अनुसार अजय की मौत राज्य सरकार की लापरवाही से हुई है। सरकार की लापरवाही के कारण अजय का युवावस्था में ही इस दुनिया से चले जाना अत्यंत दुखद है। ईश्वर से दिवंगत आत्मा के शांति की प्रार्थना करता हूं। भारतीय जनता पार्टी, विपदा की इस घड़ी में अजय जी के परिवार के साथ खड़ी है।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

सुप्रीम कोर्ट ने माना, बाघ संरक्षण में हुए अच्छे कार्य

इसे आप एक संयोग ही मान सकते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुप्रीम कोर्ट की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कहते हैं, सुप्रीम कोर्ट ने सदैव राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा। सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है, यह भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की यात्रा है। इस यात्रा में संविधान निमार्ताओं और न्यायपालिका के अनक मनीषियों का महत्वपूर्ण योगदान है। इसमें उन करोड़ों देशवासियों का भी योगदान है, जिन्होंने हर परिस्थिति में न्यायपालिका पर अपना भरोसा अडिग रखा, इसलिए सुप्रीम कोर्ट के यह 75 वर्ष मदर ऑफ डेमोक्रेसी के गौरव को और बढ़ाते हैं। इसलिए इस अवसर पर गर्व और प्रेरणा है। एक तरफ पीएम मोदी का यह उद्बोधन भारत के संविधान के प्रति विश्वास और अपनी न्याय प्रणाली विशेषकर उच्चतम न्यायालय एवं अन्य न्यायालयों के प्रति विश्वास व्यक्त कर रहा था तो दूसरी ओर बहुत समय बाद यह देखने में आया कि न्यायालय ने केंद्र की भाजपा सरकार के पिछले 10 वर्षों से किए जा रहे प्रयासों एवं मध्यप्रदेश सरकार समेत बाघ संरक्षण के लिए कार्य कर रहे अन्य राज्यों के प्रयासों और सफलता के लिए खुलकर उनकी सराहना की है। कहना होगा कि विश्व के 75 प्रतिशत बाघ भारत में हैं। देश में बाघों की संख्या वर्ष 2014 में 2226 से बढ़कर अब 3682 हो गई है। इसमें मध्यप्रदेश, उत्तराखंड और महाराष्ट्र में बाघों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। बीच में जब बाघों की संख्या घट रही थी, तो यह न सिर्फ भारत के पर्यावरणविदों के लिए, बल्कि दुनिया भर में जैव विविधता के प्रेमी और वैज्ञानिकों के लिए भी चिंता का विषय बन गया था। उसके बाद जब 2014 में केंद्र में भाजपा की नरेंद्र मोदी सरकार आई, तब जिस तरह से विदेशी जैव वैज्ञानिकों के साथ भारत के वैज्ञानिकों ने मिलकर कार्य किया और वहीं राज्यों के स्तर पर जो कार्य वन विभागों के साथ मिलकर राज्यों के अन्य विभागों ने किया, यह उसी का परिणाम है, जो आज एक अच्छी-खासी संख्या में भारत में बाघों की संख्या बढ़ सकी है। प्रधानमंत्री जब यह बोल रहे थे कि आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है- विकसित भारत, नया भारत। नया भारत यानी- सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। तब निश्चित ही उनके इस कथन में सिर्फ देश की अर्थव्यवस्था, राजनीतिक तंत्र या प्रशासनिक व्यवस्था नहीं आती है। उसमें समग्रता से भारत का वह सभी कुछ समाहित हो जाता है, जिसके होने से भारत, भारत है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना और पीवी संजय कुमार की बैंच का धन्यवाद है कि उन्होंने केंद्र सरकार की सराहना करते हुए जैव विविधता की दृष्टि से बाघ संरक्षण, विकास और उनकी वृद्धि को अच्छा कार्य बताया है। इस राज्य में बाघ प्रदेश बनने के चार मुख्य कारण आज ध्यान में आते हैं। पहला गांवो का वैज्ञानिक विस्थापन। वर्ष 2010 से 2022 तक टाइगर रिजर्व में बसे छोटे-छोटे 200 गांवों को विस्थापित किया गया। सर्वाधिक 75 गांव सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से बाहर किए गए। दूसरा है ट्रांसलोकेशन। कान्हा के बारहसिंगा, बायसन और वाइल्ड बोर का ट्रांसलोकेशन कर दूसरे टाइगर रिजर्व में उन्हें बसाया गया। इससे बाघ के लिए भोजन आधार बढ़ा। तीसरा है हैबिटेट विकास। जंगल के बीच में जो गांव और खेत खाली हुए, वहां घास के मैदान और तालाब विकसित किए गए, जिससे शाकाहारी जानवरों की संख्या बढ़ी और बाघ के लिए आहार भी उपलब्ध हुआ। सुरक्षा व्यवस्था में अभूतपूर्व बदलाव हुआ। पन्ना टाइगर रिजर्व में ड्रोन से सर्वेक्षण और निगरानी रखी गई। वाइल्डलाइफ क्राइम कंट्रोल कर अवैध शिकार को पूरी तरह से रोका गया। क्राइम इन्वेस्टिगेशन और पेट्रोलिंग में तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाया गया।

लंबी उम्र के उपाय

सदियों से इंसानों की यह कोशिश रही है कि आयु को बढ़ने से कैसे रोक दिया जाए। आयु ही नहीं, बल्कि मृत्यु को भी टालने की तमन्ना आदि काल से बरकरार है। इसमें कोई शक नहीं है कि विगत एक सदी में इंसानों ने अपने जीवन को औसतन दोगुना लंबा कर लिया है। अभी भी अधिकतम 120 वर्ष की आयु तक लोग जीते पाए जाते हैं। उम्रदराज लोगों की संख्या दुनिया में बढ़ी है, पर चिकित्सकों के साथ ही अनेक वैज्ञानिकों की यह कोशिश भी जारी है कि आमतौर पर लोगों को जल्दी बूढ़ा होने से रोका जाए। बुढ़ापे को कैसे टाला जा सकता है, यह एक गहरे अध्ययन का विषय रहा है। हाल में जारी 'नेचर हिट्स द बुक्स' के नवीनतम एपिसोड में नोबेल विजेता वेंकी रामकृष्णन ने उम्र बढ़ने की अंतर्निहित आणविक प्रक्रियाओं पर गहराई से प्रकाश डाला है और बताया है कि दीघार्यु की तलाश में स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। ज्यादा जीने के साथ ही अच्छा जीना भी आज दिलचस्प विषय है। अच्छी जीवन शैली, साफ परिवेश, शुद्ध खान-पान और चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठाने की अनिवार्यता का बढ़ना तय है। विज्ञान पत्रिका ह्यनेचरह्ण में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, एआई की मदद से एक ऐसी मस्तिष्क घड़ी का निर्माण हुआ है, जो यह बता सकती है कि किसी व्यक्ति का मस्तिष्क उसकी आयु की तुलना में ज्यादा तेजी से बूढ़ा हो रहा है या नहीं। दरअसल, ज्यादा समय तक युवा रहने के लिए दिमाग का युवा रहना जरूरी है। यह खास घड़ी बताती है कि अधिक असमानता वाले देशों और लैटिन अमेरिकी मुल्कों में दिमाग तेजी से बूढ़ा होता है। इस शोध के प्रमुख लेखक और सैंटियागो में एडोल्फो इबनेज यूनिवर्सिटी के न्यूरोसाइंटिस्ट आगस्टिन इबनेज कहते हैं कि जिस तरह से आपका मस्तिष्क बूढ़ा होता है, वह सिर्फ वर्ष से संबंधित नहीं है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

The colours of our flag represent who we are

THE SGPC advisory to change the colour of the Nishan Sahib at gurdwaras from bhagwa (saffron) to basanti or surmai is an important step towards distinguishing Sikh identity. Religion, after all, defines a people; it provides them with an identity. It is not just a matter of personal or private belief. And it certainly is not about deep philosophies. Its public manifestations and shared signs and symbols help people form an identity for themselves. It identifies people as members of a group. At the same time, it also identifies those who do not belong to the group.

It was in this context that in Young India (April 14, 1921), Mahatma Gandhi proposed a national flag that had two colours: green and red. Green, explained Gandhi, was the colour of Muslims, and red was of Hindus. The green-and-red national flag represented an India that was made up of Muslims and Hindus — both sharing a flag.

Gandhi's design was akin to the flag of the UK. That flag sported three types of crosses. Each represented a Christian denomination, which, in turn, represented the lands that had come together to form the But Sikh leaders disabused Gandhi of his 'blindness' towards other religions in India. "Please incorporate the colour black to represent Sikhs since they are neither Hindu nor Muslim," they urged.After all, India was not a country of Hindus or Muslims alone but of hundreds of other dharma paramparas, too. Each had a distinct philosophy, rituals, visibly different sants, gurus and mentors. Gandhi's mother, Putlibai, was a follower of Prannath, a sant who came from a prosperous merchant family and advocated a dharma parampara that freely used components of Jainism, Vaishnavism and Christianity while asserting its independent identity.A later version of the flag for India that Gandhi made public included three stripes: red, white and green. White, in the middle, represented all other religious communities of India. Addressing Sikhs, Gandhi's article effectively said that they would simply have to adjust and accommodate with everyone else. You are 'needlessly agitated', Gandhi wrote. "To ask for special prominence is tantamount to a refusal to merge in the two numerically great communities," he stressed. Gandhi also conceded that the 'quarrel between Hindus and Mussalmans' was intractable, (but) that Sikhs had never had any difference with Hindus and that the Sikhs' "quarrel with the Mussalmans was of the same type as the Hindus."

Communal conflicts grew in the 1920s to such an extent that when Gandhi wrote a scathing report on the Kohat riots, Maulana Mohammed Ali — one of his closest friends — accused him of being communal. Consequently, Gandhi decided to abandon religion as the basis of the nation.

Such separation based on religion was used by the British to divide Indians, the Congress leadership would argue repeatedly. In 1928, the British Indian Army came out with the Handbook for the Indian Army: Sikhs, published for the instruction of officers who commanded the Sikh regiment. This handbook explained that Sikhs had fought the "political tyranny of the Mussalmans and the social tyranny of the Hindus." It also warned about colours: no bhagwa colour for Sikhs since that was the colour of Hindus. Bhagwa, the handbook explained, was the colour of renunciation. Sikhs did not renounce the world. Rather, they strived to protect dharma by taking up arms.The handbook noted that Sikhism had been on the wane in the 19th century. But then, it again started growing. The population of Sikhs went up from 17,06,165 in 1881 to 31,10,000 in 1921.It also warned that Sikhs had been prohibited by their religion from eating halal meat, from bowing to a Brahmin and from drinking the foot-wash (charanamrut) of anyone, god or king. Instead, they drank only amrit (literally 'divine nectar').

When Gandhi next wrote on the national flag for India, he suggested a tricolour with bhagwa, white and green stripes. These stood, respectively, for sacrifice, purity and sustenance, he said. The red for Hindus had been changed by Gandhi to bhagwa without any explanation, perhaps because by then, red had come to be associated with communists.

INS Arighaat will bolster India's deterrence capability

INS Arighaat and INS Arihant will enhance the robustness of India's strategic posture.

THE commissioning of India's second nuclear-powered ballistic missile submarine, the INS Arighaat, on August 29 at Visakhapatnam is a significant step in India's progression towards a credible second-strike deterrence capability.

he first SSBN (ship, submersible, ballistic, nuclear), the INS Arihant, was commissioned in 2016. It became fully operational in 2018 and India carried out its first successful submarine-launched ballistic missile (SLBM) test in 2022. The chronology is relevant to contextualise the arduous timelines, the complexity of achieving techno-strategic benchmarks and zero-error platform integration for an SSBN to become a credible platform in the deterrence calculus.

These two 'boats' — as submarines are referred to — will enhance the robustness of India's strategic posture. India became a nuclear weapon power in May 1998 when PM Atal Bihari Vajpayee boldly authorised the 'Shakti' tests and soon adopted a no-first-use (NFU) policy as its nuclear doctrine.

The efficacy of effective deterrence and the NFU policy is predicated on a credible second-strike capability, meaning that the nation must acquire the ability to first deter a potential adversary from embarking on an apocalyptic nuclear weapon path. This calls for prudent signalling regarding WMD (weapons of mass destruction) competence, as in the ability to deliver nuclear ordnance in an appropriate manner and the national resolve to take this ultimate step if deterrence fails.To make deterrence more robust, the Cold War experience is instructive. The US used atomic weapons in Hiroshima-Nagasaki (1945) and the USSR soon joined the nuclear club. These two superpowers amassed WMD missiles in a frenzied manner and took the world to the brink of a nuclear war during the 1962 Cuban Missile Crisis. This scary experience compelled both nations to work towards stable deterrence models and this was arrived at by way of the techno-strategic options provided by a nuclear-propelled submarine carrying nuclear-tipped ballistic missiles — the SSBN.In summary, because of its intrinsic stealth features, a nuclear-propelled submarine can remain submerged for extended periods and is relatively undetectable. Hence, it is the ideal platform to carry the 'second strike' capability by way of long-range, nuclear-tipped ballistic missiles.The core function of the SSBN is to ensure peace through deterrence — not to engage in sabre-rattling or war-fighting — and this was the essence of what Rajnath Singh highlighted at the Arighaat commissioning, when he noted that the SSBN would "establish strategic balance and peace in the region and play a decisive role in the country's security".India began its nuclear-propelled submarine programme in 1984 when Vice-Admiral MK (Miki) Roy was appointed the first DG of what was then called the ATV (advanced technology vessel) project. This was a top-secret mission and then PM Indira Gandhi had accorded this project the appropriate degree of national priority and support.

India was placed under US-led technological sanctions after the 1974 peaceful nuclear explosion (PNE) and this was a period when Delhi could not import as much as a screwdriver! And for a country that lacked an advanced domestic industrial ecosystem and did not design and manufacture even a scooter or a car, India embarked upon what many critics thought was a leap of madness. It decided to design its own nuclear reactor and build its own submarine and — hold your breath — this would be an SSBN.While all nations that acquired SSBNs before India (the US, former USSR, now Russia, the UK, France and China) first built conventional boats with diesel-electric propulsion, then moved up the ladder to design nuclear-propelled boats (SSN) and then, finally, mated the ballistic missile with nuclear warheads, thereby making the platform a potent SSBN. India plunged into the SSBN quest in the first instance, albeit with valuable help from Moscow. This was audacious.

The success of the Indian SSBN programme must be assessed against this geopolitical and techno-strategic framework and, hence, the long gestation from 1984 to 2024 for India to acquire its second SSBN. The technical characteristics of the Arighaat are similar to the Arihant: powered by an 83-MW pressurised light-water nuclear reactor and displacing 6,000 tonnes, the boat can attain a maximum speed of 12-15 knots (22-28 km/h) on the surface and up to 24 knots (44 km/h) when submerged. It is currently armed with missiles of 750 km and the boats are also designed to carry a longer range 3,500-km missile, the K-4.

Acquiring an appropriate level of nuclear deterrence that is effective, sustainable and affordable is an onerous responsibility for the higher defence management of the nation — the CCS (Cabinet Committee on Security) headed by the PM. This is even more so for India that is committed to the NFU policy and is located in a difficult strategic geography. The China-Pakistan-North Korea WMD proliferation triangle goes back to the 1980s. This opaque partnership can pose complex security challenges in this decade.India's entire nuclear capability, posture and long-term profile have to be reviewed periodically and necessary funding be made available. Acquiring more platforms and honing the efficacy of the first two boats so as to build on the currently modest SSBN capability is a first step.he underwater domain will be a contested arena to maintain peace in the uneasy Indo-Pacific. Delhi will have to be proactive to be able to 'deter' potential nuclear adversaries without fear of escalation. The SSBN is the most effective option in the national quiver and India will have to be cognisant of this abiding imperative.

Acclaimed US nuclear theorist Thomas Schelling offered sage counsel to security planners: "An early strategist's metaphor that nuclear planners are like homebuilders remains true today. A wise architect does not design only for benign environments, but for the worst weather conditions one can reasonably anticipate. We have to consistently maintain a 'building code' for our strategic forces to ensure they can weather the most stressing scenarios we can reasonably postulate." Prudent advice for South Block.

Haryana poll twist

Battling anti-incumbency, BJP buys time

THE Election Commission of India's (ECI) decision to change the polling date for the Haryana Assembly elections from October 1 to October 5 has been predictably welcomed by the ruling BJP and slammed by the main Opposition party, the Congress. Apparently fearing a lower voter turnout due to holidays before and after the original voting day, the BJP and the Indian National Lok Dal — an Opposition party whose very survival is at stake — had sought postponement; the Bishnoi community joined the chorus, citing the annual festival in Rajasthan in memory of its founder, Guru Jambheshwar. It's no surprise that the Congress and the BJP are at odds on the issue, but that was not the case when they demanded the deferment of the 2022 Punjab Assembly elections in view of Guru Ravidas Jayanti. The ECI had done the needful, but both parties were blown away by the AAP storm.The BJP, which has ruled Haryana for the past decade, is desperately looking to blunt the impact of anti-incumbency. Seeking the postponement of the polls can be seen as a ploy to buy time and possibly upset the calculations of its rivals, particularly a resurgent Congress. The grand old party won five Lok Sabha seats in the state in the recent polls after having drawn a blank in 2019, when the rampaging BJP swept all 10 seats. The saffron party's decision to replace Manohar Lal Khattar with Nayab Singh Saini as the CM earlier this year was seemingly a last-ditch attempt to stem the tide of falling popularity.

Four extra days of campaigning could prove crucial, especially if the poll battle goes down to the wire. A potentially higher turnout, no matter which party gains from it, is undoubtedly good for democracy. The ECI, however, owes the voter an explanation for not having done adequate groundwork before finalising the poll date in the first place.

Political tussle over Kolkata horror

The West Bengal Government should learn lessons from the state's turbulent history

AUGUST 20 was an embarrassing day for the government of West Bengal, which is a part of "India, that is Bharat… a Union of States". It was almost a 'knockout' blow by the Supreme Court, which suo motu (on its own accord/motion) took up the case of the rape-murder of a trainee doctor in a state-run hospital on August 9. The court chided the state for its acts of omission and commission.Understandably, the Mother Goddess-worshipping Bengalis, true to their spirited tradition of fighting (like their Punjabi brethren) against British injustice and excesses, burst onto the streets against the state government, and sought justice for the victim, thereby showing the whole of India how to democratically and peacefully confront the establishment over a heinous crime committed on its watch.Thus, while Bengal showed India the art of fighting the establishment for the sake of justice, the Supreme Court endorsed it and took a cue from it. In an unprecedented three-judge Bench order, the apex court sternly emphasised "safety and security of all medical professionals" as "an issue of high national priority" and ordered the state government not to "unleash power of the state on peaceful protesters".The first round goes to the role played by the judiciary as the Bengal state machinery fared poorly. Consequently, as it so often happens in Indian polity, the brutal crime prompted the state government's political opponents to demand the imposition of President's rule in Bengal under Article 356 of the Constitution. Today, the clamour for justice for the victim has grown into a vociferous demand from the rival quarter for the resignation of Chief Minister Mamata Banerjee. The crime scene has turned into a political hotbed for a blame game and one-upmanship.Article 356 is about "provisions in case of failure of constitutional machinery in States" wherein "if the President, on receipt of report from the Governor of the State or otherwise, is satisfied… that the government of the State cannot be carried on in accordance with provisions of this Constitution, the President may by proclamation… assume to himself/herself all or any…. functions of the Government of the State".It's a sort of an internal 'emergency' power of the federal executive to suspend or override the legislature of the state, even if temporarily. Nevertheless, despite it being an 'emergency' power, it has been applied 134 times from 1950 to 2024, thereby giving the impression of its abuse and misuse by the federal government to target political rivals.BR Ambedkar, the father of the Constitution, was prescient to emphatically express that the scope of the Article would be confined to the sense of "breakdown of the constitutional machinery" and that this was an exceptional provision which should be applied "only in the last resort" (Ninth Constituent Assembly Debate).

Nevertheless, the supercharged reaction of the people of Bengal to the rape-murder criminal law case has the makings of being a catalyst to turn it into a constitutional law case owing to the political rivalry and bitterness between the Central and state actors. Even the Chief Justice of India was constrained to openly advise rival litigants "not to politicise" the rape-murder case.Be that as it may, Article 356 is too complex a provision to have a practical application wherein there is neither any imminent threat of external aggression nor mass internal disturbance. Nevertheless, the rape-murder case is being cited to seek the CM's removal and the government's dismissal under constitutional law. But that's easier said than done.Article 356 revolves around the "report from the Governor". However, the reports of Governors in 134 cases during the past 74 years and the consequential actions of the federal government could have been done in a better way for the development of a healthier and strong democratic tradition.That's not all. More important is the fact that Article 356 must be read with other relevant and connected articles — Article 256 (Obligations of States and Union), 257 (Control of Union over States in certain cases), 355 (Duty of Union to protect States) and 357 (Exercise of legislative powers under Proclamation issued under Article 356). Although there are several Supreme Court judgments on Article 356, the Bommai case of March 1994 stands out to stop its rampant 'misuse' to provide a salutary check on executive power, entrenching parliamentary supremacy over the executive.

Hence, though Bengal is likely to escape Article 356 today, its establishment ought to avoid past lapses which ruined its reputation. Burdwan's Sai brothers were lynched by a mob in front of communist leaders, district magistrate and the Superintendent of Police on March 17, 1970. IPS officer Vinod Mehta was lynched in the Calcutta port on the watch of then Chief Minister Jyoti Basu on March 18, 1984. Basu was again the CM when then Opposition leader Mamata Banerjee was attacked by two communist henchmen in front of thousands in Kolkata's Hazra Park on August 16, 1990. The incumbent Health/Home Minister of the state can do better than what has so far been done or undone. CM Mamata has surely seen it all.

Sensex Opens Higher, Nifty Below 25,300; HAL Gains 3%, Airtel Sheds 2%

New Delhi, Indian benchmark indices BSE Sensex and Nifty 50 opened marginally higher on Tuesday, driven by mixed signals from Asian markets.At opening bell, the BSE Sensex was at 82,652.69, up by 0.11 per cent, while the Nifty 50 was up by 0.14 per cent at 25,313. Going forward, it is advisable to take a pragmatic approach and refrain from getting carried away by the Nifty's winning streak. Maintaining exclusivity while stock selection and staying light on positions is recommended. Furthermore, closely monitoring the global markets, which have significantly impacted our market's initial tone, is essential, said Osho Krishan, Senior Analyst – Technical & Derivatives, Angel One.

Global CuesShare markets around the world fell slightly on Monday as investors braced for a data-packed week culminating in a US jobs report that could decide whether a rate cut expected this month will be regular or super-sized.Survey data released on Saturday showed Chinese manufacturing activity sank to a six-month low in August, and data on Monday showed euro zone factories are also still struggling.Wins for the populist parties in German state elections added a fresh layer of political uncertainty in European markets, while a holiday in the United States and Canada made for thin liquidity.Europe's STOXX 600 index fell 0.21 per cent, after hitting a record high on Friday. Germany's DAX and Britain's FTSE 100 were down 0.1 per cent and 0.2 per cent, respectively.

Chinese stocks lost 1.7 per cent, led by losses in real estate after a survey showed home prices growth had slowed.Futures for the US S&P 500 index were down 0.1 per cent, while those for the tech-laden Nasdaq 100 were flat.That apart, Asia-Pacific markets were mostly higher on Tuesday as investors digested South Korea's inflation numbers for August that were at its lowest on a year-on-year (YoY) basis since March 2021.

The country's consumer price index recorded a 2 per cent rise YoY, coming down from July's 2.6 per cent, and in line with expectations from a Reuters poll of economists.

World Bank raises India's FY25 GDP forecast to 7% from 6.6%

New Delhi. The World Bank has revised its growth forecast for India, upgrading it to 7% for the financial year 2024-25, up from its earlier estimate of 6.6%.The adjustment reflects the strong performance of the Indian economy, which was the fastest-growing major economy in FY24 with an 8.2% growth rate.

"India was the fastest growing economy in FY24 at 8.2%, and now it's growing at a good pace," remarked Auguste Tano Kouame, the World Bank's Country Director for India. He also noted that global growth remains subdued compared to pre-pandemic levels.Looking ahead, the World Bank expects India's medium-term outlook to remain positive, with strong growth projected for FY26 and FY27. Kouame highlighted the importance of diversifying India's export basket and leveraging global value chains to achieve $1 trillion in merchandise exports by 2030.

"India needs to diversify its export basket and leverage global value chains to reach $1 trillion in merchandise exports by 2030," Kouame stated.The World Bank also projects a gradual decline in India's debt-to-GDP ratio, from 83.9% in FY24 to 82% by FY27. Meanwhile, the current account deficit is expected to stay within the range of 1-1.6% of GDP up to FY27.Kouame highlighted India's proactive stance on free trade agreements as a key factor in its economic resilience. "India has had a proactive approach to free trade agreements," he said.

He further added, "India's robust growth prospects along with declining inflation will help to reduce extreme poverty. India can boost its growth further by harnessing its global trade potential. In addition to IT, business services, and pharma where it excels, India can diversify its export basket with increased exports in textiles, apparel, footwear, electronics, and green technology."The World Bank's updated forecast signals strong confidence in India's economic trajectory, driven by strategic policy initiatives and a focus on expanding trade and exports.

Gold, silver price : Precious metals witness dip on MCX

New Delhi Both gold and silver prices recorded a dip on the Multi Commodity Exchange (MCX) on Tuesday, September 3, 2024.Gold futures, maturing on October 4, 2024, stood at Rs 71,512 per 10 grams on the MCX, after recording a dip of Rs 89 or 0.12 per cent. The previous close was recorded at Rs 71,601.Similarly, silver futures, maturing on December 5, 2024, witnessed a dip of Rs 264 or 0.31 per cent and were retailing at Rs 84,290 per kg on the MCX against the previous close of Rs 84,554.The gold and silver prices in India depend on several factors, including the value of the rupee against the dollar. Global demand also plays a key role in determining the trends observed in the rate of precious metals.

GOLD, SILVER PRICES IN INTERNATIONAL MARKET

Gold prices drifted lower on Tuesday, while investors awaited a slew of U.S. economic data to gauge the size of the Federal Reserve's expected interest rate cut this month, news agency Reuters reported.According to the latest metal report, spot gold fell 0.2 per cent to $2,494.19 per ounce by 0155 GMT, while, U.S. gold futures fell 0.1 per cent to $2,526.10.

HAL Share Jumps 5% As Cabinet Approves Aero-Engines Procurement Worth Rs 26,000 Crore

HAL stock in focus as the company secures a Rs 26,000 crore deal to supply 240 aero-engines for the IAF's Su-30MKI aircraft; Key points for investors

New Delhi. Hindustan Aeronautics Ltd (HAL) share price opened over 5% higher on Tuesday after the union cabinet committee approved procurement of 240 aero-engines for Su-30 MKI aircraft worth Rs 26,000 crore from the company.The delivery of these aero-engines will begin after one year and be completed over eight years. The engines will feature over 54 per cent Indigenous content, increased through the indigenisation of key components. They will be manufactured at HAL's Koraput division.HAL shares jumped as much as 5.09 per cent to Rs 4,925.00 apiece at the open on the BSE.

This will lead to strong revenue visibility of 3.8 times its trailing 12-month revenue, Antique Stock Broking said in its latest note."HAL's strong order pipeline from the medium to long term perspective will help the company build strong revenue visibility. Although near term financials may seem a bit volatile on account of supply chain challenges it has been facing to execute the large Tejas MK I A orders, given the multi-year double-digit earnings growth potential and robust return ratio profile of 20 per cent, we believe that the stock is attractively valued and, thus, retain BUY rating with a target price of Rs 6,145 valuing the company at a PE of 45 times 1HFY27E earnings," Antique said.Analysts were recently concerned over delays in the delivery of LCA Tejas Mk1A aircraft due to supply chain issues at GE Aerospace. The HAL management expects FY25 revenue to grow at 13 per cent YoY on a rise in manufacturing sales, as it sees delivery of Tejas Mk 1A from September quarter onwards. They did not see upward revision in FY25 revenue due to concerns revolving around the supply chain for the largest contract in the backlog.

"HAL's order book at the end of FY24 stood at Rs 94,000 crore providing revenue visibility of 3.2 times its TTM revenue. The order book will be further bolstered by Rs 26,000 crore order for 240 aero engines of Su-30 MKI aircraft and would stand at Rs 1.2 lakh crore, delivery of which should begin from FY26 onwards. Incrementally, the order pipeline looks extremely healthy with orders worth Rs 48,000 crore for ALH (25), LUH (12), Su-30 (12), and RD-33 engines (80) being in advanced stages of finalisation and are expected to materialise in the near term," Antique said.Subsequently, an order worth Rs 18,000 crore is expected to materialise on the RoH front. Even the long-term order pipeline continues to remain robust with projects like Tejas MK II, AMCA, TEDBF, IMRH, LCH, and ALH is expected to provide HAL with a business opportunity of Rs 4.5 lakh crore over the next decade.

Antique said the challenges on the GE 404 engine supply front may persist for a large part of FY25 and HAL's commitment to deliver 19 Tejas MK I A aircrafts in FY25 is expected to face moderation.Industry expert suggests that FY25 might see the delivery of eight Tejas MK I A aircrafts with a few of them being delivered with CAT B engines and the expectation is that GE might start delivery of two engines every month from Dec 2024 (the earlier expectation was for Sep 2024). This could impact FY25 revenue booking to mid-high single digit as against its guidance of 15 per cent for FY25," it said.

PSU Stocks Rally Losing Grip Due to Weak Profitability, Higher Expenses; Time To Rejig Portfolio

New Delhi. After chartbuster performance in recent months, PSU stocks are now tumbling across the board due to concerns about overvaluation, slowing earnings growth, and mandatory dividend payouts.In the last year, PSU stocks have witnessed a sharp rally riding on bullish sentiments and monopoly business.The BSE PSU index gained over 90 per cent in the last one year, while select top-performing PSU stocks have more than doubled, according to ACE data.

However, the BSE PSU index dipped 837 points to 21,977 in August points against 22,814 logged in the previous month.Some of the stocks that plunged last month include Cochin Shipyard (-30 per cent), Garden Reach Shipbuilders and Engineers (-26 per cent), Mazagon Dock (-21 per cent), BEML (-19 per cent), and Engineers India (-18 per cent).

In an exclusive chat with News18.com, Narendra Solanki, Head Fundamental Research—Investment Services, Anand Rathi Shares, and Stock Brokers, he explained that after delighting retail by doubling money every few months, the multi-billion dollar rally in PSU stocks is finally taking a break.Q1) Has the dream run for PSU stocks come to an end? Should investors rejig their portfolios?

Answer—Over the past year, PSU stocks (Defence, Power, Capital Goods, Infra, and Railways stocks) have witnessed an exceptional rally, which was led by productive capital expenditure, targeted government initiatives, and improved operational efficiencies. These have resulted in decent topline growth and significant bottom-line accretion in the past few years.

As a result, the markets have re-rated the PSE segment with higher P/E multiples leading to a spectacular run-up in share prices.However, in the latest quarter, some stocks in these themes saw some dip due to weak profitability on a sequential basis due to some macro headwinds and higher expenses, also the elections played spoilsport impacting execution.We believe that despite short-term challenges the broader theme remains intact in the long term, but valuations are not at comfortable levels right now as were in the past, and a lot of stocks in this pack have some form of cyclicity. Hence, I believe PSEs as a basket is not attractive/ cheap right now but some stocks are more attractive than others and that's a stock-specific call one should take while evaluating PSEs.I believe the trajectory is positive for the PSEs going ahead and it could continue to attract investors due to the growth opportunity. One should evaluate stocks independently and consider them for their long-term investment.

Premier Energies shares turn multibagger on debut. What investors need to know

New Delhi. Premier Energies made a remarkable debut on the stock market, with shares skyrocketing 120% over the IPO price, listing at Rs 990 per share.The second-largest integrated solar cell and module manufacturer in India has quickly captured investors' attention, and retail investors are eager to understand the implications.Premier Energies' listing exceeded expectations, with Prashanth Tapse, Senior VP (Research) at Mehta Equities Ltd, saying, "As expected with strong subscription response, the listing was in line with our assumption considering reasonable valuations before listing."The company's ability to capitalise on the booming renewable energy market played a significant role in this impressive performance, he added. Here are some key insights for retail investors:Valuation stretched after multibagger listingDespite the strong start, experts have advised retail investors to remain cautious, citing stretched valuations after the multibagger listing."Post listing, considering the 120% listing gain, the valuation front has moved from reasonably valued to stretched valuations,' Tapse said."This shift has led to recommendations for conservative investors to book profits. However, Tapse added, "Risk takers can continue holding for the long term as the sector outlook remains optimistic," he noted.

Long-term potential

Shivani Nyati, Head of Wealth at Swastika Investmart Ltd, highlighted Premier Energies' strategic advantages: "The company's diversified customer base, robust order book, and recent surge in profitability have contributed to this positive sentiment."Nyati also highlighted that the company's alignment with government initiatives promoting domestic solar production, which bodes well for long-term growth.

Book profit or hold?

For those who participated in the IPO, Nyati suggests a cautious approach: "Investors who participated in the IPO may book profit, but those who still want to hold it may keep a stop loss at Rs 890." This advice is crucial for retail investors navigating the volatile post-listing market.What's next?As Premier Energies continues to expand its manufacturing capabilities and strengthen its market position, the company's future looks promising. Tapse concluded, "Given the company's leadership position, we believe the market could give a premium multiple in the long run."

Bajaj Housing Finance IPO Price Band Fixed At Rs 66-70, to Open Next Week: All You Need to Know

New Delhi. Bajaj Housing Finance on Thursday fixed the price band of its much-awaited IPO at Rs 66-70 per share. The Rs 6,560-crore initial public offering will be opened on September 9, and will conclude on September 11. The bidding for anchor investors will open for a day on September 6.

Bajaj Housing Finance: Key Dates

The Bajaj Housing Finance IPO will remain open for public subscription between September 9 and September 11. The share allotment will take place on September 12, while its listing is scheduled to take place on September 16. The anchor investors will bid on September 6.

Bajaj Housing Finance IPO Size, Quota

The proposed IPO comprises a fresh issue of equity shares of up to Rs 3,560 crore and an offer for sale (OFS) of equity shares to the tune of Rs 3,000 crore by parent Bajaj Finance.A total of 50 per cent of the issue is reserved for qualified institutional buyers (QIB), 35 per cent for retail investors, and 15 per cent for non-institutional investors.Bajaj Housing Finance IPO: GMP

According to market observers, unlisted shares of Bajaj Housing Finance Ltd are trading Rs 55 higher in the grey market than its issue price. The Rs 55 grey market premium or GMP means the grey market is expecting a 79.29 per cent listing gain from the public issue. The GMP is based on market sentiments and keeps changing.

'Grey market premium' indicates investors' readiness to pay more than the issue price.

Bajaj Housing Finance IPO: More Details

The share sale is being conducted to comply with the Reserve Bank of India's (RBI's) regulations, which require upper layer non-banking financial companies (NBFCs) to be listed on the stock exchanges by September 2025.

Proceeds from the fresh issue will be used to augment the company's capital base to meet future capital requirements.Bajaj Housing Finance is a non-deposit taking housing finance company registered with the National Housing Bank since September 2015. It offers financial solutions for purchasing and renovating residential and commercial properties.It has been identified and categorised as an "upper layer" NBFC by the RBI in India and its comprehensive mortgage products include home loans, loans against property, lease rental discounting and developer financing.

For the entire 2023-24, the housing lender posted a net profit of Rs 1,731 crore, marking a growth of 38 per cent from Rs 1,258 crore in FY23.

Aadhar Housing Finance and India Shelter Finance are two housing finance companies that have listed on the stock exchanges in recent months.

Can Reko Diq's gold mine end Pakistan's economic crisis

Reko Diq is one of the world's largest undeveloped copper and gold reserves, with the potential to produce 200,000 tons of copper and 250,000 ounces of gold annually for over half a century.

New Delhi Pakistan has been grappling with a severe economic crisis for quite some time, and despite financial aid from the International Monetary Fund (IMF) and friendly nations, the situation remains dire.However, the country holds a potential lifeline in its hands—a vast treasure buried in the gold mines of Balochistan, particularly the Reko Diq mine.The government is now considering selling a 15% stake in this mine to Saudi Arabia, which could provide much-needed relief to the struggling economy.According to a recent report by The Express Tribune, Saudi Arabia's Public Investment Fund (PIF) has expressed interest in purchasing a 15% stake in the Reko Diq Mining Project.In addition to this, the fund has proposed grants for infrastructure development around the mining sector, aimed at boosting the overall economic landscape of Pakistan.Government officials have disclosed that in response to Saudi Arabia's proposal, Pakistan has decided to form a committee to review the offer.This committee will provide recommendations to the federal cabinet, which will then decide on the final negotiated price. It's important to note that 50% of the Reko Diq Mining Project is owned by Barrick Gold, while the remaining 50% is divided between the governments of Pakistan and Balochistan.

Potential economic relief for Pakistan

In the face of Pakistan's fragile economic state, the country's gold and copper mines could serve as a crucial resource to help ease the crisis. Reko Diq, located in the Chagai district of Balochistan, is reported to be rich with millions of tons of gold.

Harnessing this resource could alleviate Pakistan's economic challenges. Reko Diq is one of the largest gold and copper mines globally, making it a critical asset for the nation.Balochistan is known for its wealth of natural resources, with its mines holding substantial reserves of gold and copper. Reports indicate that when the Reko Diq mine was first excavated in 1995, 200 kilograms of gold and 1,700 tons of copper were extracted within the first four months alone. Experts at that time estimated that the mine could hold around 400 million tons of gold, valued at over $1 trillion.An old report from Bloomberg highlighted that Reko Diq is one of the world's largest undeveloped copper and gold reserves, with the potential to produce 200,000 tons of copper and 250,000 ounces of gold annually for over half a century. However, progress on the mining project was stalled due to a dispute between the Pakistani government, Barrick Gold, and Antofagasta PLC.

Pakistan's debt equals 42% of GDP

Pakistan's economic troubles have forced it to borrow billions of rupees from various sources globally, pushing its foreign debt to staggering levels.According to a report by Business Today, the country's foreign debt stands at $124.5 billion, which is equivalent to 42% of its GDP. While financial aid from the IMF has provided some relief, it has been insufficient to bring about significant improvement in the country's overall economic condition.In April this year, Pakistan received more than Rs 9,000 crore in economic assistance from the IMF, which helped increase its foreign exchange reserves to Rs 1.20 lakh crore by May. Despite this, the government acknowledges that selling off state-owned assets may be one of the few remaining options to stabilise the economy.

Egg on face: BJP on ICICI's response to Congress claims on Sebi chief's salary

The fresh flashpoint between the BJP and Congress comes after the latter accused the SEBI chairperson of holding an office of profit at ICICI Bank.

- Congress accuses SEBI chief of holding an office of profit at ICICI Bank
- ICICI denies paying salary to Madhabi Puri Buch after retirement
- Congress calls response 'wishywashy', BJP hits back

New Delhi. The BJP said the Congress ended up with "egg on its face" after the ICICI Bank denied paying any salary or granting any ESOPs (Employee Stock Ownership Plans) to SEBI chairperson Madhabi Puri Buch after her retirement from the bank, other than her retiral benefits.

The fresh flashpoint between the BJP and Congress comes after the latter accused the SEBI chairperson of "holding an office of profit at ICICI Bank", and receiving an income of Rs 16.80 crore between 2017 and 2024 after she became a full-time member of the market regulator in 2017. Calling it Congress's attempt to "peddle a bogus agenda", BJP's IT cell chief Amit Malviya said, "Congress picks it up from where Hindenburg Research left, targets the SEBI chief, ends up with egg on its face."The Congress called the ICICI Bank response "wishywashy" and said a full counter would be given on Tuesday at 2 pm. The BJP's Malviya was quick to hit back, asking the Congress if it had not received any help from associates at Hindenburg. "Rather strange. Congress had a press statement out on the long and concocted Hindenburg Research report, almost immediately, that too around midnight. But 9.27pm is a late hour for a statement on ICICI Bank's rather small note? No help from the Associates at Hindenburg this time?" Malviya tweeted.

Last month, the US-based short seller Hindenburg Research kicked up a storm after alleging that SEBI's unwillingness to act against the Adani Group might be because Madhabi Buch had stakes in offshore funds linked to the conglomerate. Buch had termed the allegations "baseless".

The Congress has demanded the resignation of the SEBI chairperson and sought a response from Prime Minister Narendra Modi as he was the head of the Appointments Committee of the Cabinet. The party said the Supreme Court should also take cognisance of these fresh revelations.

"The non-biological PM, who has been complicit in providing cover to the SEBI chairperson through his silence, must come clean and answer the following questions -- What is the fit and proper criteria for appointment of heads of regulatory bodies?" Congress's Jairam Ramesh tweeted. "Has the Appointments Committee of the Cabinet (ACC), headed by the Prime Minister, gone through these shocking facts about the SEBI chairperson or is the ACC completely outsourced to the PMO," he asked.

9 Naxals killed in encounter with security forces in Chhattisgarh

Raipur. At least nine Naxalites were killed in an encounter with security personnel in Dantewada in Chhattisgarh on Tuesday. Based on intelligence about the presence of Naxalites on the border of Dantewada and Bijapur districts, a police party conducted a search operation in the area.

During the search operation, at around 10.30 am, an encounter broke out between the security personnel and the Naxalites from People's Liberation Guerrilla Army (PLGA) company No 2. Their bodies were recovered from the spot along with several weapons, including Self Loading Rifle 303 and 12 Bore guns.

The operation is still on and occasional firing is going on in the area. No security personnel have been injured in the encounter so far.Last week, three villagers were killed by Naxalites in Chhattisgarh's Bijapur district in separate incidents over suspicion of being 'police informers'.Union Home Minister Amit Shah's recently visited Chhattisgarh, where he discussed anti-Naxal strategies with the Directors General of Police from seven states.

Did Biren Singh speak too soon and invite Manipur storm?

New Delhi. In the early hours of Sunday (September 1), when 31-year-old Ningthoujam Surbala and her 12-year-old daughter were visiting Manipur's Koutruk Ching Leikai village, bombs dropped from the skies. In something never seen before in Manipur, militants used drones to drop bombs. Then a group of armed Kuki militants carrying snipers, rifles and RPGs opened fire on the Meitei village. As villagers scrambled to safety, Surbala was caught in the crossfire. She was fatally shot in the head. Her daughter was injured, along with 17 others, while another person was also killed. The unprecedented attack by snipers, bombs, RPGs, snipers and most importantly drones on the village shattered a brief period of calm in Manipur, a state already entangled in years-long ethnic clashes and violence.

A day later on Monday, a 23-year-old woman was injured after suspected militants launched a fresh bomb attack using a drone in Manipur's Imphal West district, not too far from where Surbala was killed.

The northeastern state now finds itself at the centre of a renewed storm that has so far claimed more than 230 lives. The cycle of violence began on May 3, 2023, fuelled by centuries-old Metei-Kuki divide.

The brutal attack in September came just days after Manipur Chief Minister N Biren Singh expressed optimism that ethnic clashes were subsiding and that permanent peace could be achieved within six months. However, the timing of the attack following Singh's statement has led some to question whether his optimism was premature and his statement might have triggered the fresh round of violence.

YouTuber Rajat Dalal surrenders before police in reckless driving incident

New Delhi. YouTuber Rajat Dalal surrendered at the Sarai Khawaja Police station in Faridabad on Monday in connection with a reckless driving incident.

Dalal was booked by the Sarai Khawaja police for rash driving on Mathura road in Faridabad, a video of which went viral on social media on August 30.

In the video, Dalal can be seen riding the car at high speed and even hits a biker. However, when the woman sitting beside him tells him to check on the biker, he said, "it happens every day". A person sitting in the backseat recorded the video.

The police took immediate cognisance of the matter and after preliminary investigation, contacted Kartik Chhabra, the person who made the video, news agency PTI reported.

Following an investigation, the police found that the incident happened on February 25, when Dalal had taken a car for a test-drive from Volkswagen Capital Faridabad Showroom in Sector 27 in Mewla Maharajpur. He then drove the vehicle on the national highway.Dalal was booked under multiple sections of the Indian Penal Code for reckless driving on August 30, and he surrendered on Monday.Further action will be taken after Dalal's interrogation, police said. Notably, there are two pending cases against Rajat Dalal, which were registered in Gujarat.

Anti-rape bill: Trinamool, BJP put ball in each other's court for President nod

Kolkata. The passage of the anti-rape bill in the West Bengal Assembly amid an outrage over the rape and murder of a trainee doctor saw the ruling Trinamool Congress and the opposition BJP lobbing the ball in each other's court for its speedy implementation.

The Aparajita Woman and Child Bill (West Bengal Criminal Laws and Amendment) Bill, 2024, was passed unanimously after the opposition backed the legislation. The bill proposes the death penalty for rape convicts if their actions lead to the victim's death or leave her in a vegetative state.

However, since criminal law comes under the Concurrent List, the legislation will require assent from the President. Mamata Banerjee was well aware of this aspect when she asked Leader of the Opposition Suvendu Adhikari to get the Bengal Governor to sign the legislation expeditiously."To implement the bill, ask the Governor to sign it. Our state is in the third position in the matter of fast-track courts," the Trinamool chief said after Suvendu Adhikari backed the bill.

In his speech, Adhikari, once Mamata Banerjee's protégé, said it was the state government's responsibility to get the legislation implemented. The Nandigram MLA said he was always in favour of exemplary punishment for rapists. "We want immediate implementation of this (anti-rape) law. It is your (state government) responsibility. We want results. It is the government's responsibility," Adhikari said. "We do not want any division, we fully support you... she (Mamata) can say whatever she wants, but you have to guarantee that this bill will be implemented immediately," the BJP leader further said in the Assembly.However, as per Article 254(2), the legislation will first have to be approved by Bengal Governor CV Ananda Bose before being sent to the President for approval as it contradicts the central laws. If the bill receives assent, the law will prevail in that state, even if it is different from the central law.

Fake Rs 100-notes racket busted at UP madrasa, principal, 3 others arrested

A gang involved in printing high-quality fake Rs 100 notes was busted at a madrasa in Prayagraj, Uttar Pradesh.

New Delhi/Prayagraj. A gang involved in printing high-quality fake currency notes was busted in Prayagraj, Uttar Pradesh. The operation was being run out of a madrasa in the Attarsuiya area, and four people, including the acting principal of the madrasa, have been arrested.

Police raided the Jamia Habibiya madrasa on August 28 and seized fake notes worth Rs 1.3 lakh, semi-manufactured currency, a printer, and other materials used for counterfeiting.

The accused, identified as Mohammad Tafseerul Arifin (25), Mohammad Afzal, Mohammad Shahid, and Zahir Khan alias Abdul Zahir, were involved in scanning and printing fake 100-rupee notes. These notes were then circulated in the local market. Exclusive visuals obtained by Aaj Tak/India Today show the police raid on Jamia Habibiya madrasa. Bundles of 100-rupee fake notes, seemingly indistinguishable from genuine currency, were strewn around. The printer used to produce the counterfeit notes can also be seen.

The accused were using high-quality scanners and printers to produce fake currency notes in the denomination of Rs 100, as people often do not carefully check the authenticity of smaller bills.

According to a senior police official, the acting principal, Tafseerul, had provided a room in the madrasa for the gang to operate. Police are now searching for other accomplices involved in the racket.

The madrasa was known to attract students from various states, including West Bengal, Orissa, Bihar, and Jharkhand. Tafseerul is a native of Odisha's Bhadrak district. A reward of Rs 25,000 was announced for the police team that busted the counterfeit note-making gang.

In IC 814 Kandahar hijack, the mystery of black briefcase and two red bags

Though much has been written about the hijacking of Indian Airlines flight IC 814, there are several aspects of the 1999 Kandahar hijack that remain shrouded in mystery, especially the two red bags and a black briefcase that played a crucial role in the incident. What were in the briefcase and the bags?

Some mysteries, most likely, are meant to remain mysteries. Not all questions surrounding the 1999 Indian Airlines flight IC 814 hijacking have been answered even after 25 years. Of the several aspects that still remain shrouded in mystery, are that of a black briefcase, two red bags, and their contents, that were part of the longest hijacking in India's aviation history.

The hijacking of IC 814, which played out on India's fledgling news channels, has been brought back into our drawing rooms because of Anubhav Sinha's series IC 814 -- The Kandahar Hijack, which is streaming on Netflix.

One of the red bags (a red suitcase according to some accounts) was checked into the cargo hold of IC 814 by the terrorists at Kathmandu's International Airport. It was said to have explosives, which made the Indian government cautious in its response to the hijacking crisis. Was there RDX or grenades? Nothing is officially known about it, though then foreign minister Jaswant Singh tries to shed some light on it in his book 'In Service of Emergent India - A Call to Honor'.

The other red bag, carried by Jaswant Singh while accompanying the three terrorists to be released in Kandahar, and its contents still remain a mystery. The Congress demanded a Joint Parliamentary Committee (JPC) probe into that red bag.

Then there is a black briefcase. That was carried by Indian officials accompanying foreign minister Singh on the flight to Kandahar.

Here's how the two red bags and the black briefcase are integral to the IC 814 hijacking story. And what we know about their contents.

THE IC 814 KANDAHAR HIJACKING

Flight IC 814 of Indian Airlines, bound from Kathmandu to Delhi, was hijacked as soon as it entered Indian airspace on December 24, 1999.

It had 191 flyers on board, including 15 crew members.There were five hijackers who demanded that the Captain of the plane, Devi Sharan, fly it to Kabul.

On being told that it didn't have the required fuel to make the distance to Kabul, the five terrorists ordered it to be refuelled at Lahore. The Pakistani authorities denied IC 814 the landing rights at Lahore airport, and the terrorists had no choice but to relent to the plane being brought to Amritsar.

Amid this, India lost the golden hour to react to the crisis. The plane waited for around 50 minutes at Amritsar but sensing something amiss over the delay in refuelling the plane, Captain Devi Sharan was forced to take off without refuelling.

It was refuelled in Dubai, and 27 passengers and the body of Rupin Katyal, who was stabbed to death, was released there after negotiations between the hijackers and the UAE authorities.

The plane was then commandeered to Kandahar in Taliban-controlled Afghanistan, where the passengers spent six more days under the shadow of guns.

The hijackers initially demanded the release of 36 prisoners and a ransom of $200 million in cash. Despite the initial reluctance, the Indian government negotiated with the hijackers of IC 814, with the Taliban acting as mediators.

The 155 passengers were released after India freed three terrorists -- Ahmed Omar Saeed Sheikh, Masood Azhar, and Mushtaq Ahmed Zargar.

NEWS BOX

Tim Walz unhurt after his motorcade involved in highway crash in Milwaukee

World. Democratic vice presidential nominee Tim Walz was unharmed after several vehicles at the back of his motorcade crashed while heading from the airport to a campaign stop in Milwaukee, CBS News reported.

The crash occurred shortly before 1 p.m. Monday (local time) on Interstate 794 as Walz, who is also the governor of Minnesota, was on his way to an event celebrating Labor Day. Some reporters had scrapes and bruises, and one had a bloody nose.A staff member in one of the press vans had a broken arm and was being treated by medics, according to journalists travelling with the vice presidential nominee.According to an Associated Press report, the journalists said they were violently thrown forward as one van slammed into another in front of it and then was hit from behind.

It wasn't immediately clear what caused the crash.

Upon arriving at the Milwaukee event, Walz addressed the situation, stating, "Some of my staff and members of the press that were travelling up with us were involved in a traffic accident on the way here today. I'm relieved to say that with a few minor injuries, everybody's going to be okay."Walz and his motorcade stopped at the hospital a few hours after the crash so he could check on staff members who were injured.

US President Joe Biden reached out to Walz shortly after the incident, expressing his concern. Vice President Kamala Harris, who was campaigning in Detroit, spoke with her running mate onthe phone after the crash, her campaign said.Republican vice presidential nominee, Senator JD Vance of Ohio, also sent his well wishes, tweeting, "Hoping everyone's OK."

Indonesian man, 45, kills neighbour who kept asking him why he wasn't married

Yemen's Iran-backed Houthi rebels attacked two crude oil tankers -- the Saudi-flagged Amjad and the Panama-flagged Blue Lagoon I -- in the Red Sea on Monday (local time), the US military said, calling the assaults "reckless acts of terrorism".The Houthis late on Monday claimed responsibility for targeting the Blue Lagoon with multiple missiles and drones but did not make any mention of the Saudi tanker.

The US Central Command said the Houthis attacked the two tankers with two ballistic missiles and a one-way attack uncrewed aerial system, hitting both vessels.Both vessels were laden with crude oil, with the Amjad carrying about two million barrels of oil, according to the US military statement, which described the attacks as "reckless acts of terrorism by the Houthis".Two sources told Reuters earlier that the ships were sailing near each other when they were hit but were able to continue their voyages with no major damage assessed or any casualties.The Amjad's owner, Saudi national shipping group Bahri, did not immediately respond to a request for comment. The supertanker has a maximum capacity of 2 million barrels.The Greek manager of the Blue Lagoon I, Sea Trade Marine SA, was not immediately available for comment. The Suezmax tanker has a maximum capacity of 1 million barrels.One of the sources told Reuters that Amjad was unlikely to have been directly targeted.Saudi Arabia, the world's top oil exporter, has watched with alarm as Houthi missiles have been fired over its territory to target ships in the Red Sea. Saudi Arabia has tried to extract itself from a messy war in Yemen and a destructive feud with the Houthis's principal backer, Iran.The Houthis first launched aerial drone and missile strikes on the waterway in November last year. They say they are acting in solidarity with Palestinians under assault in Israel's war on Gaza that has killed tens of thousands, flattened most of the enclave and caused a humanitarian crisis following Palestinian group Hamas's deadly October 7 attack.

Bangladesh's ousted PM Sheikh Hasina faces 5 new murder cases, tally rises to 89

Dhaka Five new murder cases have been filed against Bangladesh's de the quota reform protests in the country, according to media reports.

The cases, filed with Dhaka Chief Metropolitan Magistrate Court on Monday, were the latest in the slew of cases filed against the 76-year-old leader after her resignation and fleeing to India on August 5 following a massive protest by students against a quota system in government jobs.With this, the tally of cases filed against Hasina has risen to 89, the Dhaka Tribune reported.Five more murder cases have been filed against Hasina, party general secretary Obaidul Quader, and 339 others, in connection with the deaths of five people during the Anti-Discrimination Student Movement, the Tribune reported.Over 230 people were killed in Bangladesh in the incidents of violence that erupted across the country following the fall of the Hasina government, taking the death toll to more than 600 since the massive protest by students against a controversial quota system in government jobs first started in mid-July.The Hasina-led government was replaced by an interim government, and 84-year-old Nobel laureate Muhammad Yunus was named its Chief Adviser.Relatives of the victims lodged the cases in different metropolitan magistrate courts in Dhaka on Monday.

Hamas's 'new orders' on handling hostages amid outrage over deaths: Report

Hamas official Abu Ubaida's statement happened to coincide with the discovery of six more dead hostages in Gaza. Israel's military claims the hostages were executed shortly before troops could reach them.

World As outrage grows in Israel over hostage deaths, Hamas said it has laid out instructions on how to manage captives if Israeli forces close in on their positions. A spokesperson for the Palestinian militant group's armed wing told Reuters that the orders were issued months ago.The statement comes a day after Israel announced that it had recovered the bodies of six hostages, including an Israeli-American, from a tunnel in Rafah, southern Gaza. The Israel Defense Forces (IDF) claimed the hostages were "brutally" murdered "a short while" before troops were able to reach them.

Hamas official Abu Ubaida said the instructions were given after Israel rescued four of its citizens, who were taken during the October 7 Hamas attacks, from the Nuseirat refugee camp in Gaza. The rescue operation, which took place in June, resulted in the deaths of at least 274 Palestinians, according to Gazan health officials."Let it be clear to everyone that, following the incident in Nuseirat, new instructions have been issued to the Mujahideen tasked with guarding the prisoners," Ubaida stated."These instructions outline how to handle the situation if the occupation army approaches the location where the prisoners are being held," he added, without going into specifics.Ubaida further blamed the Israeli government for the deaths of the six hostages, accusing Prime Minister Benjamin Netanyahu of pursuing military operations instead of negotiating."Netanyahu's insistence to free prisoners through military pressure, instead of sealing a deal means they will be returned to their families in shrouds," Ubaida said. "Their families must choose whether they want them dead or alive."

NETANYAHU UNDER ATTACK

Furious Israelis staged massive protests against the Netanyahu government in response to the discovery of six more dead hostages. The Hostages and Missing Families Forum, representing families of those held captive by Hamas, has excoriated Netanyahu for failing to bring the hostages home."A deal for the return of the hostages has been on the table for over two months," the group said in a statement. "If it weren't for the thwarting of the deal, the hostages whose deaths we learned of this morning would probably be alive."US President Joe Biden also hit out at Netanyahu, saying he was not doing enough to secure a ceasefire and hostage deal. The US, along with mediators from Qatar and Egypt, has been working for months to broker an agreement that would pause the fighting in Gaza and facilitate the release of the remaining hostages.

DEFIANT NETANYAHU RESISTS TRUCE CALL

In a press conference Monday, Netanyahu rejected calls for a ceasefire, reiterating that the 11-month conflict in Gaza will only end once Hamas is eradicated."Israel will not accept the massacre of six hostages, Hamas will pay a heavy price," he said. "Iran's axis of evil needs the Philadelphi corridors â€æ Israel must control it," Netanyahu added, referring to a strategic corridor along the Gaza-Egyptian border."No one is more committed to freeing the hostages than me. ... No one will preach to me on this issue," he asserted.Senior Hamas official Sami Abu Zuhri accused the Israeli leader of trying to deflect responsibility for the hostages' deaths, saying, "Netanyahu killed the six prisoners and he is determined to kill the remaining ones.

Brazil's Supreme Court unanimously upholds nationwide ban on X

Rio De Janerio. A Brazilian Supreme Court panel on Monday unanimously upheld the decision of one of its justices to block billionaire Elon Musk's social media platform X nationwide, according to the court's website.

The broader support among justices undermines the effort by Musk and his supporters to cast Justice Alexandre de Moraes as an authoritarian renegade who is intent on censoring political speech in Brazil.The panel that voted in a virtual session was comprised of five of the full bench's 11 justices, including de Moraes, who last Friday ordered the platform blocked for refusing to name a local legal representative, as required by law. It will stay suspended until it complies with his orders and pays outstanding fines that as of last week exceeded $3 million, according to his decision.The platform has clashed with de Moraes over its reluctance to block users, and has alleged that de Moraes wants an in-country legal representative so that Brazilian authorities can exert leverage over the company by having someone to arrest.

De Moraes also set a daily fine of 50,000 reais ($8,900) for people or companies using virtual private networks, or VPNs,

to access X. Some legal experts questioned the grounds for that decision and how it would be enforced, including Brazil's bar association, which said it would request the Supreme Court review that provision.

But the majority of the panel upheld the VPN fine-- with one justice opposing unless users are shown to be using X to commit crimes.Brazil is one of the biggest markets for X, with tens of millions of users. Its block marked a dramatic escalation in a monthslong feud between Musk and de Moraes over free speech, far-right accounts and misinformation.Over the weekend, many X users in Brazil said they felt disconnected from the world and began migrating en masse to alternative platforms, like Bluesky and Threads.The suspension has also proceeded to set up a showdown between de Moraes and Musk's satellite internet provider Starlink, which is refusing to enforce the justice's decision."He violated the constitution of Brazil repeatedly and egregiously, after swearing an oath to protect it," Musk wrote in the hours before the vote, adding a flurry of insults and accusations in the wake of the panel's vote. On Sunday, Musk announced the creation of an X account to publish the justice's sealed decisions that he said would show they violated Brazilian law.But legal experts have said such claims don't hold water, noting in particular that de Moraes' peers have repeatedly endorsed his rulings — as they did on Monday. Although his actions are viewed by experts as legal, they have sparked some debate over whether one man has been afforded too much power, or if his rulings should have more transparency.De Moraes' decision to quickly refer his order for panel approval served to obtain "collective, more institutional support that attempts to depersonalize the decision," Conrado H¼bner.

Two killed after car plows into restaurant's patio area in US's Minnesota

St Louis Park. A man drove his car through a restaurant patio where a group of medical workers were celebrating in a Minneapolis suburb on Sunday, killing two people and injuring at least four, police and hospital officials said.

Surveillance footage captured a man, whom police did not name, driving into the outdoor patio of the Park Tavern in St Louis Park, a city immediately west of Minneapolis. The footage shows the man entering the restaurant parking lot on Sunday evening but not going inside. He attempted to park, then drove into the outdoor patio, police said.The driver was arrested for criminal vehicular homicide. Police did not offer additional details on a potential motive. They also did not identify the victims. But in a written statement on Monday, Annelise Heitkamp, a spokesperson for Methodist Hospital in St. Louis Park, said one of the

people who died and the four who were injured worked at the facility."Following the tragic incident at Park Tavern, we're grieving the loss of a loved and respected colleague and friend to many here at Methodist Hospital and HealthPartners," Heitkamp said. "Our thoughts are with our colleague's family and loved ones during this incredibly difficult time."

The statement did not disclose the deceased people's names. It said all four of the injured hospital workers were nurses. Dr. Thomas Stark, who works at Methodist Hospital, told KSTP-TV that the group of colleagues went to Park Tavern, which is near the hospital, on Sunday night to celebrate with one of the nurses, who was leaving her role for a new position."On to the next chapter of her life and everyone was out celebrating, having a good time and saying good-bye," Stark said.

That nurse is now hospitalised with severe injuries, according to the news station.

One person who witnessed the episode told KARE-TV that the driver struck the back of his vehicle before mowing directly into a crowd of about 30 people on the patio.

Venezuela issues arrest warrant for Nicolas Maduro's rival amid poll dispute

A court in Venezuela has issued an arrest warrant for opposition leader Edmundo Gonzalez, accusing him of conspiracy and other crimes amid a dispute over whether he or President Nicolas Maduro won a July election.

Caracas Venezuela's attorney general's office said on Monday a court issued an arrest warrant for opposition leader Edmundo Gonzalez, accusing him of conspiracy and other crimes amid a dispute over whether he or President Nicolas Maduro won a July election.

Attorney General Tarek Saab shared a photo of the warrant with Reuters via a message on the application Telegram.

The issue of an arrest warrant against Gonzalez would amount to a major escalation in Maduro's government's crackdown against the opposition following the disputed election.Venezuela's national electoral authority and its top court have said Maduro was the victor of the July 28 election with just over half of the votes, but tallies shared by the opposition show a resounding victory for Gonzalez.The warrant follows weeks of comments from top government officials saying Gonzalez and other members of the opposition should go to jail."This man has the nerve to say he doesn't recognize laws, he doesn't recognize anything. What's up with that? That's unacceptable," Maduro said in a broadcast on state television. "Citizens agree that laws have to work and that officials do their job."The opposition, some Western countries and international bodies like a United Nations panel of experts have said the vote was not transparent and demanded the publication of full tallies, with some outright decrying fraud.A Gonzalez spokesperson said they were awaiting any notification of a warrant but made no further comment. The opposition has always denied any wrongdoing.

"They have lost all notion of reality," opposition leader Maria Corina Machado said on X. "Threatening the President-elect will only achieve more cohesion and increase the support of Venezuelans and the world for Edmundo Gonzalez.

"The opposition has published what it says are copies of over 80 per cent of ballot box-level tallies on a public website, while the electoral council says a cyber attack on election night has prevented its publication of the full tallies.The warrant request appeared to be the government's latest salvo in what the opposition says is a crackdown on dissent.Saab has also launched criminal probes into Machado and the opposition vote tally website itself and detentions of opposition figures and protesters have continued in the weeks since the vote.

5 injured in shooting in New York's West Indian American Day Parade

According to the police, a gunman targeted a specific group of people during the Indian American Day parade and opened fire along the parade route in Brooklyn.

New York. Five people were shot Monday at New York City's West Indian American Day Parade, police said. It's the latest instance of violence marring one of the world's largest annual celebrations of Caribbean culture.A gunman targeting a specific group of people opened fire along the parade route in Brooklyn around 2:35 p.m., NYPD Chief of Patrol John Chell said.The parade had kicked off hours earlier, with thousands of revelers dancing and marching down Eastern Parkway, a main thoroughfare through the borough. It was expected to continue into the night.Two people were critically wounded, Chell said. The three other victims are expected to survive their injuries, he said. The gunman fled.

"This was not random," Chell said. "This was an intentional act by one person towards a group of people. We do not by no means have any active shooter or anything of that nature running around Eastern Parkway as we speak. The parade is going on and will go on until later on tonight."An Associated Press videographer who was nearby when the shots rang out saw at least two people being treated next for what appeared to be wounds to the face and arm.Police cordoned off an area adjacent to the parade route, where they had placed crime scene markers. The parade continued flowing past as officers were seen bagging items.

Chell asked that bystanders provide police with any video footage they may have recorded of the shooting."We need that video," Chell said. "We are going to solve this, but it's going to take a lot of work."

Some people attending the parade were shaken by the violence."I'm crying over this, it's so terrible. How can someone have the heart to fire a gun around so many people — babies, children, the elderly," Jalissa Bailey told the New York Post."I know this parade has a history of violence, but things have been peaceful in recent years, and we got to hoping that there was enough security in place that maybe that was over with," Bailey said.

Senate Majority Leader Chuck Schumer was marching in the parade at the time and completed the route."I'm pained and troubled by the horrible shooting that took place as we were marching together at the West Indian Day Festival and Parade in Brooklyn," Schumer posted on X, formerly known as Twitter. "Thank you to our 1st responders on the scene. I pray for everyone affected. We must keep working to end gun violence in America."The parade, an annual Labor Day event in its 57th year, turns Eastern Parkway into a kaleidoscope of feather-covered costumes and colorful flags as participants make their way down the thoroughfare alongside floats stacked high with speakers playing soca and reggae music.The parade routinely attracts huge crowds, who line the almost 2-mile (3.2-kilometer) route that runs from Crown Heights to the Brooklyn Museum. It's also a popular destination for local politicians, many of whom have West Indian heritage or represent members of the city's large Caribbean community.

Though a joyous occasion, the parade and related celebrations have been plagued by violence over the years.In 2016, two people were killed and several others were wounded near the parade route. The year before, Carey Gabay, an aide to then-Gov. Andrew Cuomo was shot in the head during pre-parade festivities. He died nine days later.

NEWS BOX

US Open: Swiatek seals 2nd US Open quarter-final berth, De Minaur beats Thompson

New Delhi Iga Swiatek and Alex De Minaur stormed into the quarter-final of US Open 2024 in their respective women's and men's singles draw. The No. 1 seed Swiatek reached her 9th Grand Slam quarter-final and is looking ever so hungry to win the US Open title again. While playing her 100th Grand Slam match, she beat Liudmila Samsonova 6-4 6-1 to qualify for her 2nd US Open quarters. The Polish player not only won her last 33 out of 26 matches, but also registered her 8th consecutive sets win. Swiatek will next face Jessica Pegula in the next round at Flushing Meadows."We played here two years ago. Playing against Jessica it's never easy. Pretty tricky game style. You have to work low on your legs and be ready for long rallies but also some intense hitting. She's a great player so for sure it's gonna be a challenge," Swiatek said at the on-court interview, as she realised the strength of her opponent.

Swiatek's win in 100th Grand Slam match

Swiatek equalled Ema Navarros' record for most hard court wins in the women's draw category as she registered her 29th win. The 16th seed was aiming for her first-ever

Grand Slam quarter-final but couldn't get a single break point. She defended two break points in the fourth game, but could not get hold off Swiatek, who break the Russian to love in the 10th game.The Russian was down 0-3 in the second set, and fought off three break points in the 4th game. However, she handed Swiatek a break with the double fault. Swiatek closed it out on the second match point with her clinical play.

De Minaur wins battle of Australians

De Minaur also stepped up his game this time to reach his first-ever US Open quarter-final in last 4 years. He defeated Jordon Thompson 6-0 3-6 6-3 7-5 to have his 40th win of the year and qualified for his 3rd straight and 4th Grand Slam quarter-final.

"Look I'm doing my best. In the past, my happiness almost depended on my results. I'm trying to do my best to trust the process, trust the journey.. I'm doing my best. I'm trying to get better. I'm trying to find happiness outside of just wins and losses. It's helped me so far. But I'm sure as hell a lot happier when I win tennis matches"Alex de Minaur started strong against Jordan Thompson, who struggled with errors in the first set. Thompson improved in the second set, attacking more and winning 71% of net points.

Uruguay legend Luis Suarez announces retirement from international football

New Delhi. Uruguay football legend Luis Suárez has announced his retirement from international football, marking the end of an iconic career that saw him become the country's all-time top scorer. Suárez revealed his decision during a press conference on Monday, September 2, stating that he would retire after Uruguay's FIFA World Cup qualifiers against Paraguay on September 6.Suárez will conclude his international journey as Uruguay's most prolific scorer, with an impressive 69 goals in 142 appearances across 17 years. Suárez made his senior debut for Uruguay on February 8, 2007, in a 3-1 victory over Colombia. He quickly became a vital part of the squad, playing a key role in securing Uruguay's spot in the 2010 FIFA World Cup in South Africa. By then, he had already cemented his place in the team, featuring in 19 of the 20 World

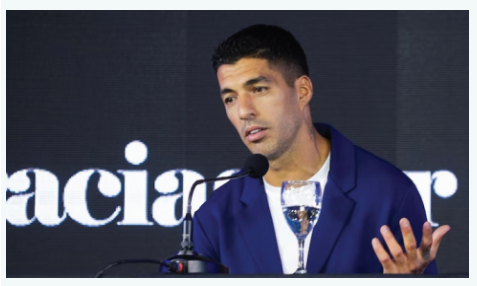

Cup qualifying matches."There is no better pride in oneself than knowing when the right moment to retire is, and luckily I am confident that I am retiring from the national team because I want to take a step aside...I am 37 years old, and I know that it is very difficult to get to the next World Cup. It comforts me a lot that I can retire and not for my injuries to retire me, or to stop being called up," Suarez said in the press conference."For me individually, it is very helpful for me to want to take that step aside and feel ready. It is difficult because the decision was not easy. But I go with the peace of mind that until the last game I gave my all, and that the flame did not burn out slowly and that is why I made the decision that it should be now," Suarez added.

The infamous 2010 handball

One of the most iconic moments of Suárez's international career came during the 2010 World Cup quarterfinal against Ghana. In the dying moments of the game, Suárez committed an infamous handball on the goal line to prevent Ghana from scoring a certain winner. Although he was red-carded, Ghana's Asamoah Gyan missed the resulting penalty, and Uruguay went on to win the match in a dramatic penalty shootout, advancing to the semifinals.

Sumit Antil wins gold in javelin throw F64, becomes first Indian man to defend title in Paralympics

The 26-year-old world record holder from Sonipat in Haryana bettered his own earlier Paralympic best of 68.55m set in Tokyo while winning the gold three years ago.

PARIS. Star javelin thrower Sumit Antil on Monday became the first Indian man and second from the country to defend the title as he won the F64 category gold with Paralympics record of 70.59m at the Paris Games.The 26-year-old world record holder from Sonipat in Haryana bettered his own earlier Paralympic best of 68.55m set in Tokyo while winning the gold three years ago.

Antil's world record stands at 73.29m.

Reigning world champion Antil is the second Indian overall after shooter Avani Lekhara to defend the Paralympics title.Avani had won gold in women's 10m air rifle standing SH1 event in Paris after winning a yellow metal in the same event in Tokyo Games.He also joined an exclusive three-member club of Indians who have won two Paralympics gold.Besides Antil and Avani, the third member of the group is current Paralympic Committee of India President Devendra Jhajharia who won javelin throw F46 gold in 2004 Athens and 2016 Rio Games.Antil has also won gold in the World Para Athletics Championships in 2023 and 2024, besides standing on top of podium in last year's Asian Para Games in Hangzhou, China.The wrestler-turned-javelin thrower clinched India's third gold of the Paris Paralympics and first in para-athletics.It was India's fifth medal from para-athletics here.Antil destroyed the field with his second round throw of 70.59m.He had two other big throws of 69.11m in his opening attempt and 69.04m in his fifth effort, both bettering his earlier Paralympic record.Antil, though, could not breach the 75m mark, the target he had set before going to the Paris Games.Dulan Kodithuwakku of Sri Lanka took the silver with 67.03m while Michal Burian of Australia won the bronze with a throw of 64.89m.Two other Indians in the fray, Sandeep and Sandip Sanjay Sargar, finished fourth and seventh with throws of 62.80m and 58.03m respectively.F64 category is for athletes with problems in the lower limb(s), those competing with prosthesis or affected by leg length difference.Antil lost his left leg below the knee after he was involved in a motorbike accident in 2015.A student of Delhi's Ramjas

College, Antil was an able-bodied wrestler before his accident which led to amputation of his leg below the knee.A para athlete in his village initiated him to the sport in 2018.

He even competed against Tokyo Olympics champion Neeraj Chopra in the able-bodied Indian Grand Prix series 3 on March 5, 2021 in Patiala.He had finished seventh with a best throw of 66.43m while Chopra shattered his then national record with a big effort of 88.07m.Earlier in the day, Yogesh Kathuniya clinched his second consecutive Paralympic silver medal in men's discus throw F-56 event with a season's best effort 42.22m.The 27-year-old hurled the discus to the podium-clinching distance in his very first attempt to add to the silver he won in Tokyo.Brazil's Claudiney Batista dos Santos registered a hat-trick of Paralympic gold medals, creating a new Games record with an effort of 46.86m in his fifth attempt.

Greece's Konstantinos Tzounis won the bronze with 41.32m.The F-56 classification covers limb deficiency, leg length difference, impaired muscle power and impaired range of movement.At the age of 9, Kathuniya developed the Guillain-Barre syndrome, a rare autoimmune condition which causes numbness, tingling and muscle weakness that can progress to paralysis.He was bound to the wheelchair during his childhood but overcame the odds with the help of his mother Meena Devi, who learnt physiotherapy to help him regain muscle strength to walk again.

His father has served in the Indian Army.

Kathuniya is a commerce graduate from Delhi's prestigious Kirori Mal College.

Besides two Paralympic silver medals, he has three world championship medals, including two silver and a bronze.On Sunday, Preethi Pal created history as she became the first Indian woman track and field athlete to win two medals at the Paralympics while Nishad Kumar clinched his second successive silver at the showpiece in the men's high jump T47 category.The 23-year-old Preethi bagged a bronze in the 200m T35 category with a personal best time of 30.01 seconds.

Hugh Barter, Aqil Alibhai light up Formula 4 Indian Championship in Chennai

Australian Hugh Barter and South African Aqil Alibhai showcased their racing prowess in the FIA-Formula 4 Indian Championship, each claiming victory in a thrilling day of races marked by dramatic comebacks and tight competition.

Chennai Australian Hugh Barter of Godspeed Kochi and South African Aqil Alibhai of Hyderabad Blackbirds wrote their own scripts to share the day's honours in the FIA-Formula 4 Indian Championship.Starting from pole position, Barter topped Race-1 in typical style, outpacing the field, in another flawless exhibition that underlined his undoubted talent. In contrast, Alibhai, who missed Race-1 due to issues with his car, made ample amends by winning Race-2 after starting fourth on the grid, and, in the process, displaying considerable skill in defensive driving.Barter, who last weekend had won a race starting last on the grid, was unstoppable while winning the first race that was marred by two Safety Car periods and then a red flag with little over three minutes and a lap left.Meanwhile, Abhay Mohan (Bangalore Speedsters) quietly moved to P4 from P8 and then jumped to third place behind Barter and Ruhaan Alva Shrachi Rarh Bengal Tigers) as Jaden Pariat (Bangalore Speedsters) retired, bringing out the Safety Car for the third time with about six minutes and a lap left of the race. The proceedings were yet again interrupted by a red flag with about 3:30 plus one lap remaining following an incident.

Unable to complete Qualifying-2 session, Barter started Race-2 from the end of the grid, but in no time, climbed to fifth before tangling with Ruhaan Alva and dropped to eighth. Ahead of them, Alibhai made three spots to take the lead which he defended with aplomb to win from two Indians, Divy Nandan and Jaden Pariat as the race ended behind the Safety Car. Alva finished fourth while Barter came in fifth.

Victor Osimhen joins Galatasaray on 1-year loan deal after Napoli fallout

New Delhi. In a surprising turn of events, Napoli forward Victor Osimhen has completed a loan move to Turkish Super League giants Galatasaray after a fallout with Serie A club and coach Antonio Conte. The one-year loan deal, which includes no obligation to buy, will see Galatasaray cover Osimhen's full salary. This development follows the collapse of Osimhen's potential headline transfer to Premier League club Chelsea, as the player and the London club failed to agree on terms.The loan deal also resulted in a significant adjustment to Osimhen's release clause at Napoli, lowering it to €75 million. This was a key point of negotiation between Osimhen, his agents, and Napoli, as they sought to make a

future transfer more feasible. However, with the deteriorating relationship between Osimhen and the Italian club, the possibility of him continuing with Napoli seems unlikely.Napoli coach Antonio Conte had made it clear on multiple occasions that Osimhen was not part of his plans for the team. This sentiment was further underscored by the club's recent acquisition of Romelu Lukaku as their new number 9, effectively signaling the end of Osimhen's role in the squad. While the club has provided Osimhen with the option to extend his contract until 2027, the fractured relationship makes it doubtful that the Nigerian forward will remain with Napoli beyond his loan spell.Osimhen's move to Galatasaray marks a new chapter in his career, but it also casts a shadow over his future with Napoli, a club where he was once seen as a key figure. As the situation continues to unfold, it remains to be seen whether this loan move is a temporary solution or the beginning of a permanent separation between Osimhen and Napoli.

'Sixer King' Priyansh Arya calls Virat Kohli his favourite, wishes to play for RCB

Nick Hockley announced that he would step down as the CEO of Cricket Australia after serving them for five years. He is expected to leave his role around the end of March.

New Delhi Delhi's rising star Priyansh Arya recently grabbed the spotlight for his blitz at the Delhi Premier League as he smashed six sixes in an over. Arya, who dons jersey No.18, called Virat Kohli his favourite player and his idol. The star India batter has always managed to wow the young generation of cricketers, who aspire to contribute towards Indian cricket like him. Arya was no different as he opened up about his admiration towards Kohli's aggressive style and his aim to emulate the same. He also expressed his desire to play for RCB in IPL."Virat Kohli is my favourite, want to play for RCB. My favourite team is RCB, admire Virat Kohli a lot, I like his aggression. I also like to play aggressive cricket. He is my idol," Priyansh told PTI. The 23-year-old wanted to contribute towards helping RCB lift their 1st ever IPL title as the coveted trophy remained elusive of the franchise for more than 17 years.

Priyansh hit six sixes in an over

Arya took the DPL by storm with his breathtaking hitting and is currently the top run-scorer with 602 runs across nine innings. He became the latest entrant in a rare 6 sixes in an over club while playing for South Delhi Superstarz against North Delhi Strikers. The left-handed batter took on left-arm spinner Manan Bharadwaj in the 12th over with a barrage of sixes. He went on to score his 2nd century of the tournament as he piled up 120 runs from 50 balls.

"I had this thing in mind that if a left-arm spinner comes on to bowl, I will attack him. After the fourth six, I started to believe that I can hit six sixes and will go for that. Ayush backed me and told me to go for the kill," he revealed.

The record-breaking stand

The captain of Delhi Superstarz Ayush Badoni was his partner in crime as he scored 165 off 55 balls and shared a record-breaking stand of 286 runs with Arya. Their stand helped the team rack up 308 runs on the board and in reply, North Delhi could only score 196 runs.

"Badoni's quite relaxed and doesn't talk much, just tells us to express ourselves. The team's environment is calm, coaches talk about the positives rather than negatives. The mindset is to win the trophy," he added.

US Open: Sinner bests Tommy Paul to seal quarterfinal, Beatriz scripts history

Jannik Sinner advanced to the US Open quarterfinals, defeating Tommy Paul and becoming the only player to reach the quarters in all four Grand Slams this year. On the same day, Beatriz Haddad Maia also made history as the first

New York. Jannik Sinner secured his place in the US Open quarterfinals by defeating USA's Tommy Paul in a thrilling Round of 16 clash, winning 7-6, 7-6, 6-1. This victory makes Sinner the only player this season to reach the quarterfinals or better in all four Grand Slams, showcasing his remarkable consistency.The match between Sinner and Paul was a high-intensity battle that kept the Arthur Ashe Stadium crowd on the edge of their seats. Both players demonstrated exceptional skill, trading powerful

shots and showcasing impressive court movement. The first two sets were tightly contested, with neither player willing to give an inch. Both sets required tie-breakers to determine the winner, reflecting what was an evenly matched contest to say the least.It wasn't until the third set that Sinner, the World No. 1, truly asserted his dominance. Tommy Paul, who had fought valiantly in the first two sets, seemed to lose his composure, allowing Sinner to capitalize and close out the match with a decisive 6-1 victory. This win sets up an exciting quarterfinal clash between Sinner and World No. 5 Daniil Medvedev on September 4, promising another thrilling encounter.On the same day, Beatriz Haddad Maia made history by becoming the first Brazilian woman to reach the US Open quarterfinals. She defeated Denmark's Caroline Wozniacki at the Louis Armstrong Stadium in a hard-fought match, winning 6-2, 3-6, 6-3. Both players displayed incredible power and determination, but it was Haddad Maia who emerged victorious, maintaining her composure in crucial moments.Haddad Maia will now face Karolina Muchova in the quarterfinals, as she continues her historic run at the US Open.

Ananya Panday

on Call Me Bae's Comparisons With 2 Broke Girls, Emily in Paris: 'I Don't Like...'

The moment the trailer of Call Me Bae dropped, the internet drew comparisons with several shows in the West. Reddit and X were filled comparisons with Two Broke Girls, which starred Kat Dennings and Beth Behrs, and Netflix's Emily in Paris, starring Lily Collins. Although fans will have to wait to see if Call Me Bae is indeed inspired by the chick-flicks in the West but Ananya Panday urges people to watch the show before they speak. In an exclusive chat with News18 Showsha, Ananya addressed the comparisons."Just because this is the genre or the theme of the show, doesn't mean it is the copy of something else. It's like, if there's a romcom that's already been made, it doesn't make it a copy. It is following a similar format or genre. It's a template," Ananya Panday told us exclusively. Her Call Me Bae co-star, Niharika Lyra Dutt added, "All the shows mentioned are good shows. I feel like if it is reminding the audience of these things then it means it is comforting them and they want to watch more."

Ananya explained further, "I don't like the fact that when something is made in Hollywood and then it's made in India, people call it the sasta version of that. Why can't you be proud of the content that is coming from your own country? You sit and watch these shows for hours. But it is coming from your own country… Without watching it, don't judge it is what I would say."

She added that the characters will be the highlights of the show. "I think the best part of this show is its characters. Even though the template maybe chick-flick or that format, all the characters of the show are so wonderfully unique. Once you watch the show, I think people will relate," she added.Call Me Bae is created by Ishita Moitra and the story was penned by her, Samina Motlekar and Rohit Nair. The eight-episode series stars Ananya Pandey, Vir Das, Gurfateh Pirzada, Varun Sood, Vihaan Samat, Muskkaan Jaferi, Niharika Lyra Dutt, Lisa Mishra and Mini Mathur. The series will stream on September 6.

Karisma Kapoor

on Rumour That Kapoor Women Aren't Allowed to Work: 'Mummy, Neetu Aunty Ko Ghar Basana Tha'

Karisma Kapoor recently opened up on Zakir Khan's show Aapka Apna Zakir, addressing the long-standing rumour that the Kapoor family doesn't allow their women to work. The actor clarified that it was actually the women's own choice. Karisma explained that her mom, Babita Kapoor, and aunt Neetu Kapoor decided to focus on family life, while others like Geeta Bali and Jennifer Kendal chose to keep their careers alive after marriage.When Zakir brought up the chatter about whether Kapoor women needed permission to work in the industry, Karisma set the record straight. She said, "Yeh sab baatein hain ki mujhe allow tha yaa nahi tha. Jab meri mummy ki shaadi hui aur Neetu aunty ki shaadi hui, unka choice tha ki unko ghar basana tha, bachche karne the aur career achha hua tha. Unka choice tha (All this discussions about whether I was allowed or not is just that discussions. When my mom and Neetu aunty got married, it was their choice to focus on building a home, having children, and stepping away from their careers, which were going well. It was their decision)."

Karisma also pointed out that Shammi Kapoor's wife, Geeta Bali and Shashi Kapoor's wife, Jennifer Kendal, kept working after they got married. She said, "Similarly, Shammi uncle and Shashi uncle's wives, Geeta Bali ji and Jennifer aunty, unhone kaam kiya shaadi ke baad. Toh aisa kuch baat hai nahi ki Kapoor family mein shaadi ke baad kaam nahi kar sakte yaa Kapoor ladki kaam nahi karsakte. Aisa kuch nahi tha (They continued working after marriage. So, it's not true that in the Kapoor family, you can't work after marriage or that Kapoor women aren't allowed to have careers. There was never such a restriction)."On the professional front, Karisma Kapoor is currently seen as one of the judges on India's Best Dancer 4 alongside Geeta Kapur and Terence Lewis. The actress will next be appearing in the upcoming OTT series Brown. The thriller series revolves around a detective who investigates the murder of a young woman from a well-connected family while recovering from alcoholism. It also stars Helen, Ajinkya Deo and Soni Razdan in key roles.

Pregnant Deepika Padukone Shows Off Baby Bump in Stunning Maternity Shoot with Ranveer Singh

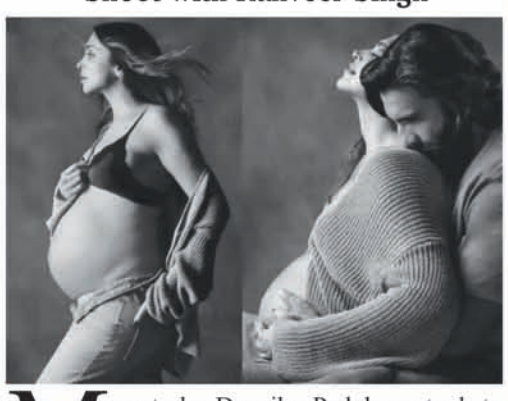

Mom-to-be Deepika Padukone took to Instagram and silenced the relentless speculation and criticism about her pregnancy by sharing a stunning maternity shoot that has left fans in awe. For months, many trolled and shamed her, with some calling her baby bump fake and others claiming that its shape kept changing. These harsh comments fuelled many rumours. However, Deepika shut down all the chatter with a beautiful carousel of photos, where she poses with her husband, actor Ranveer Singh, who lovingly cradles her baby bump. Check them out here:

A heavily pregnant Deepika Padukone's maternity shoot is a stunning celebration of a special chapter in her life. In one striking photo, she wears a black lace bralette paired with a black suit, her baby bump on display, while she beams her signature million-dollar, dimpled smile. Another photo captures her in a gorgeous black transparent dress, gracefully showcasing her bump. The most intimate of the series features Deepika in yet another black dress, posing with husband Ranveer Singh, as he gently cradles her baby bump.

After much speculation, Deepika Padukone and Ranveer Singh finally announced their pregnancy in February this year. Taking to Instagram, the much-loved couple shared that their baby will arrive in September 2024. The post met with a lot of love from their industry peers including Alia Bhatt, Priyanka Chopra Jonas, Vikrant Massey, Ayushmann Khurrana, and Sonam Kapoor Ahuja, among many others. Through the past few months, Deepika's public appearances where she's flaunting her baby bump have been going viral. She has also been grabbing attention for setting chic maternity fashion goals.News18 Showsha recently dropped an exclusive update for DeepVeer fans.

Preity Mukhundhan To Make Her Malayalam Debut With Maine Pyar Kiya

Tamil actress Preity Mukhundhan, who is best known for her role in the recently released film Star starring Kavin and most notably for her appearance in the very popular Tamil music video Aasa Kooda, will soon make her debut in Malayalam with the film Maine Pyar Kiya. The makers of the film announced her addition to the cast and released a poster featuring the Tamil actress.

The film, which is touted to be a romantic comedy with suspense elements, will be directed by debutant Faizal Faziludeen, who has co-written the screenplay with Blk Fzl. It will be bankrolled by Sanju Unnithan's Spire Productions, who recently took to social media to announce the film nd its title Maine Pyar Kiya.Maine Pyar Kiya has cinematography by Don Paul P, editing by Kannan Mohan, music by Ajmal Hasbulla and sound design by Renganaath Ravee. Details about the rest of the cast have not been revealed by the makers yet and more announcements are expected when the film hits the theatres soon.Preity Mukhundhan also has a Telugu film titled Kannappa in the pipeline, which is directed by Mukesh Kumar Singh. The upcoming Telugu film is written by Vishnu Manchu in the lead role and has guest appearances by popular stars like Mohanlal, Prabhas, Akshay Kumar and Kajal Aggarwal.

Preity Mukhundhan, born in Trichy, is a rising star who rose to overnight fame with her moves in the song Asa Kooda. The song became a viral sensation and so did the actress.

Her journey in the entertainment industry began when she moved to Chennai to utilise her skills and talent in acting. This decision soon bore fruit when she debuted with the music video Muttu Mu2, which also stars Teejay Arunasalam, Yogi B, Sivaangi Krish and Vijay TV Pugazh.Preity' also acted in the Tamil film Star, directed by Elan and starring Kavin and Aaditi Pohankar. However, it was her video Aasa Kooda that made her a star on social media. Her follower count on Instagram went from around 100,000 to a staggering 741,000. Being a trained dancer, Preity's moves surely impressed the audience.